कट्टरपंथी लीडरों का प्रशिक्षण

छोटे समूहों और सदन चर्चों में लीडरों को चर्च-रोपण आंदोलन चलाने की शिक्षा देने के लिए पुस्तिका

डैनिएल बी लंकास्टर

टी.टी. प्रेस

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 1 10/14/2013 10:47:36 PM

कट्टरपंथी लीडरों का प्रशिक्षण

छोटे समूहों और सदन चर्चों में लीडरों को चर्च-रोपण आंदोलन चलाने की शिक्षा देने के लिए एक पुस्तिका

द्वारा: डानिएल बी लंकास्टर, पी.एच.डी

टी4टी प्रेस द्वारा प्रकाशित

पहली छपाई: 2012

लेखक से लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी हिस्से को (संक्षेप कोटेशन को छोड़कर) दोबारा बनाया और किसी भी रूप या किसी भी माध्यम से चाहे इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या किसी भी तरह का जानकारी भरने वाले और पुनर्प्राप्ति व्यवस्था से संक्रमित नहीं किया जा सकता।

डैनियल बी लंकास्टर द्वारा कॉपीराइट 2012

आई.एस.बी.एन 978-0-9831387-0-9 मुद्रित

सभी शास्त्र कोटेशन अन्यथा सूचित, पवित्र बाइबिल में से ली गइ है,

नई अंतर्राष्ट्रीय संस्करणः, एनआईवी ® अंतर्राष्ट्रीय बाइबिल सोसायटी द्वारा कॉपीराइट © 1973, 1978, 1984

इसका इस्तेमाल जोनडरवैन की अनुमति से किया गया है। सभी अधिकार सुरक्षित।

(NLT) से चिह्नित शास्त्र कोटेशन पवित्र बाइबल, न्यू लिविंग ट्रांसलेशन कॉपीराइट © 1996, 2004। से ली गई है।

इसका इस्तेमाल टिनडेल हाउस पब्लिशर्स, इंक, वीटन, इलिनॉइस, 60,189 की अनुमति से किया गया है। सभी अधिकार सुरक्षित।

(NASB) से चिह्नित शास्त्र कोटेशन न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड बाइबल लौकमैन फाउंडेशन द्वारा कॉपीराइट©1960, 1962, 1963, 1968, 1971, 1972, 1973, 1975, 1977, 1995। सभी अधिकार सुरक्षित।

(HCSB) से चिह्नित शास्त्र कोटेशन होलमैन क्रिसचीयन स्टैनडरड बाइबल, होलमैन बाइबल पब्लिशर्स द्वारा कॉपीराइट©1999, 2000, 2002, 2003 । सभी अधिकार सुरक्षित।

अनुमति के द्वारा प्रयुक्त।

कांग्रेस के पुस्तकालय कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन

विषय सूची

विषय सूची 3
प्राक्कथन 7
आभार 7
प्रस्तावना 9

भाग १: नट्स और बोल्ट

येशु की योजना 17
लीडरों का प्रशिक्षण 20
सिद्धांतों का प्रशिक्षण 25

भाग २: नेतृत्व प्रशिक्षण

स्वागतम 31
यीशु की तरह प्रशिक्षण करें 46
यीशु की तरह निर्देशन करें 60
शक्तिशाली बनना 76
एकता में बल 92
ईसा-चरित वितरण 106
अनुयायी बनाएं 124
समूह प्रारंभ करें 143

समूह वृद्धि करें 162
यीशु का पालन करें..... 181

भाग ३: संसाधन

परिशिष्ट ए 198
परिशिष्ट बी 210
परिशिष्ट सी..... 213
परिशिष्ट डी 215

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 4 10/14/2013 10:47:36 PM

टॉम की याद में

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 6 10/14/2013 10:47:36 PM

प्राक्कथन

चर्च मंत्रालय को ओर अधिक प्रभावी बनाए रखना एक निरंतर चुनौती हैं | जो लोग येशु की सेवा में रत हैं उन्हें पता हैं कि कुछ मुद्दे, प्रशिक्षण के प्रभावी तरीको को सुनिश्चित करने से अधिक महत्वपुर्ण होते हैं| विश्वासी लोगो के प्रशिक्षण में सबसे प्रभावी तरीको में से एक तरीका "*यीशु का पालन - प्रशिक्षण शृंखला*" है|

विश्वासु अनुयाईयों को येशु की तरह बनाने में, शृंखला की प्रथम पुस्तक "*कट्टरपंथी अनुयायी बनाना*" योग्य सबक प्रदान करती हैं। दूसरी पुस्तक इसे और एक कदम आगे ले जाते हुए यह सबक प्रदान करती हैं कि कैसे येशु के अनुयायी जो समूह को बढ़ाते है उन्हें लीडर्स के रूप में प्रस्तुत किया जाए|डेन लंकैस्टर द्वारा लिखित "*कट्टरपंथी नेताओं का प्रशिक्षण*" यह पुस्तक प्रशिक्षण के लिए एक आजमाइ हुई और टेस्ट कि हुई योजना हैं| अध्यापन में यह न सिर्फ व्यावहारिक हैं बल्कि स्पष्ट भी हैं और प्रशिक्षण का संपूर्ण चित्र एवं अनुभव भी प्रदान करती हैं|

मंत्रालय के विश्वासु लोगो को प्रशिक्षित करने में सबसे प्रभावी तरीको में से एक "कट्टरपंथी लीडरो को प्रशिक्षण" यह हैं. ये सामुग्री न केवल प्रभावी हैं बल्कि नेतृत्व विकास को बढाती भी हैं|पाठ में बताये गये सबक लीडरों की जरूरतों को दर्शाते हैं, लीडर किस तरह दिखाई देते हैं इसकी दृष्टी प्रदान करते हैं और साथ में नए चर्चे शुरू करने के लिए आवश्यक कदम बताते हैं| यह पुस्तक लीडरो को प्रशिक्षण में अच्छी तरह से मदद करती हैं| "*कट्टरपंथी लीडरो को प्रशिक्षण*" यह पुस्तक लीडरो को न केवल उनको खुद को समझने में मदद

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 7 10/14/2013 10:47:36 PM

करती हैं बल्कि उनके कार्य और व्यक्तित्व के महत्वपूर्ण आठ पहलुओं से संबंधित चित्रों पर प्रकाश डालती हैं|

यीशु का पालन - प्रशिक्षण शृंखला नए विश्वासुओ को सम्पूर्ण तरह से सुसज्जित करती हैं| शृंखला में दूसरी पुस्तक. पहली पुस्तक में बताए गए तरीकों को आगे बढ़ाती है | राजाओ के राजा का मंत्रालय सबसे श्रेष्ठ पद्धति का माँग करता हैं| यह है लीडरों के प्रशिक्षण की योजना जो उन योग्यताओं पर खरा उतरते हैं|

रॉय जे. फिशि

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 8 10/14/2013 10:47:36 PM

आभार

प्रशिक्षण पर लिखी हर एक किताब जीवन में सीखे अनुभवों का संकलन है। "यीशु का पालन - प्रशिक्षण" (फोलो जीसस ट्रेनिंग सीरिज़) नामक यह प्रशिक्षण शृंखला भी कोई अपवाद नहीं है। जिन लोगों ने मुझे दूसरे लोगों को प्रशिक्षित करने के काबिल बनाया मैं उनके प्रती तहे दिल से आभार व्यक्त करता हू।

नेतृत्व प्रशिक्षण की सामग्री तैयार करने के लिये दक्षिण-पूर्व के अनेक मित्रों ने मेरे साथ मिलकर काम किया । गिल्बर्ट डेविड,जेरी विटफील्ड, क्रेग गरसिन, स्टीव स्मिथ, नील मिम्स, वूडी और लीन थिन्गपें, आप सब लोगों को आपके सहयोग, मदत और दृष्टकोण के लिए धन्यवाद । हमारी यह यात्रा कई सालो से चली आ रही है ।

कई आध्यात्मिक लीडरों ने मेरे जीवन को काफी प्रभावित किया है और मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगा । डॉ। रिकी पैरिस ने मुझे सीखाया की अपने दिल से कैसे भगवान की तलाश की जाती है । मेरी तीर्थयात्रा के दौरान गेलोन लेन, एल। डी। बैक्स-ले, और टॉम पोपल्का ने तीर्थगमन के मुश्किल रास्तों में मुझे निस्वार्थ प्रेम और आध्यात्मिक नेतृत्व के साथ संबोधित किया । डॉ। एल्विन मकेन ने मुझे भगवान के इस पवित्र कार्य पर प्रोत्साहित किया । रेव। निकि ओस्लों ने मुझे दिखाया की कैसे योजना और ईमानदारी को जीवन में उपयोग किया जाता है। डॉ। बेन स्मिथ ने मुझे येशु के साथ रूबरू किया तबसे मैं आत्मविश्वास महसूस करता हू । डॉ। रॉय फिश ने शुरुवात में ही अपने मंत्रालय के अंदर बहुतायत में अनुयायी बनाने की दृष्टी प्रदान की । रेव। रोन कैप्प्स मुझे सीखाया की सबसे बड़ा लीडर वो होता है जो सबके काम आता है । मैं दूसरे लोगों को

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 9 10/14/2013 10:47:36 PM

प्रशिक्षित कर सकूं इसलिये मुझे लीडर बनाने वाले, आप सभी लोगों का मैं आभारी हू ।

हमारे बनाए हाईलैंड फेलोशिप के दूसरे चरण में टॉम वेल्स एक पूजनीय लीडर के रूप में उभरे । वो एक प्रतिभाशाली संगीतकार होने के साथ मेरे बहोत अच्छे मित्र हैं। येशु के आठ चित्रों पर चर्चा करते करते टॉम और मैं बहुत बार कॉफी पिये । एक प्रशिक्षित कट्टरपंथी लीडर बनाने में इस्तेमाल होने वाले व्यक्तित्व को ढूँढने की सरल विधि विकसित करने में उन्होंने मेरी मदद की। येशु के आठ चित्रों पर आधारित चर्च और मंत्रालय बनाने का हमने आयोजन किया। चर्च के स्वास्थ संबंधित परामर्श सेवाए भी हमने प्रदान की । टॉम अभी आप भगवान के साथ हो पर आपका कार्य आगे बढ़ रहा है। आप हमारे दिल में हो और हम आपको बहुत याद करते हैं।

मैं डेविड और जिल शांक्स का खास तौर पर शुक्रीया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने इस परियोजना पर काम किया। उनकी उदारता के बलपर एशिया के अनगिनत अनुयायी - शिष्यत्व, लीडरशिप और चर्च के रोपण में सक्षम बने। स्वर्ग में बनी रेखाए लंबे समय तक मेरे कहे धन्यवाद का इंतज़ार करेंगी।

अंत: यह किताब मैं अपने परिवार को एक उपहार के रूप में पेश करता हू। मेरी पत्नी होली और मेरे बच्चे जेफ, ज़ैच, क्रिस और जेन ने आध्यात्मिक लीडर बनाने और राष्ट्र की उन्नति के इस कार्य में न केवल सहयोग दिया बल्कि बलिदान भी दिया।

डानिएल बी लंकास्टर, पीएचडी
साऊथईस्ट एशिया

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 10 10/14/2013 10:47:36 PM

प्रस्तावना

भगवान की कृपा से हमारे परिवार ने अमेरिका में दो चर्चो की शुरूवात की। पहला चर्च टेक्सास प्रान्त के सबसे गरीब कसबो में से एक हमिल्टन में था। आज भी वो यादे दिल को सुकून दे जाती है के कैसे भगवान पर विश्वास रखने वाले लोगों के एक समूह ने आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद २०० आसन के ऋण मुक्त चर्च का निर्माण किया। हमिल्टन पर कृपा दृष्टि रखते हुए भगवान ने हमारे जीवन को बदल दिया ।

दूसरा चर्च हमने टेक्सास प्रान्त के लेविसविले में लगाया । मैंने माध्यमिक और ऊच्य माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए लेविसविले में साल गुजारे जो की डैलास और फोर्ट वर्थ प्रभाग में एक प्रगतशील उपनगर हैं। मेरे मुख्य चर्च लेकलैंड बाप्टिस्ट ने चर्च लगाने के लिए हमें उदारता के साथ आर्थिक, भावनिक और आध्यात्मिक रूप से समर्थित किया । हमारा लगाया चर्च इस क्षेत्र में १८ वे नंबर पर था । हमारे चर्च लगाने के पिछिले अनुभव को ध्यान में रखकर पास्टर ने हमें एक संयुक्त समूह के बिना, मुख्य रूप से घरों में अपीलों पर निर्भर करते हुए चर्च शुरू करने का निवेदन किया।

चर्च लगाने के इस दो महीने के दौरान थकान की वजह से मेरा शरीर बेहद कमजोरी महसूस कर रहा था। जिस दिन हमारा चौथा बच्चा पैदा हुआ उसी दिन डॉक्टर ने मेरी बीमारी का निदान लूपस के रूप में किया । योग्य परीक्षणों के पश्चात यह तय हुआ की मुझे रीढ़ की बीमारी(एन्कीलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस) है। एक ऐसी बीमारी जिसमे रीढ़ की हड्डी, छाती का पिंजरा और कूल्हे के जोड़ गठिया रोग के कारण एक साथ दर्द करते हैं। ऊच्य क्षमता वाले दर्द शामक दवाईयों से कुछ आराम महसूस होता था परन्तु उनकी वजह से मैं सुस्त महसूस करता था।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 11 10/14/2013 10:47:36 PM

प्रत्येक दिन मैं ज्यादा से ज्यादा दो घंटे काम हो पाता था और बाकि का समय आराम और प्रार्थना में लगाता था ।

हमारे मंत्रालय के लिए यह वक्त एक अंधेरी रात जैसा था। मैं बीमार था फिर भी मुजे ऐसा लग रहा था की भगवान हमें चर्च शुरू करने के लिए बुला रहे हैं। थकान और दर्द की वजह से सब जैसे रुक गया था। हम भगवान से प्रार्थना कर रहे थे की हमें दर्द से मुक्ति दे दे पर भगवान ने हमें याद दिलाया की उसकी कृपा ही हमारे लिए पर्याप्त है। हमें लगा हमें भगवान ने छोड़ दिया पर उनका प्यार भक्तो के लिए कभी कम नहीं हो सकता। हम जब भी हारा हुया महसूस करते तब तब भगवान हमारे मन में नयी उम्मीद जगाते। हम सोचते थे के भगवान हमसे हुए कुछ अज्ञात पापों के लिए दण्डिति कर रहे हैं पर तब भगवान ने हमारे दिल में आस्था और विश्वास की किरण प्रकाशित की और उम्मीद जगाई की जो खोये हैं उन्हें मंजिल तक पहुचाना है । हमारी लक्ष्य क्षेत्र में पहुचने की योजना का सपना धीरे धीरे फीका होता गया और अंत गायब हो गया।

आप आपका समय नया चर्च शुरू करने में कैसे लगा सकते हैं जबकि आप दिन में सिर्फ दो ही घंटे काम कर पाते हो? भगवान ने हमें लीडरों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।किसी व्यक्ती के साथ एक घंटे के भीतर खाना खाते खाते आने वाले महीने की व्युहात्मक योजना कैसे दी जाये ये मैंने सीख लिया, और वो भी आम तौर पर एक नैपकिन पे लिख कर। प्रशिक्षण गुणित रुप से विकसित हुआ, जिनको हमने प्रशिक्षित किया उन्होने दूसरों को किया और इसी तरह से एक शृंखला निर्माण हुई जो येशु के व्यावहारिक तरीके का पालन करने में सक्षम थे। हमारी शारीरिक पीड़ा के बावजूद कई वयस्क और बच्चों ने भगवान के साम्राज्य में प्रवेश किया।

मेरी बीमारी में तिन साल बीत गये, मैने नयी दवाई का सेवन शुरू किया जिसिने हमारे रात और दिन में बदलाव लाया । दर्द और थकान काबू में आने लगे। पुरानी योजना पर कार्य करने की बजाय जिसमे पास्टर ही सब कार्य किया करते थे, हमने दूसरों को प्रशिक्षित करने का रास्ता अपनाया। चर्च शुरू करने के चार साल बाद

मैंने अपने मित्र के साथ दक्षिण पुर्व की यात्रा की। जैसे ही मैंने विमान से विदेशी भूमी में पैर रखा, भगवान ने मेरे दिल से

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 12 10/14/2013 10:47:36 PM

कहा की "यही तुम्हारा घर है"। उस रात मैंने अपने पत्नी से फोन पर बात की, उसने मुझे बताया की भगवान ने उसे भी वही कहा जो मुझे कहा । हम दोनो को भगवान ने एक ही बात कही थी । एक साल बाद जो भी हमारे पास था वो सब हमने बेच दिया, और हमारे परिवार के चारो सदस्य दक्षिण पूर्व एशिया की ओर चल पड़े।

एक बंद देश में हमने अनुयायी बनाने का कार्य शुरू किया। हमने भगवान से कहा की हमें तीन पुरुष और तीन महिलाये प्रदान करे जिन पर हम येशु के पीटर, जेम्स और जॉन की तरह अपना जीवन बहा सकें।

भगवान ने हमारी प्रार्थना स्वीकार कर लोगों को हमारे पास भेजा ताकि हम उनके साथ चले और उन्हें प्रशिक्षित कर सके, जैसे बरनबास ने पॉल को प्रशिक्षित किया। जैसे जैसे हमने ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को येशु ने दिखाए मार्ग पर चलने पर क्रमित किया वैसे वैसे उनमे से कइ लोगों ने नए समूहों की स्थापना की, कुछ तो चर्च भी बने। जैसे नए समूह और चर्च बढ़े वैसे नए और बेहतर लीडरों की कमी महसूस होने लगी। जिस देश में हमने मंत्रालय स्थापन किया था वहाँ भी लीडरों की वरिलता दिखाई देने लगी। हमने एक व्यापक तौर पर अध्ययन शुरू किया की कैसे येशु ने अपने अनुयाइयो को लीडर के रूप में विकसित किया। हमने एक रंजक खोज कर यह पाठ अपने राष्ट्रीय मित्रों को सीखाया कि वास्तव में अनुयायी बनाना और लीडरों को प्रशिक्षित करना एक ही सिक्के के दो पहलु हैं।अनुयायी बनाना यात्रा की शुरुवात है और लीडरों को प्रशिक्षित करना यात्रा को जारी रखता है। हमने साथ में यह भी खोज की के जैसे हम येशु की प्रतिमा बनने और बनाने की कोशिश करेंगे उतना ही सक्षम हमारा प्रशिक्षण बन जायेगा।

जो हमने लीडरों को सबक सीखाया है वो इस पुस्तिका में शामिल हैं । येशु उनके वक्त के और उनके अनुयायियों में सबसे महान लीडर थे। जैसे जैसे हम उनका पालन करते हैं हम उतने ही बेहतर लीडर बनते जाते हैं। भगवान ने आपको एक बेहतर लीडर बनने और इस प्रशिक्षण संहिता के माध्यम से लोगों पर प्रभाव डालने का आशिर्वाद दिया है। कई लीडरों ने इस सामग्री के साथ लीडरों की पीढियों को प्रशिक्षित किया है।

हम भगवान के आशिर्वाद के साथ प्रार्थना करते हैं की आप भी ऐसा ही करे।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 13 10/14/2013 10:47:36 PM

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 14 10/14/2013 10:47:36 PM

भाग १

नट्स और बोल्ट

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 16 10/14/2013 10:47:37 PM

येशु की योजना

अनेक राष्ट्रों तक पहुचने की येशु की योजना ५ भागो में विभाजति है। उनमे भगवान पे श्रद्धा रखो, ईसा चरति को बांटो, अनुयायी बनाओ, ऐसे समूह बनाओ जो चर्चो का नेतृत्व करें और लीडरों का विकास करें।

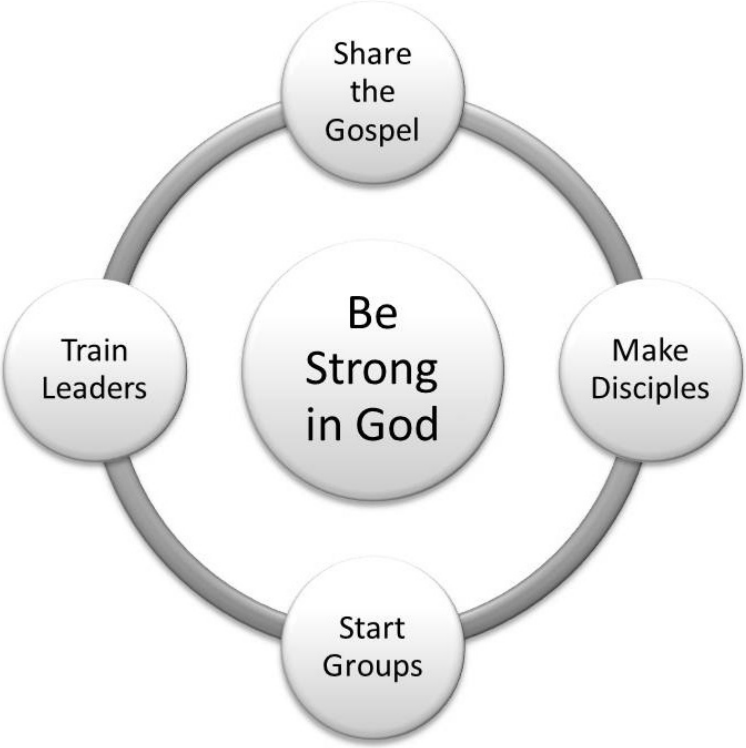

ऐसा प्रतीत होता है की प्रत्येक भाग अलग और स्वयंपूर्ण है, पर वास्तव में सब एक सहक्रिया का हिस्सा है। यीशु का पालन - प्रशिक्षण नामक यह संहिता लोगों के लिए चर्च रोपण आंदोलन में उत्प्रेरक बनी है।

"*यीशु का पालन - प्रशिक्षण*" *कट्टरपंथी लीडर बनाने* से और यीशु की रणनीति की प्रथम चार योजनाओं से शुरु होती हैं। अनुयायी प्रार्थना कैसे करते हैं, येशु की आज्ञाओं का पालन करना और पवित्र आत्मा की शक्ति के साथ कैसे चला जाये सीखते हैं। इसके बाद अनुयायी खोजते हैं के कैसे भगवान के कार्यों में सहभागी बना जाए, उनकी लीलाओं का कथन किया जाए, आध्यात्मिक युद्ध में यह एक ताकतवर हथियार है। इसके बाद अनुयायी सिखते हैं के कैसे इसा चरित को लोगों तक पहुचाया जाए और उनको भगवान के घर में आमंत्रित किया जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्ततः लीडर छोटे समूहों की शुरुआत करने और समूहीकरण के उद्देश्य को प्राप्त करने में सक्षम हो जाते हैं।

जैसे ही अनुयायियों का प्रशिक्षण पूर्ण हुआ वैसे ही उन्होंने २ जरूरतें महसूस की। उभरते लीडरों ने आश्चर्य व्यक्त किया की आध्यात्मिक लीडर कैसे बने और समूह को चर्च में संक्रमित करने के लिए क्या आवश्यक कदम उठाये जाएं? कुछ अनुयायीयों ने नेतृत्व प्रशिक्षण और इसके बाद चर्च रोपण का निवेदन किया, क्योंकि येशु की योजनाए अनुक्रमित नहीं है। अन्य अनुयाईयों ने इसके विपरीत प्रदर्शित किया। इसके कारण उनके अनुसार जो दूसरों को प्रशिक्षित करने के प्रती वफादार और उन्हेंके लिए २ अतिरिक्त व्याखान दिए जाए।

स्टार्टिंग रेडिकल चुर्च मौजूदा चर्चो को नए स्थापित चर्चो बनाने में मदद करता है - येशु की योजना का चौथा चरण । कुछ लीडर चर्च की स्थापना तो करते हैं पर अक्सर वर्तमान चर्च की संरचना की नक़ल करने की गलती कर बैठते है । इस दृष्टिकोण से अल्प परिणामो की प्राप्ति होती है। *स्टार्टिंग रेडिकल चुर्च* येशु के आठ आदेशो का पालन करने का प्रशिक्षण अपने अनुयायियों को देते हैं जिनिका पालन शुरआती चर्च किया करते थे। इस से गलती की कोई सम्भावना नहीं रहती। समूह प्रत्येक आदेश का पालन व्यावहारिक अनुप्रयोगों के माध्यम से काम करता है और साथ ही चर्च के साथ नाता

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 18 10/14/2013 10:47:37 PM

भी प्रस्थापति करते हैं। अगर समूह समझता है की भगवान उन्हे दशिानर्दिेशति कर रहे तो व्याख्यान के अंत का उत्सव नए चर्च के प्रती समर्पण से होता है।

"कट्टरपंथी लीडरों को प्रशक्षिति करना" नामक यह योजना लीडरों को भावुक, आध्यात्मकि बनने में मदत करती है - येशु की योजना का पाचवाँ चरण । चर्च रोपण के इस आंदोलन का एक प्रमुख घटक नेतृत्वगुण का वकिास है। यह व्याख्यान येशु की ७ नेतृत्व गुणों को दर्शाता है जसिसे येशु सदी के सबसे महान नेतृत्व के रूप में उभरे। लीडरों को भी इसी का अनुकरण करना चाहएि। लीडर अपने वक्तत्वि और वभिन्नि प्रकार के लोगों की मदद करने के तरीके खोजते हैं। अंत में लीडर येशु की योजना को वकिसति करते हैं जो की १२ मंत्रालय सद्धिांतों पर आधारति है। ये सद्धिांत येशु ने अपने अनुयाईयों को ल्यूक 10 में दयि थे। व्याखान का अंत येशु की योजनाए एक दूसरे के साथ बांटकर और प्रार्थना के साथ संपन्न होता है। प्रत्येक लीडर दूसरे लीडरों को प्रशक्षिति करने के प्रती कटबिद्ध होता है।

स्टार्टगि रेडीकल चर्च (कट्टरपंथी चर्चों की शुरूयात) और *कट्टरपंथी लीडरों का प्रशक्षिण* अनुयाययिों को येशु के मंत्रालयों में पालन कयि जाने वाले वधिि की नक़ल करना सखिाते हैं। प्रशक्षिणकर्ता लीडरों को प्रतलिपिि करने के ऐसे उपकरणों से अलंकृत करते हैं जनिसे वे खुद गुरु बन जाए और दूसरों को बाटें।

यीशु का पालन - प्रशक्षिण कोइ पाठ्यक्रम नहीं है, यह जीने का तरीका है। दो हजार सालो से ज़्यादा साल बीत गये। भगवान ने अपने लाडले पुत्र के माध्यम से अनगनित लोगों के जीवन को अपने सादगी पूर्ण व्यवहार से धन्य कयि। येशु की योजना में वशि्वास रखने वालों ने अनुकरण कयि और संस्कृति को वकिसति होते देखा। भगवान से प्रार्थना है की आप का और जनिको आप प्रशक्षिति करे उनका जीवन धन्य हो।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 19 10/14/2013 10:47:37 PM

लीडरों का प्रशिक्षण

कट्टरपंथी लीडरों का प्रशिक्षण शुरू होता है कट्टरपंथी अनुयायी बनाने से और जिन्होंने अनुयायी बनाने के लिए समूह बनाये हैं उन्हें भी यह कार्यक्रम लीडर-लोग और बहुतायत में समूह बनाने में मदद करेगा।

प्रशिक्षण के परिणाम

प्रशिक्षण रूपी इस व्याख्यान को पूरण करने के बाद प्रशिक्षणार्थी निम्नि क्रिया कर सकते हैं।

- नए लीडरों को दस मुख्य नेतृत्वगुण सीखाना।
- येशु की प्रतिलिपि प्रस्तुत करने की प्रक्रिया का उपयोग करके नए लीडरों को प्रशिक्षित करना।
- व्यक्तित्व के विभिन्न प्रकारों की पहचान करके लोगों को समूह के रूप में कार्य संपन्न करने में मदत करना।
- जो समुदाय आध्यात्मिकता खो चुके हैं उनमे नए समूह बनाना और ऐसा करने के लिए योजना विकसित करना।
- चर्च रोपण के आंदोलन का कैसे नेतृत्व करना है यह समझना।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 20 10/14/2013 10:47:37 PM

प्रशिक्षण की प्रक्रिया

नेतृत्व प्रशिक्षण का प्रत्येक सत्र एक ही आधार का अनुकरण करता है की कैसे येशु ने अंपने अनुयायियों को लीडर के रूप में प्रशिक्षित किया। पाठ की सामान्य रुपरेखा सुझावित समय अवधि के साथ इस प्रकार हैं।

प्रशंसा

- दो (या समय हो तो अधिक) भजन या सूत्र साथ मिलकर गाओ।
  (१० मिनिट)

प्रगति

- पिछली मुलाकात से अब तक की अपने मंत्रालय की प्रगति के बारे में लीडर अनुभव साझा करता हैं। समूह लीडर और उसके मंत्रालय के लिए प्रार्थना करता हैं।
  (१० मिनिट)

समस्या

- प्रशिक्षणकर्ता नेतृत्व में आने वाली एक आम समस्या का परिचय देता हैं और साथ ही समस्या को कहानी या व्यक्तिगत उदाहरण के साथ समझाता हैं।
  (५ मिनिट)

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 21 10/14/2013 10:47:37 PM

योजना

- प्रशिक्षणकर्ता लीडरों को नेतृत्व का एक आसान पाठ पढाते हैं जो लीडरों को नेतृत्व में आनेवाले समस्या का हल करने की अंतर्दृष्टि और कौशल सीखाता हैं। (२० मनिट)

अभ्यास

- लीडरों को चार समूहों में विभाजित करो ताकि वो नेतृत्व प्रशिक्षण में सीखे विधियों का अभ्यास कर सके और जो उन्होंने सीखा उसपर चर्चा कर सके। इसके अंतर्गत निम्न भाग आते हैं।
    - नेतृत्व के क्षेत्र में की गयी प्रगती
    - नेतृत्व के क्षेत्र में आयी समस्याओ का सामना
    - नेतृत्व में सीखे सबक पर आधारित ३० दिनों की सुधार की योजना
    - नेतृत्व के क्षेत्र में सीखे के कौशल का आनेवाले ३० दिन में अभ्यास
- लीडर-लोग साथ में खड़े होकर दस बार अपनी स्मृति से कविताएँ दोहराए, इसके पश्चयात छे बार बाइबल से पढेंगे और फिर चार बार अपनी स्मृति से दोहराए। (३० मनिट)

प्रार्थना

- चारो समूह प्रार्थना में आने वाली चिंताओ पर विचार साझा करते हैं और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करते हैं। (१० मनिट)

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 22 10/14/2013 10:47:37 PM

समाप्ति

अधिकांश सत्र लीडरों को मदत करने की गतिविधि सीखकर अपने संदर्भ में लागु करने के साथ समाप्त होते हैं।
(१५ मिनिट)

प्रशिक्षण का कार्यक्रम

तीन दिनों के संगोष्ठी या 10-सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए इस पुस्तिका का उपयोग करें। दोनों कार्यक्रम के सत्र में आधे घंटे का समय लगता हैं और प्रशिक्षण प्रशिक्षक प्रक्रिया का उपयोग करें जो पेज संख्या 20 में दिया गया हैं।

नेतृत्व का प्रशिक्षण आम तौर पर महीने में एक बार, दो बार, या तीन दिन के संगोष्ठी में होता है। केवल वो लीडर जो वर्तमान में किसी समूह कि रहनुमाई कर रहे हैं, वें ही शामिल हो।

तीन दिनों का कार्यक्रम

	दिन 1	दिन 2	दिन 3
8:30	स्वागतम	एकसाथ मजबूत रहे	समूह प्रारंभ
10:00	विराम	विराम	विराम
10:30	यीशु जैसा प्रशिक्षण	ड्रामा प्रतियोगिता	समूहों को बांटो
12:00	लंच	लंच	लंच

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 23 10/14/2013 10:47:37 PM

1:00	यीशु जैसा नेतृत्व	ईसा चरित्र को बताये	यीशु का पालन - प्रशिक्षण
2:30	विराम	विराम	
3:00	मजबूत बने	शिष्य बनाये	
5:00	डिनर	डिनर	

साप्ताहिक कार्यक्रम

सप्ताह 1	स्वागतम	सप्ताह 6	ईसा चरित्र को बताये
सप्ताह 2	यीशु जैसा प्रशिक्षण	सप्ताह 7	शिष्य बनाये
सप्ताह 3	यीशु जैसा नेतृत्व	सप्ताह 8	समूह प्रारंभ
सप्ताह 4	मजबूत बने	सप्ताह 9	समूहों को बांटो
सप्ताह 5	एकसाथ मजबूत रहे	सप्ताह 10	समूहों को बांटो

सिद्धांतों का प्रशिक्षण

दूसरों को लीडरों के रूप में विकसित करने में मदत करना एक रोमांचक काम हैं। लोकप्रिय राय के विपरीत लीडर-लोग पैदा नहीं होते वो बनाये जाती हैं। अधिक से अधिक लीडर-लोग बनाने के लिए नेतृत्व विकास का कार्यक्रम जाना बूझा और क्रमानुसारी होना चाहिए। कुछ लोग गलती से मानते हैं की लीडर-लोग अपने व्यक्तित्व के आधार पर लीडर बनते हैं। अमेरिका में सफल चर्चो के पास्टर्स पर किये गये एक सर्वेक्षण से पता चला हैं की वो अलग अलग व्यक्तित्व के थे। जब हम येशु का अनुकरण का करते हैं तब हम सदी के सबसे बड़े लीडर का अनुकरण करते हैं और खुदको लीडर के रूप में विकसित करते हैं।

बढ़त हासिल करते लीडरों को नेतृत्व के विकास के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की जरुरत है। एक संतुलित दृष्टिकोण में ज्ञान, चरित्र, कौशल और प्रेरणा की जरुरत होती हैं। एक व्यक्ती को प्रभावी लीडर बनने के लिए सभी चार घटकों की आवश्यकता होती हैं।ज्ञान के बिना, गलत मान्यताए और गलतफहमियां लीडर को गुमराह कर देती हैं। चरित्र के बिना लीडर नैतिक और आध्यात्मिक गलतिया करेगा जिससे चर्च रोपण के कार्यक्रम को बाधा पहुचेगी। आवश्यक कौशल के बिना लीडर लगातार इस कार्य को दोहराने या फिर पुराने तरीको का उपयोग करेगा। अंत में, जिस लीडर के पास ज्ञान, चरित्र और कौशल हैं पर कोई प्रेरणा नहीं हैं वो केवल अपनी स्थिति को बनाये रखने की चिंता करेगा।

अपने कार्य को पूर्ण करने के लिए आवश्यक तरीके लीडरों को आत्मसात करना चाहिए। प्रार्थना में महत्वपूर्ण समय व्यतीत करने के बाद लीडरों को एक सम्मोहक दृष्टी की जरुरत

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 25 10/14/2013 10:47:37 PM

होती हैं। यह दृष्टि "आगे क्या करने की जरुरत है?" इस सवाल का जवाब देती हैं। लीडर-लोग को जो वो कर रहे हैं उसका उद्देश पता होना चाहिए और उद्देश "यह महत्वपूर्ण क्यों है?", इस सवाल का जवाब देता हैं। इस सवाल का हल जिनको पता होता हैं उन लीडरों को मुश्किल वक्त में उपयुक्त निर्देशन मिलता हैं।लीडर-लोग को अपने मिशन का पता होना चाहिये। भगवान उसकी इच्छा को पूर्ण करने के लिए लोगों को एक समुदाय में एकत्रित करते हैं। इस कार्य में कौन शामिल होना चाहिए? इसका जवाब मिशन देता हैं। अंत में, अच्छे लीडर के पास पालन करने के लिए संक्षिप्त और स्पष्ट लक्ष्य होते हैं। आमतौर पर, एक लीडर दृष्टी, प्रयोजन और मिशन के माध्यम से चार से पाच लक्ष्य तय करते हैं। हम यह कैसे करेंगे? इसका जवाब तय किये गये लक्ष्य देते हैं।

हमें पता चला हैं की समूह में से एक उभरते लीडर का चुनाव करना कितना कठिन होता हैं। भगवान किसी एक का चयन कर के हमे हमेशा आश्चर्यचकित कर देते हैं। सबसे उत्पादक दृष्टिकोण यह होता हैं की प्रत्येक व्यक्ती को ऐसा महसूस करवाओ को वह पहले से ही एक लीडर था। एक व्यक्ती शायद अपने आप का को ही नेतृत्व कर रहा हो, पर यह भी एक नेतृत्व ही तो हैं। आशावादी लोग बेहतर लीडर बनते हैं। जब हम लोगों को अनुयायियों की तरह सँभालते हैं तब वे आगे चलके अनुयायी ही बनते हैं। जब हम लोगों को लीडर के रूप में सँभालते हैं तब आगे चलके वे भी लीडर बनते हैं। येशु समाज से सभी स्तरों में से लोगों का चयन करते हैं। येशु ऐसा इसलिये करते हैं क्योंकि वो ये साबित करना चाहते हैं की नेतृत्व उनके साथ बंधे रहने पर निर्भर करता हैं नाकि बहरी संकेतों पर जो लोग अक्सर ढूंढते हैं। हमें लीडरों की कमी क्यों हैं? क्योंकि वर्तमान लीडर नए लोगों को नेतृत्व करने का अवसर देने से मना करते हैं।

कुछ कारक परमेश्वर के इस पवित्र आंदोलन को नेतृत्व के अभाव में तेजी से रोक देते हैं। अफसोस की बात तो यह है की, हमने नेतृत्व के अभाव का सामना ज़्यादातर जगह पर करना पड़ा जहां हमने लोगों को प्रशिक्षित किया (अमेरिका सहित)। समुदाय में परमेश्वर के समान लीडर-लोग का होना - शांति, आशीर्वाद और सम्पन्नता लाता हैं। सुप्रसिद्ध संशोधक अल्बर्ट आइंस्टाइन एक प्रसिद्ध उधाहरण में कहते हैं की

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 26 10/14/2013 10:47:37 PM

“हमारी वर्तमान समस्याओ का समाधान, हमारे वर्तमान नेतृत्व से संभव नहीं हैं”। परमेश्वर “यीशु का पालन - प्रशक्षिण” नए लीडरों को प्रेरति और सुसज्जति करने के लएि कर रहे हैं। हम प्रार्थना करते हैं की समान रूप से यह आपके साथ भी हो। सभी समय के सबसे बड़े लीडर आपके हरदय और मन को प्रत्येक आध्यात्मकि आशीर्वाद से भर दें। आपको मजबूत और प्रभाव बढ़ाने की क्षमता प्रदान करे। नेतृत्व की यही सच्ची परीक्षा हैं।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 27 10/14/2013 10:47:37 PM

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 28 10/14/2013 10:47:37 PM

भाग २

नेतृत्व प्रशिक्षण

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 30 10/14/2013 10:47:37 PM

१

स्वागतम

प्रशिक्षकों और लीडरों पहले सबक में एक दूसरे को परिचय देते हैं। लीडर फिर यूनानी पद्धति और हिब्रू पद्धति द्वारा प्रशिक्षण की विधियों के बीच के अंतर को समझते हैं। यीशु ने भी दोनों विधियों का इस्तेमाल किया था और हमें भी इनका इस्तेमाल करना चाहिए। हिब्रू विधि प्रशिक्षकों के लिए बहुत उपयोगी है और कट्टरपंथी प्रशिक्षकों द्वारा अधिकतर यही विधि इस्तेमाल की जाती है।

लक्ष्य पाठ लीडरों के लिए है ताकि वह यीशु की दुनिया तक पहुंचने की रणनीति को समझ सकें । यीशु की रणनीति के पांच भाग है: भगवान में विश्वास, ईसा चरित का प्रचार, शिष्य बनाना, चर्च बनाने के लिए समूह बनाये और लोगों को लीडर बनने का प्रशिक्षण दे ।लीडर "*यीशु का पालन - प्रशिक्षण"(फोलो जीसस ट्रेनिंग सीरिज़), भाग 1: कट्टरपंथी चेले बनाना:* के पाठ की समीक्षा करें, जो विश्वासियों को यीशु की ‹रणनीति के प्रत्येक भाग में सफल होने में मदद करता है।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 31 10/14/2013 10:47:37 PM

लीडर-लोग ये अभ्यास भी करते है की वह दूसरो के लिए भी यीशु की रणनीति का अनुसरण की दृष्टी विकसित कर सके। यीशु का पालन - प्रशिक्षण और उनकी आज्ञा का पालन प्रतिदिन करने के साथ ही यह सत्र ख़त्म होता है ।

प्रशंषा

- वृन्दगीत और भजन एक साथ गायन करे ।
- प्रशिक्षण संगोष्ठी के दौरान भगवान की उपस्थिति और आशीर्वाद के लिए एक सम्मानित लीडर को प्रार्थना करने के लिए पूछें।

प्रारंभ

प्रशिक्षको का परिचय

- प्रशिक्षक और लीडर एक सर्कल में बैठ कर सत्र की शुरुआत करते हैं। एक अनौपचारिक माहौल को बढ़ावा देने के लिए, किसी भी पहले सेट कीये हुए टेबलों को निकाल दें ।
- प्रशिक्षक लीडरों को ये बताते है की अपना परिचय कैसे देना है।
- प्रशिक्षक और शिष्य एक दूसरे को अपना परिचय देते है। वे एक दूसरे को अपना नाम, उनके परिवार के बारे में जानकारी दे, जातीय समूह के बारे में बताये और यह भी बताये की कैसे पिछले महीने के दौरान भगवान ने उनके समूह को आशीर्वाद दिया है।

लीडरों का परिचय

- लीडरों को जोड़ीयों में विभाजित करें

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 32 10/14/2013 10:47:37 PM

"सभी अपने साथी का परिचय उसी तरह देंगे जिस तरह मैंने और मेरे शिक्षु ने एक दूसरे का दिया है "।

- लीडरों को एक दूसरे का नाम, उनके परिवार के बारे में जानकारी, जातीय समूह के बारे में और कैसे पिछले महीने के दौरान भगवान ने उनके समूह को आशीर्वाद दिया है, यह सब याद करना चाहिए। उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित करे कि वे उनके छात्रों की नोटबुक में जानकारी लिखे ताकि वे एक दूसरे का परिचय देने के समय इसे नहीं भूले।
- पाँच मिनिट के बाद, लीडर जोड़ी से पूछें कि वे कम से कम पांच अन्य भागीदारों के सामने खुद का परिचय दे, उसी तरह जिस तरह तुमने खुद का परिचय अपने साथी को दिया था ।

कैसे यीशु लीडरों को प्रशिक्षण देते है?

- लीडरों से कहें की वे पंक्तियों में अपनी कुर्सियों रखे - शिक्षण की पारंपरिक विधि। उन्हें कम से कम दो पंक्तियों और मध्य में एक गलियारे का निर्माण करें। जब प्रशिक्षक सामने खड़े रहेंगे, तब सारे लीडर पंक्तियों में बैठेंगे।

  "हम इसे शिक्षण की यूनानी पद्धति कहते है। सब शिक्षक को पहले नमस्कार करते है फिर शिक्षक ज्ञान देते है और छात्र शिक्षक से सवाल पूछते है। आमतौर पर, शिक्षकों अपनी क्लास का आयोजन इसी तरह करते है, विशेष रूप से बच्चों के साथ।

- लीडरों से कहें कि अपनी कुर्सियों को उसी तरह लगायें जैसे सत्र की शुरुआत में लगी हुई थीं और लीडर एवं प्रशिक्षक एक चक्र के रूप में एक साथ बैठे।

  "हम इसे शिक्षण की 'हिब्रू' पद्धति कहते है। शिक्षक कुछ सवाल पूछते है, छात्र दिए गए विषय में चर्चा

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 33 10/14/2013 10:47:37 PM

करते है और सबसे पहले सब मिलकर न केवल शिक्षक को बल्कि जो कोई बोल रहा होता है उसको भी नमस्कार करते है। शिक्षक कभी कभी इस पद्धति का उपयोग वयस्कों को पढ़ाने के लिए भी करते है। यीशु शिक्षण के लिए कीस पद्धति का उपयोग करते थे?

- छात्रों को सवाल पर चर्चा करने देनी चाहिए और फिर वे कहेंगे "दोनों" । यीशु यूनानी पद्धति का इस्तेमाल करते थे जब वह भीड़ को संबोधित करते थे और हिब्रू विधि का इस्तेमाल जब वह लीडर के रूप में अपने चेलों को प्रशिक्षित करने के लिए संबोधित करते थे।

  शिक्षक आपकी सेटिंग में किस विधि का उपयोग करते हैं?"

- शिक्षक यूनानी पद्धति का अधिकतर उपयोग करते है, परिणामस्वरूप यह सेटिंग सबसे ज़्यादा आरामदायक है ।

  "इन प्रशिक्षण सत्रों में, हम यह दिखायेंगे की यीशु कैसे लीडरों को प्रशिक्षित किया करते थे। कट्टरपंथी लीडरों के प्रशिक्षण में अधिकांश सत्रों में 'हिब्रू' विधि का उपयोग किया जाएगा, क्योंकि यीशु ने इसे विधि का इस्तेमाल किया था जब वह लीडरों को प्रशिक्षित करते थे । हम उनकी नकल करना चाहते हैं।"

योजना

"इस पाठ में हमारा लक्ष्य है की दुनिया तक पहुँचने के लिए यीशु की रणनीति को समझे ताकि हम उसका पालन कर सके।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 34 10/14/2013 10:47:37 PM

चर्च कौन बनाता है?

-मैथ्यू 16:18-

मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम पेत्रुस अर्थात् चट्टान हो और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा और अधोलोक के फाटक इसके सामने टिक नहीं पायेंगे। (NLT)

"वो यीशु ही है जिन्होंने इनका चर्च बनाया ।"

यह महत्वपूर्ण क्यों है की चर्च कौन बनाता है?

- सैम 127:1-

जब तक प्रभु घर नहीं बनाते है, तब तक घर के निर्माताओं का परिश्रम व्यर्थ है, जब तक प्रभु खुद शहर पर नज़र नहीं रखते तब तक चौकीदार का सचेत रहना व्यर्थ है ।(HCSB)

"जब तक यीशु चर्च नहीं बनायेंगे तब तक हमारे सारे काम करना - ना करने के बराबर है मतलब व्यर्थ हैं। अपने सांसारिक मंत्रालय और चर्च के इतिहास के दौरान यीशु ने हमेशा अपने चर्च का निर्माण एक ही रणनीति का प्रयोग करके किया है। चलो उनकी रणनीति जानने है ताकि हम उसका अनुसरण कर सके।

यीशु ने अपने चर्च कैसे बनाया?

- यीशु को दुनिया तक पहुँचने की रणनीति बताते हुए, नीचे दिए गए आकृति अनुभाग को टुकड़ों में बनाये ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 35 10/14/2013 10:47:37 PM

भगवान में अटल वशि्वास रखो

- ल्यूक 2:52-
ईसा की बुद्धि और शरीर का वकिास होता गया। वह ईश्वर तथा मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ते गये।(CEV)

-ल्यूक 4:14-
आत्मा के सामर्थ्य से सम्पन्न हो कर ईसा गलीलयि लौटे और उनकी ख्याति सारे प्रदेश में फैल गयी। (NASB)

"यीशु की रणनीति की पहली युक्ति है की "भगवान में अटूट वशि्वास'। आध्यात्मकि नेतृत्व भगवान के साथ एक स्वच्छ और घनष्ठि संबंध पर नरि्भर करता है '।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 36 10/14/2013 10:47:37 PM

हम सबको मजबूत होने के लिए,यीशु का पालन और अनुसरण करना चाहिए।

भगवान में अटल विश्वास रखो एक दुसरे का हाथ पकड़ें और एक मजबूत आदमी की मुद्रा बनाएँ ।

जैसा की हम यीशु के नियमो का पालन करते है, हम प्रार्थना करते हैं, उसकी आज्ञा का पालन करना,उनका अनुसरण करते है और जहाँ भी यीशु काम करते है, उनके काम में शामिल होते है"।

- "प्रार्थना करना"," अनुसरण" और "चलते रहो" इन सबकी समीक्षा हाथों की गति के साथ "यीशु का पालन - प्रशिक्षण (फोलो जीसस ट्रेनिंग)" भाग 1 कट्टरपंथी शिष्य बनाना मे से करें ।

ये पाठ हमें प्रशिक्षण देते है की हमें कैसे मसीह के नियमों का पालन करना चाहिए । वे हमारी मदद करते हैं कि हम दूसरों को मसीहा का पालन करने के लिए प्रशिक्षित कर सके। प्रभु पर अटूट विश्वास रखना भी उनकी आज्ञा का पालन करना है। यीशु की रणनीति का बाकी भाग है की उनके आदेशों का तुरंत पालन करना, हर समय पालन करना और प्यार भरे दिल से पालन करना ।

ईसा चरित का प्रचार

-मार्क १: १४,१५

योहन के गिरफ्तार हो जाने के बाद ईसा गलीलिया आये और यह कहते हुए ईश्वर के सुसमाचार का प्रचार करते रहे। "समय पूरा हो चुका है। ईश्वर का राज्य निकट आ गया है। पश्चाताप करो और सुसमाचार में विश्वास करो।" (NLT)

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 37 10/14/2013 10:47:37 PM

"भगवान की प्रार्थना और उनका अनुसरण करने से हम मजबूत होते है। एक और तरीका है जिससे हमारा विश्वास भगवान पर अटूट रहेगा वह है यीशु की आज्ञा का पालन करना। यीशु की आज्ञा है की हम उनके कामो में सहयोगी बने और अच्छी खबर को बांटे।"

ईसा चरित का प्रचार अपने दहिने हाथ के साथ एक बीज फ़ैलाने जैसी आवाजाही करे ।

ज़्यादातर लोग, अच्छी खबर बाँटने के लिए, 'भगवान ने उन्हें कैसे बचाया है',कथन का शुरूआत के तौर पर इस्तेमाल करते है । लोग बहुत रूचि लेकर सुनते है और हमारी कहानी का भरपूर आनंद लेते है। यह सब करते वक्त हम ये भी जान सकते है कि यदि वह पवित्र आत्मा काम कर रही है, और हम उनके काम में शामिल हो सकते है।

जब हम यह देखते है की परमेश्वर काम कर रहा है, तब हम ईसा चरित का प्रचार करते है । यह सुनिश्चित करें की हम ईसा चरित के बीज संयंत्र कर रहे है। याद रहे बीज नहीं तो फसल भी नहीं ।

- "जाओ"," बांटो" और "बोना "इन सबकी समीक्षा हाथों की गति के साथ *"यीशु का पालन - प्रशिक्षण (फोलो जीसस ट्रेनिंग)" भाग 1 कट्टरपंथी शिष्य बनाना* मे से करें ।

इस वक्त शैतान के जाल में मत फंसें। कई विश्वासी ये गलत सोचते है की ईसा चरित का प्रचार करने के लिए उनका विश्वास भगवान पर अटूट होना आवश्यक है । उन्हें यह नहीं पता कि विपरीत सच है। हम यीशु की आज्ञा का पालन करने के बाद ही मजबूत बनेंगे, पहले नहीं। ईसा चरित का प्रचार करके यीशु की आज्ञा का पालन करो और फिर तुम्हारा विश्वास अपने ऊपर और

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 38 10/14/2013 10:47:37 PM

मजबूत हो अगर तुम अपने आप का पर्याप्त मजबूत होने तक इंतज़ार करोगे तो तुम कभी भी अपने विश्वास को और मजबूत कर सकोगे।

शिष्य बनाओ

-मैथ्यू 4:19-

"यीशु ने कहा, "आओ, मेरा अनुसरण करो,"और मैं आपको इंसानी जगत का मछुआरा बना दूंगा।"

"जैसा की हम यीशु का अनुसरण करेंगे और ईसा चरित का प्रचार करने का पालन करेंगे, लोगों की प्रतिक्रिया होगी और वह विश्वासियों के रूप में विकसित होना चाहेंगे।"

शिष्य बनाओ
हृदय से हाथ उठाकर प्रार्थना करो। कमर पर हाथ, कलासिक मुद्रा में प्रार्थना के लिए उठाओ। मस्तिष्क की तरफ हाथ करके, इस तरफ झुकाओ जैसे आप एक कीताब पढ़ रहे हैं। एक मजबूत आदमी की मुद्रा बनाकर हाथ उठाये और इस तरह हिलाए जैसे के बीज बोने के लिए फैला रहा हो।

"सबसे महत्वपूर्ण आदेश जिसका पालन करना चाहिए वह है भगवान और लोगों से प्यार करना। हम यीशु के नए अनुयायियों को व्यावहारिक तरीके से यह बताते है की कैसे करना है। हम उन्हें यह भी सिखाते हैं की प्रार्थना कैसे करनी है, यीशु की आज्ञा का पालन करना, आत्मा में चलना है, जहाँ यीशु काम कर रहे है वहां जाना, अपना परिसाक्ष्य बांटना, अच्छी बातें बताना ताकि उन सबका विश्वास भगवान पर अटूट हो सके।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 39 10/14/2013 10:47:37 PM

- "प्रेम" सबक की समीक्षा हाथों की गति के साथ *"यीशु का पालन - प्रशिक्षण"(फोलो जीसस ट्रेनिंग)" के: भाग 1 कट्टरपंथी शिष्य बनाना* में से करें।

समूहों और चर्चों को प्रारंभ करो

- मैथ्यू 16:18-

मैं तुम से कहता हूँ कि तुम पेतरुस अर्थात् चट्टान हो और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा और अधोलोक के फाटक इसके सामने टिक नहीं पायेंगे।

"जैसा की हम यीशु का पालन - प्रशिक्षण करते हैं और उनकी आज्ञा का पालन करते हैं, हम ईसा चरित का प्रचार करते हैं और शिष्य बनाते हैं । हम यीशु के उदाहरण का अनुसरण करते हैं और समूहों का निर्माण करते हैं, जो इकठ्ठा होकर साथ में पूजा, प्रार्थना, अध्ययन आदि करते हैं । यीशु दुनिया भर में इसे तरह के समूहों का निर्माण करते हैं जो उनके चर्चो को मजबूत बनाये और नए चर्चों को शुरू करने में मदद करे।"

समूहों और चर्चों को प्रारंभ करो हाथों से इकठ्ठा होने के जैसे हिलाए, जैसे की आप लोग से पूछ रहे हैं की वे आप के चारों ओर इकट्ठा हो जाये ।

लीडर-लोग विकसित करें

-मैथ्यू 10:5-8

ईसा ने इन बारहों को यह अनुदेश दे कर भेजा, "अन्य राष्ट्रों के यहाँ मत जाओ और समारियों के नगरों में प्रवेश मत करो, बल्कि

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 40 10/14/2013 10:47:37 PM

इस्राएल के घराने की खोयी हुई भेड़ों के साथ जाओ। राह चलते यह उपदेश दिया करो- स्वर्ग का राज्य निकिट आ गया है। रोगियों को ठीक करो, मुरदों को जिलाऔ, कोढ़ियों को शुद्ध करो, नरकदूतों को निकािलो। तुम्हें मुक्त में मिला है, मुक्त में दे दो।

“जैसे हम मसीह का अनुसरण करते हैं, उनकी आज्ञा का पालन करके हम उन्हें उनके प्रति अपना प्रेम व्यक्त करते हैं। हम ईसा चरित का प्रचार करते हैं ताकि भटके हुए लोग परमेश्वर के परिवार में वापस आ सके । हम ऐसे चेलों का निर्माण करते हैं जो भगवान और लोग दोनों को प्रेम करते हैं। हम ऐसे समूहों का निर्माण करते हैं जो की पूजा प्रार्थना, अध्ययन आदि करते हैं। अधिक समूहों से अधिक लीडरों की मांग बढ़ेगी । 2 टिमोथी 2:02 के 222 सिद्धांत का अनुसरण करने से हम लीडर-लोग को प्रशिक्षित करते हैं, लीडरों को कौन प्रशिक्षित करता हैं, कौन ज़्यादा से ज़्यादा लीडर-लोग को प्रशिक्षित कर सकता हैं।”

लीडर-लोग विकसित करें
सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाये और एक सैनिक की तरह सलामी दें ।

- “गुणा” सबक की समीक्षा हाथों की गति के साथ “यीशु का पालन - प्रशिक्षण”(फोलो जीसस ट्रेनिंग)” के: भाग 1 *कट्टरपंथी शिष्य बनाना* में से करें।

कृपया करके “यीशु की रणनीति” को समझने में किसी भी गलतफहमी से बचे। ज़्यादातर विश्वासी उनके आदेशों को क्रमिक रूप से पालन करने के कोशिश करते हैं, पहले वे सोचते हैं, हम ईसाई बने और फिर, शिष्य बनाये और फिर बाकी काम करे । तथापि यीशु ने हमें सीखाया हैं की हमें हर परिस्थिति में उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए । उदाहरण के लिए, जब हम ईसा चरित का प्रचार करते हैं तो हम पहले से ही व्यक्ति को यीशु

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 41 10/14/2013 10:47:38 PM

का अनुयायी बनाने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। जब हम शिष्य बनाते हैं तब हम नई विश्वासियों की एक मौजूदा समूह या एक नया समूह बनाने में मदद करते हैं । शुरू से ही, हम एक भावुक, आध्यात्मिक लीडर की आदतों को प्रदर्शित करते हैं।

यह पांच भागीय रणनीति यह बताती हैं की कैसे यीशु ने अपने चर्च का निर्माण किया हैं । शुरुआत के चर्चो में शिष्यों ने यीशु 'की रणनीति की नक़ल की। पॉल ने गैर-ईसाई के मशिन में इस रणनीति की नकल की थी। सफल आध्यात्मिक लीडरों ने बी चर्चो के इतिहास में यही किया था। जब लीडरों ने यीशु का दुनिया तक पहुंचने की रणनीति में उनका साथ दिया तब भगवान ने संपूर्ण रूप से सभी राज्यों को आशीर्वाद दिया। हम यूँही यीशु की रणनीति का अनुसरण करते रहें और भगवान की महिमा यूँही हमारे राज्य में होती रहे ।

स्मृति छंद

-कोरिन्थियस11:1-

आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ। (NAS)

- हर कोई खड़ा हो जाये और स्मृति छंद दस बार एक साथ कहे। पहले छह बार, वे अपने बाइबिल या छात्र नोट्स का उपयोग कर सकते हैं। आखिरी चार बार, वे स्मृति से छंद को कहेंगे। छंद हर बार उद्धृत करने से पहले छंद संदर्भ कहो और जब समाप्त हो जाये तब बैठ जाना ।
- इस दिनचर्या का पालन करने से प्रशिक्षकों को यह मदद मीलेगी की वह जान सके की कोनसी टीम ने "प्रैक्टिस" खंड में पाठ समाप्त किया हैं ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 42 10/14/2013 10:47:38 PM

अभ्यास

"चलिए, जो अब तक सिखा है उसका अभ्यास करें हम बारी बारी से राउंड रणनीति को एक दुसरे के साथ बांटेगे फिर हममें दुसरे को सिखाने विश्वास जाग्रत होगा।

- लीडरों से कहो की जोड़ो में विभाजित हो जायें ।

अब सब एक पेपर लेले । आधे हिस्से तक पेपर को मोड़े, जिस तरह मै दिखा रहा हूँ उसी तरह पेपर को एक बार फिर मोड़े। अब जब आप मोड़े हुए पेपर को खोलेंगे, आपको 'यीशु रणनीति की तस्वीर बनाने के लिए चार पैनल मिल जायेंगे "।

- अब लीडरों से कहो की वह यीशु रणनीति की तस्वीर बनाने का अभ्यास करें और एक दूसरे को समझाए । दोनों लीडर-लोग रणनीति की तस्वीर एक साथ बनायेंगे । हालांकी केवल एक व्यक्ति ही विवरण देगा । अब लीडर-लोग को "कट्टरपंथी शिष्य बनाओ "पाठ की समीक्षा करने की जरूरत नही हैं क्योंकि वह तस्वीर तो बना ही रहे हैं ।
- जब जोड़ो में पहला व्यक्ति यीशु की रणनीति की तस्वीर समझाना समाप्त कर दे, फिर दूसरा व्यक्ति भी पहले व्यक्ति के तरह ही समझाएगा । दोनों पार्टनर्स दूसरी बार फिर एक नई तस्वीर बनायेंगे । पार्टनर्स फिर खड़े होएंगे और स्मृति छंद को 10 बार दोहराएंगे, उसी पैटर्न में जिस तरह आपने पहले सीखाया था।

"जब आप अपने पहले पार्टनर के साथ दो बार चित्र बनाना और स्मृति छंद 10 बार दोहराना समाप्त कर ले, तब नया पार्टनर ढूंढे और उसके साथ पाठ का अभ्यास इसी तरह फिर से करें और जब दूसरे पार्टनर के साथ भी अभ्यास ख़तम हो जाये तो नया पार्टनर ढूंढे "।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 43 10/14/2013 10:47:38 PM

"जब तक आप चार अलग अलग लोगों के साथ यहे चित्रि बनाना और यीशु के रणनीति का विवरण देना का अभ्यास ना कर लें, यही प्रक्रिया दोहराते रहें" ।

(जब लीडर-लोग ये गतिविधि खत्म कर ले, तो उनके पास पेपर का सामने और पीछे का भाग भरा हुआ हो जिसमे कुल यीशु की रणनीति के आठ चित्रि हों।)

समाप्ति

यीशु कहते हैं, "मेरा अनुसरण करो "

-मैथ्यू 9:9-
ईसा वहाँ से आगे बढ़े। उन्होंने मत्ती नामक व्यक्ति को चुंगी-घर में बैठा हुआ देखा और उस से कहा, "मेरे पीछे चले आओ", और वह उठकर उनके पीछे हो लिया।

"यीशु के समय में चुंगी लेने वाले तिरिस्कृत लोगों में से एक थे ।उनमे से कोई भी यीशु पर विश्वास नहीं करता था तो उन्होंने मैथ्यू को बुलाया क्योंकि वह भी एक कर कलेक्टर था।"

यीशु ने मैथ्यू को बुलाया, यह बात हमें यह बताती हैं कि वह अतीत से अधिक वर्तमान की परवाह करते हैं । आपको लगता हैं की भगवान आपके जीवन में कुछ नहीं कर सकते क्योंकि आपने बहुत सारे पाप कीए हैं। जो कार्य आपने अपने अतीत में कीये हैं उनके लिए आप अभी शर्म महसूस कर रहे होंगे। हालांकी, अच्छी खबर हैं, की भगवान जो आज के समय में यीशु का पालन - प्रशिक्षण करते हैं, उनमे से किसी को भी चुन लेते हैं । भगवान उन लोगों को ढूँढ़ते हैं जो अनुसरण और आज्ञा का पालन करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 44 10/14/2013 10:47:38 PM

जब हम किसी का अनुसरण करते हैं तो हम भी उन्हीं के जैसे हाव भाव करते हैं । एक शिक्षु अपने मालिक से व्यापार सिखने के लिए उनके जैसे ही हाव भाव करता है। छात्र अपने शिक्षकों की तरह ही बनते हैं । हम सब किसी न किसी का अनुकरण करते हैं । हम जिस व्यक्ति का अनुकरण करते हैं, मतलब हम उसी व्यक्ति की तरह बनते हैं ।

यीशु अनुसरण का प्रशिक्षण का उद्देश्य यही हैं की यीशु का अनुकरण कैसे करना हैं । हम मानते हैं की जितना ज़्यादा हम उनका अनुकरण करेंगे, उतना ही हम उनकी तरह बनेंगे । इस प्रशिक्षण में हम लीडर-लोग से सवाल पूछेंगे, बाइबिल का अध्ययन करेंगे,यह जानेंगे की कैसे यीशु ने दूसरों को रास्ता दिखाया और बाद में उसका अभ्यास करेंगे" ।

- किसी भी समूह के एक सम्मानित लीडर से पुछे की वह पूरे कृपा और समर्पण भाव से यीशु की रणनीति के पाठ का समापन करें ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 45 10/14/2013 10:47:38 PM

२

यीशु की तरह प्रशिक्षण करें

चर्चों या समूहों की बढ़ोतरी में सबसे आम समस्या हैं, अधिक से अधिक लीडरों की जरूरत। लीडरों के प्रशिक्षण के प्रयासों में अक्सर कमी हो जाती क्योंकि हमारे पास एक सरल प्रक्रिया नहीं हैं जिसका साधारण तरीके से पालन किया जा सके । इस पाठ का लक्ष्य सिर्फ ये समझना हैं की यीशु कैसे लीडरों को प्रशिक्षित करते थे, ताकि हम उनकी नकल कर सकें।

यीशु ने लीडरों से उन्हें उनके मिशन की प्रगति के बारे में सवाल पूछा करते थे और इसी दौरान किसी भी समस्या का जिसका लीडरों को सामना करना पड़ा, इन सबके बारे में विचार-विमर्श करके, उनका प्रशिक्षण किया। उन्होंने उनके लिए

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 46 10/14/2013 10:47:38 PM

प्रार्थना की और उन्हें उनके आगे के मिशन के लिए योजना बनाने में मदद भी की । उनके प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि भविष्य के मंत्रालयों में जिन गुणों की आवश्यकता होगी उसका अभ्यास करना । पाठ 2 में, सारे लीडर-लोग यीशु की दुनिया तक पहुँचने की रणनीति और नेतृत्व प्रशिक्षण प्रक्रिया को अपने-अपने समूहों पर लागू करते हैं । अंत में, लीडर-लोग एक "प्रशिक्षण वृक्ष" विकसित कर लेते हैं जो उनको प्रशिक्षण और लीडर-लोग जिन्हें वे प्रशिक्षण दे रहें हैं उनकी प्रार्थना में समन्वय स्थापित करने में मदद करत है ।

प्रशंसा

- दो पूजा के संगीतो को एक साथ गायें । लीडर से कहें की वह इस सत्र के लिए प्रार्थना करे।

प्रगति

- प्रशिक्षण में किसी लीडर से पूछो की वो अपने अनुभव (तीन मिनिट) बताये की किस तरह ईश्वर उसको या उसके समूह को आशीर्वाद दे रहे हैं जिसके बाद पुरे समूह से उनके लिए प्रार्थना करने को कहे।

समस्या

"चर्चों और समूहों को ये पता चल जाता हैं की उन्हें अधिक लीडरों की जरूरत हैं, लेकीन कई बार यह नहीं पता चलता की नए लोगों को प्रशिक्षित कैसे किया जाए । वर्तमान लीडर अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी और कार्य ले लेते हैं । अनुयायी लीडरों से तब तक कम से कम में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए कहते हैं जब तक वें स्वयं थक हार कर छोड़ न दें । हर

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 47 10/14/2013 10:47:38 PM

संस्कृति और देश में चर्चों और समूहों को इस समस्या को नियमित रूप से सामना करना पड़ता हैं।"

योजना

"हम यह सीख सकते हैं की भावुक और आध्यात्मिक लीडरों को कैसे प्रशिक्षित करना है । इस पाठ का लक्ष्य यह दिखाना हैं की यीशु कैसे लीडरों को प्रशिक्षित करते थे ताकि हम प्रशिक्षित करने में उनकी नक़ल कर सकें"।

समीक्षा

स्वागतम
- चर्च कौन बनाता हैं?
- वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
- यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?
  - भगवान पर अटूट विश्वास
  - ईसा चरित का प्रचार करना
  - शिष्य बनाना
  - समूह और चर्च बनाना प्रारंभ करना
  - लीडर-लोग विकसित करना
    - *कोरिन्थियों 11:1 -आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।*

कैसे यीशु ने लीडरों को प्रशिक्षित किया?

-ल्यूक 10:17 -

"बहत्तर शिष्य सानन्द लौटे और बोले, "प्रभु! आपके नाम के कारण अपदूत(राक्षस) भी हमारे अधीन होते हैं"।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 48 10/14/2013 10:47:38 PM

प्रगति

"शिष्यों ने अपने मिशन से लौटने के बाद, अपनी प्रगति का सम्पूर्ण विवरण यीशु को सुनाया । उसी तरह हम जिन लीडरों को प्रशिक्षण दें रहे हैं, हम उनसे बात करते हैं । हम उनमे व्यक्तगित में रुचि लेते हैं कि उनका परिवार कैसा हैं और वे सब अपने मंत्रालय में कैसे प्रगति कर रहें हैं ।"

प्रगतिएक
दूसरे के ऊपर से हाथ को घुमाते हुए ऊपर की तरफ लें जाएँ ।

◈

-मैथ्यू 17:19-
बाद में शिष्यों ने एकान्त में ईसा के पास आ कर पूछा, "हम लोग उसे क्यों नहीं निकाल सके?

समस्या

"शिष्यों ने उनके मंत्रालय के दौरान कई मुसीबतों का सामना किया और यीशु से ये समझने में मदद करने के लिए कहा की वे फेल क्यों हुए। इसी तरह लीडर-लोग हम लीडरों से यह कहते हैं की, वे जिन भी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं वह बताएं ताकि हम सब मिलकर इस समस्या के हल के लिए भगवान को तलाश कर सकें" ।

समस्या
अपने सिर के दोनों तरफ अपने हाथो को ले जाये और इस तरह नाटक करें जसे की बालों को खींच रहे हो ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 49 10/14/2013 10:47:38 PM

-लूका 10:1-
इसके बाद प्रभु ने अन्य बहत्तर शिष्य नियुक्त किये और जिस-जिस नगर और गाँव में वे स्वयं जाने वाले थे, वहाँ दो-दो करके उन्हें अपने आगे भेजा।

योजनाएं

"यीशु ने शिष्यों को सरल, आध्यात्मिक, और रणनीतिक योजनायें दीं जो वे अपने मिशन में उपयोग कर सकें । उसी तरह हम लीडरों की मदद उनकी 'अगली रणनीति' की योजना बनाने में करते हैं जो सरल हैं, भगवान पर निर्भर हैं और जिसमे वें समस्याएँ जिनका उन्होंने सामना किया हो, उसका व्याख्यान कर सकें । "

योजनाएंअपने बाएं हाथ को पेपर की तरह बाहर निकालें और दहिने हाथ से उस पर लिखें ।

-जॉन 4:1-2-
फरीसियों को यह सूचना मिली कि ईसा योहन की अपेक्षा अधिक शिष्य बनाते और बपतिस्मा देते हैं। यद्यपि ईसा स्वयं नहीं, बल्कि उनके शिष्य बपतिस्मा देते थे। जब ईसा को इसका पता चला,

अभ्यास

"शिष्यों द्वारा नए विश्वासियों को दिया गया बपतिस्मा, ना की यीशु द्वारा, इस बात ने कई लीडरों को आश्चर्यचकित कर दिया । कई उदाहरणों में जैसे की इसमें, यीशु ने शिष्यों को कार्यो का अभ्यास करने की अनुमति दे दी जिसका प्रदर्शन वें सब उनके स्वर्ग में लोटने के बाद कर सकते थे । उसी तरह, हम लीडरों को उनके गुणों का अभ्यास करने का अवसर देते हैं, जिनकी

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 50 10/14/2013 10:47:38 PM

आवश्यकता उनको मंत्रालयों में लौटने के बाद होगी । हम उन्हें अभ्यास करने के लिए, गलतियाँ करने के लिए और अपना विश्वास हासिल करने के लिए एक 'सुरक्षित जगह' देते हैं। "

अभ्यासहाथो
को ऊपर और नीचे की तरफ ले जाएँ
जैसे की आप वजन उठा रहे हो ।

◈

-ल्यूक 22:31-32-

"समोिन! समोिन! शैतान को तुम लोगों को गेहूँ की तरह फटकने की अनुमति मिली है। परन्तु मैंने तुम्हारे लिए प्रार्थना की है, जिससे तुम्हारा विश्वास नष्ट न हो। जब तुम फिर सही रास्ते पर आ जाओगे, तो अपने भाइयों को भी सँभालोगे।"

प्रार्थना

"यीशु को पहले से ही पता था की पीटर गलतियाँ करेंगे और उन्हें छोड़ने के प्रलोभन का सामना करना होगा । यीशु यह भी जानते थे की शक्ति और परमेश्वर के साथ दृढ़ता से चलने के लिए, प्रार्थना एकमात्र कुंजी हैं । जो नेतृत्व कर रहे हैं उनके लिए प्रार्थना करना ही, हमारा उनके प्रति सबसे महत्वपूर्ण समर्थन होगा । "

प्रार्थनापारम्परिक
ढंग से "प्रार्थना के लिए हाथ"
अपने चेहरे को करीब रखने की
मुद्रा बनाये ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 51 10/14/2013 10:47:38 PM

स्मृति छंद

-लूका 6:40-
*शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।**Cross references:***

Luke 6:40: Mt 10:24; Jn 13:16; 15:20

- हर कोई खड़ा हो जाये और स्मृति छंद दस बार एक साथ बोलें । पहले छह बार, वे अपने बाइबिल या छात्र नोट्स का उपयोग कर सकते हैं । आखिरी चार बार, वे स्मृति से छंद को कहेंगे। छंद हर बार उद्धृत करने से पहले छंद संदर्भ कहो । लीडर-लोग से कहो की जब समाप्त हो जाए तब बैठ जाना ।
- इस दिनचर्या का पालन करने से प्रशिक्षकों को यह मदद मीलेगी की वह जान सके कि किस टीम ने "प्रैक्टिस" खंड में पाठ समाप्त किया हैं।

अभ्यास

- चार के समूह लीडरों को बांटो।
- प्रशिक्षण प्रक्रिया के दौरान कदम दर कदम लीडरों को जाने दो, उन्हें 7-8 मिनिट निम्न दिए गए प्रत्येक वर्ग पर चर्चा करने के लिए दिए जाएँ।

समीक्षा

"यीशु की दुनिया तक पहुँचने की रणनीति के पांच भाग क्या हैं?"

- लीडरों के जवाबों को आरेख के रूप में एक सफेद बोर्ड पर बनाये ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 52 10/14/2013 10:47:38 PM

प्रगति

"यीशु की दुनिया तक पहुंचने की रणनीति का वह कौन सा हिस्सा सबसे आसान है जो आपके समूह के लोग आसानी से कर सके?"

समस्याएँ

"यीशु की दुनिया तक पहुँचने की रणनीति का अनुसरण करने के समय आपके समूहों को किस प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ा उनको एक दूसरे को बतायें । "यीशु की रणनीति का वह कौन सा हिस्सा है, जिसे आपके समूह को करने में सबसे ज़्यादा कठिनाई हुई?"

योजनाएं

"कोई भी एक काम शेयर करें जो आप अपने समूह का नेतृत्व करके ३० दिनों के अंदर करेंगे जो आपके समूह को यीशु की दुनिया तक पहुँचने की रणनीति का अनुसरण करने में मदद करेगा ।"

- हर कोई अपने भागीदारों की योजना रिकॉर्ड करेंगे ताकि वे बाद में उनके लिए प्रार्थना कर सकें ।

अभ्यास

"कोई भी एक गुण शेयर करें जिसका आप व्यक्तिगत रूप से अगले 30 दिनों में अभ्यास करेंगे जो आपको अपने समूह में एक बहतरीन लीडर बनाने में मदद करेंगा।"

- हर कोई अपने भागीदारों की अभ्यास का अंश रिकॉर्ड करेंगे ताकि वे बाद में उनके लिए प्रार्थना कर सकें ।
- जब प्रत्येक व्यक्ति वे गुण जिसका वह अभ्यास करेंगे एक दुसरे को बता दें ,उसके बाद समूह के सारे सदस्य खड़े हो जायें और स्मृति छंद को एक साथ दस बार बोलें ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 53 10/14/2013 10:47:38 PM

प्रार्थना

“अपने छोटे समूह में, एक बेहतर लीडर बनने के लिए एक दूसरे की योजनायें और गुणों जिनका वें अगले 30 दिनों में अभ्यास करेंगे, उनके लिए प्रार्थना करने में समय व्यतीत करें।”

समाप्त

प्रशिक्षण वृक्ष

”प्रशिक्षण वृक्ष” जिन लोगों को हम लीडर बनाने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं, उनको व्यवस्थित और उनके लिए प्रार्थना करने के लिए एक उपयोगी साधन हैं।”

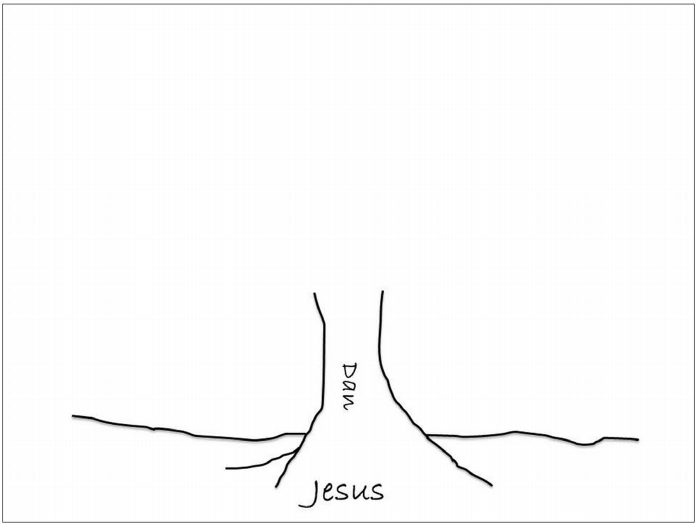

- एक सफेद बोर्ड पर, एक पेड़ का तना, पेड़ की जड़े, और नीचे स्तर की घास को रेखा खींच कर दिखाएँ ।

“मैंने मेरी प्रशिक्षण पेड़ बनाना शुरू कर दिया है । एक तना,कुछ जड़ें और अंत में घास बनाइये । बाइबल कहती हैं की हम मसीह में ही निहित हैं, तो मैं उनका नाम जड़ो में लिख रहा हु । जैसे की यह मेरा प्रशिक्षण पेड़ हैं, तो मैं इस तने में अपना नाम लिखूंगा।

- जड़ो में यीशु का नाम लिखो और तने में अपना नाम लिखो ।

“यीशु ने तीन लोगों के प्रशिक्षण में सबसे अधिक नेतृत्व किया: पीटर, जेम्स, और जॉन। मै उनकी नक़ल करना चाहता हु, तो मै उनके जैसे ही करूँगा । भगवान ने मुझे तीन लीडर-लोग दिए हैं, जिनको प्रशिक्षित करने में मै सबसे अधिक समय निवेश कर सकूँ”।

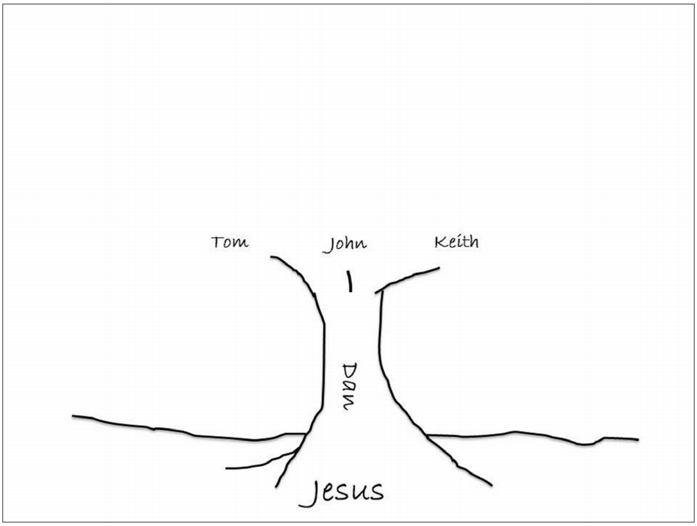

- अब तने से ऊपर की तरफ और बाहर की तरफ निकलती हुई तीन रेखाए खीचें । प्रत्येक रेखा के ऊपर, तीन मुख्य लीडरों का नाम लिखें जिन्हें आप प्रशिक्षित कर रहें हैं।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 55 10/14/2013 10:47:41 PM

“यीशु ने तीन को प्रशिक्षित किया और उन्हें बताया की कैसे वें दूसरों को प्रशिक्षित करें । अगर हर एक तीन अन्यो को प्रशिक्षित करेगा (यीशु की तरह), की हमें सब मिलकर बारह साथी मिलिंगे। यीशु के बारह शिष्य थे, काफी दिलचस्प हैं या नहीं?”

- अब मुख्य तीनो लीडरों के ऊपर की तरफ और बाहर की तरफ निकलती हुई । प्रत्येक रेखा के ऊपर, तीन मुख्य लीडरों का नाम लिखें जिन्हें आप प्रशिक्षित कर रहें हैं। उस आत्मा पवित्र की वजह से जो भी तुम्हारे प्रशिक्षण पेड़ के बारे में अन्य कहानी तुम्हारे दिमाग में आये तो उसे दूसरो को बताओ। टहनियों के आस पास पत्तियों को बनाकर अपने पेड़ को पूरा करो।

“अब मै चाहता हु की सब अपना अपना प्रशिक्षण वृक्ष बनाये। आप विशिवास पर कुछ नाम लिख सकते हैं, लेकीन अपनी पूरी कोशिश प्रशिक्षण पेड़ पर सबसे अच्छे बारह नाम लिखने की लिए लगा दीजिए। पहली तीन शाखाएं, वो लीडर-लोग हैं जिन्हें आप प्रशिक्षित करेंगे। हर लीडर के पास अन्य तीन शाखाये हैं जिन्हें प्रशिक्षित करने में वें सबसे अधिक समय व्यतीत करेंगे ।”

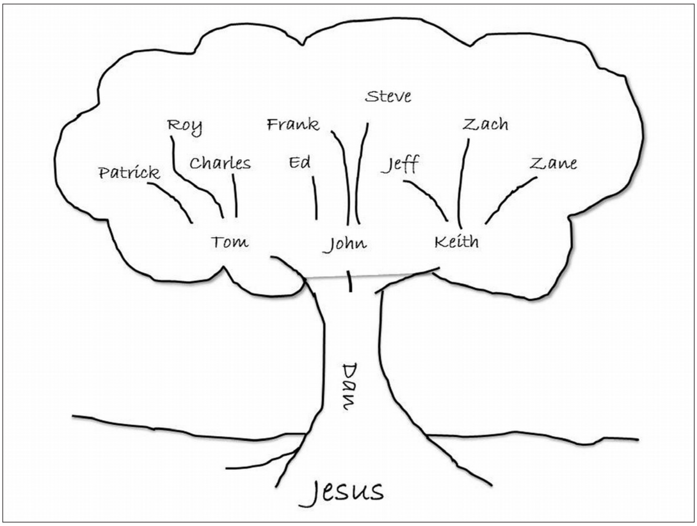

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 56 10/14/2013 10:47:42 PM

- जब तक लीडर-लोग प्रशिक्षण वृक्ष बना रहे हो, तब तक आप निम्नलिखित बाकीयों को बताएं:

  "मुझसे अक्सर पुछा जाता हैं" मैं कैसे लीडर-लोग को प्रशिक्षित करू? "यीशु कहते हैं कि पूछो और तुम्हे सब प्राप्त हो जायेगा। क्या तुमने कभी उनसे पूछा है की तुम्हें क्या चाहिए। इस प्रशिक्षण के दौरान तुम्हें लीडर-लोग को प्रशिक्षण देने के लिए सारे साधन उपलब्ध हो जायेंगे।"

  अन्य कहते हैं ‹मैं किसी को भी नहीं जानता जिसे मैं लीडर बनाने का प्रशिक्षण दे सकूँ, यीशु कहते हैं, तो ढूँढो, तुम्हे मिल जायेगा । क्या तुम लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए ढूंढोगे या इस बात का प्रतीक्षा करोगे की कोई तुम्हारे पास खुद आयें? वे कहते हैं कि 'ढूँढो' न की 'प्रतीक्षा' करो ।

  कुछ अन्य पूछते हैं ‹मैं लीडर-लोग को प्रशिक्षित करने के लिए कहाँ से शुरुआत करूँ? "यीशु कहते हैं, खटखटाओ, दरवाज़ा जरूर खुलेगा । क्या तुम खटखटा रहे थे? विश्वास के साथ अपना पहले कदम बढाओ, भगवान हमें दिशा के साथ आशीर्वाद देंगे ।

  हमारे पास प्रशिक्षण वृक्ष नहीं हैं, इसका मुख्य कारण यह हैं की हमने कभी पुछा नहीं, खटखटाया नहीं और समस्याएं हल नहीं किया। जब हम प्रेम भरे हृदय से यीशु की आज्ञा का पालन करेंगे, तो भगवान हमें कई प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करेगें जो हम कभी सोच भी नहीं सकते।

  "यह साधन हमें लीडर-लोग को प्रगति, समस्या, योजना, अभ्यास, और प्रार्थना में प्रशिक्षण देने में मदद करेगा। "

- समूहों में की किसी भी एक लीडर से कहें कि वह सत्र समापन के लिए प्रार्थना करे।

  "प्रशिक्षण पेड़ के लीडरों के लिए और हमारे छोटे समूहों की योजनायों के लिए भी प्रार्थना करें। अगले महीने बहतरीन लीडर बनाने के लिए जिन अंशो का अभ्यास करेंगे उनके लिए भी प्रार्थना करें ।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 58 10/14/2013 10:47:42 PM

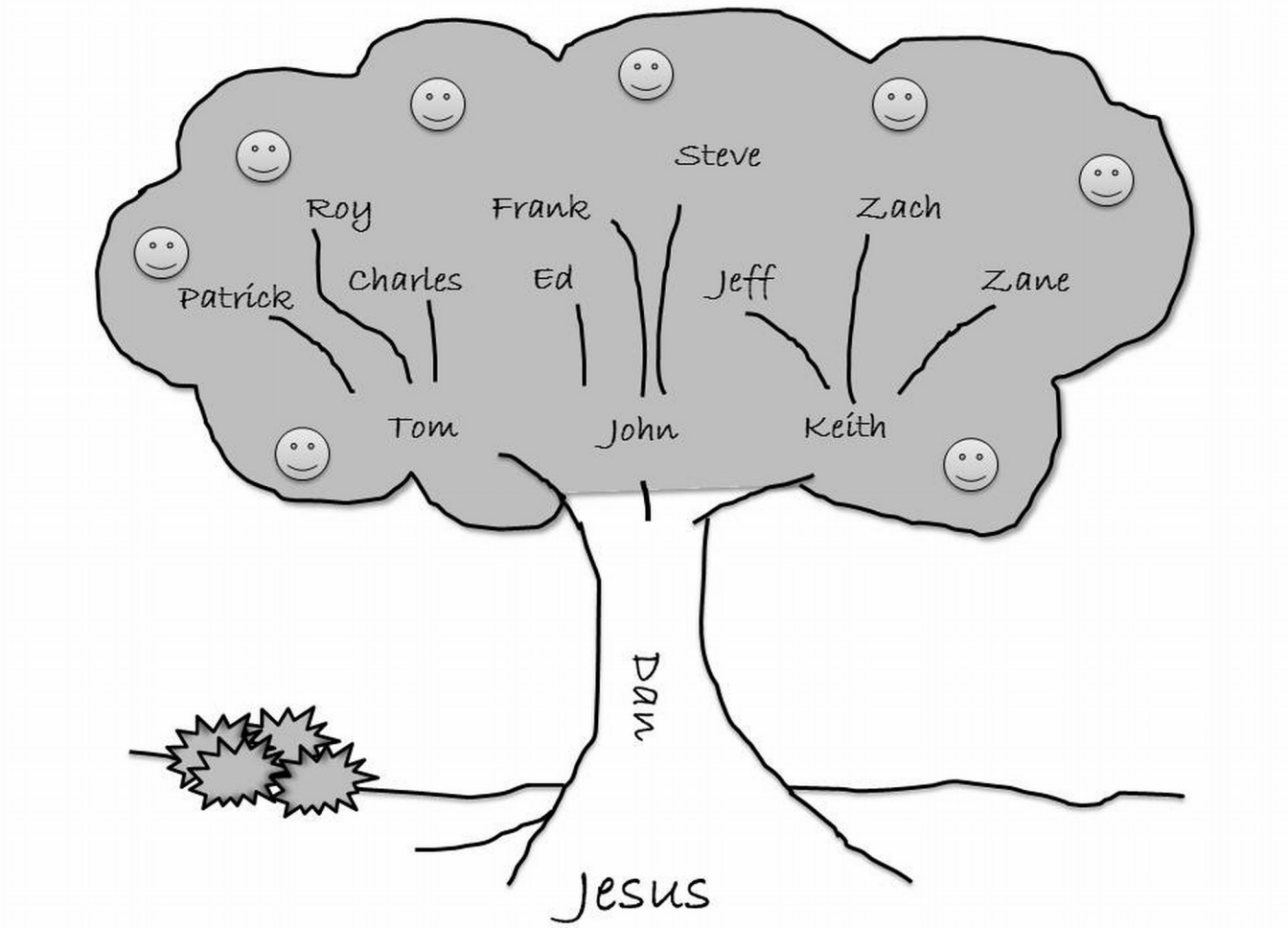

10/14/2013 10:47:43 PM
TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 59

3

यीशु की तरह नेतृत्व करें

यीशु हर दौर के सबसे बड़े लीडर रहें हैं। किसी भी व्यक्ति ने इतने लोगों को प्रभावित नहीं किया जितने लोगो को यीशु ने प्रभावित किया है। यीशु नेतृत्व शैली पर आधारित एक महान लीडर के सात गुणों को पाठ 3 में बताया गया हैं । लीडरों ने फिर अपने नेतृत्व अनुभवों की शक्तियों और कमजोरियों का प्रतिबिंबित दिखाया। यह टीम-निर्माण खेल "सहभाजी नेतृत्व" की शक्ति के शिक्षण के साथ समापन होता हैं ।

लीडरों के हृदय में ऊपर नीचे हलचल होती हैं इसलिए हमने यह जानते का प्रयास किया कि कैसे यीशु ने शिष्यों का नेतृत्व किया ताकि हम उनकी नकल कर सकें । यीशु ने उन्हें आखिर तक प्रेम किया, उनके मिशन को समझा, समूह की समस्याओं को जाना, उनके अनुयायियों को पालन करने का उदाहरण दिया, दया के साथ सामना किया और वह ये जानते थे कि भगवान

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 60 10/14/2013 10:47:43 PM

उनकी आज्ञाकारिता के लिए आशीर्वाद दे रहा है । सब कुछ हमारे दिल से बहता है । इसलिए, हमारे दिल का रवैया हैं, की हम लीडर की तरह शुरुआत करें ।

प्रशंसा

- दो पूजा के संगीतो को एक साथ गायें । एक लीडर से कहें की वह इस सत्र के लिए प्रार्थना करे ।

प्रगति

- प्रशिक्षण में किसी लीडर से पूछो की वो अपने अनुभव (तीन मिनिट) बताये की किस तरह ईश्वर उसको या उसके समूह को आशीर्वाद दे रहे हैं जिसके बाद पुरे समूह से उनके लिए प्रार्थना करने को कहे।
- वैकल्पिक रूप से, "प्रगति, समस्याएं, योजना, अभ्यास, प्रार्थना के नेतृत्व प्रशिक्षण प्रक्रिया का इस्तेमाल करके एक लीडर के साथ कोचिंग-समय का मॉडल बनायें ।

समस्या

"दुनिया बहुत सारे लीडरों की विभिन्न नेतृत्व शैलियों से भरी हुई हैं। यीशु के अनुयायी होने के रूप में, मेरी नेतृत्व शैली की तरह की होनइ चाहिए? "

योजना

"यीशु हर दौर के सबसे बड़े लीडर रहें हैं। किसी भी व्यक्ति ने इतने लोगों को प्रभावित नहीं किया जितने

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 61 10/14/2013 10:47:43 PM

लोगो को यीशु ने प्रभावित किया है । इस पाठ में, हम देखेंगे की कैसे यीशु ने दूसरों का नेतृत्व किया ताकि हम भी उन्हीं की तरह कर सकें।”

समीक्षा

स्वागतम

- चर्च कौन बनाता हैं?
- वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
- यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?
  - भगवान पर अटूट विश्वास
  - ईसा चरित का प्रचार करना
  - शिष्य बनाना
  - समूह और चर्च बनाना प्रारंभ करना
  - लीडरों को विकसित करना

  - कोरिन्थिस 11।1-आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

यीशु की तरह प्रशिक्षण दें

- कैसे यीशु ने लीडरों को प्रशिक्षण दिया?
  - प्रगति
  - समस्याएँ
  - योजनाये
  - अभ्यास
  - प्रार्थना
    - *ल्यूक 6:40-शिष्य गूरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता हैं।*

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 62 10/14/2013 10:47:43 PM

यीशु महानतम लीडर किसे कहते हैं?

-मैथ्यू 20:25-28-

"ईसा ने अपने शिष्यों को अपने पास बुला कर कहा, ‹›तुम जानते हो कि संसार के अधिपति अपनी प्रजा पर निरंकुश शासन करते हैं और सत्ताधारी लोगों पर अधिकार जताते हैं। तुम में ऐसी बात नहीं होगी। जो तुम लोगों में बडा होना चाहता हैं, वह तुम्हारा सेवक बने और जो तुम में प्रधान होना चाहता हैं, वह तुम्हारा दास बने; क्योंकि मानव पुत्र भी अपनी सेवा कराने नहीं, बल्कि सेवा करने तथा बहुतों के उद्धार के लिए अपने प्राण देने आया हैं।››

"महानतम लीडर महानतम सेवक होते हैं।"

सैनिक के जैसे सलामी दो, फिर दोनों हाथो को जोड़ो और फिर एक सेवक की तरह झुको ।

एक महान लीडर के सात गुण क्या होते हैं?

-जॉन 13:1-17-

पास्का पर्व का पूर्व दिन था। ईसा जानते थे कि मेरी घडी आ गयी हैं और मुझे यह संसार छोडकर पिता के पास जाना हैं। वे अपनों को, जो इस संसार में थे, प्यार करते आये थे और अब अपने प्रेम का सब से बडा प्रमाण देने वाले थे।

२ शैतान व्यारी के समय तक सिमोन इसकारियोती के पुत्र यूदस के मन में ईसा को पकडवाने का विचार उत्पन्न कर चुका था।

३ ईसा जानते थे कि पिता ने मेरे हाथों में सब कुछ दे दिया हैं, मैं ईश्वर के यहाँ से आया हूँ और ईश्वर के पास जा रहा हूँ। ४ उन्होनें भोजन पर से उठकर अपने कपडे उतारे और कमर में अंगोछा बाँध लिया।

५ तब वे परात में पानी भरकर अपने शिष्यों के पैर धोने और कमर में बँधें अँगोछे से उन्हें पोछने लगे।

६ जब वे सिमोन पेत्रुस के पास पहुचे तो पेत्रुस ने उन से कहा, ‹›प्रभु! आप मेंरे पैर धोते हैं?››

७ ईसा ने उत्तर दिया, ‹›तुम अभी नहीं समझते कि मैं क्या कर रहा हूँ। बाद में समझोगे।››
८ पेत्रुस ने कहा, ‹›मैं आप को अपने पैर कभी नहीं धोने दूगा››। ईसा ने उस से कहा, ‹›यदि मैं तुम्हारे पैर नहीं धोऊँगा, तो तुम्हारा मेरे साथ कोई सम्बन्ध नहीं रह जायेगा।
९ इस पर सिमोन पेत्रुस ने उन से कहा, ‹›प्रभु! तो मेरे पैर ही नहीं, मेरे हाथ और सिर भी धोइए››।
१० ईसा ने उत्तर दिया, ‹›जो स्नान कर चुका हैं, उसे पैर के सिवा और कुछ धोने की जरूरत नहीं। वह पूरण रूप से शुद्व हैं। तुम लोग शुद्ध हो, किन्तु सब के सब नहीं।››
११ वे जानते थे कि कौन मेरे साथ विश्वास घात करेगा। इसलिये उन्होने कहा- तुम सब के सब शुद्ध नहीं हो।
१२ उनके पैर धोने के बाद वे अपने कपडे पहनकर फिर बैठ गये और उन से बोले, ‹›क्या तुम लोग समझते हो कि मैंने तुम्हारे साथ क्या किया हैं?
१३ तुम मुझे गुरु और प्रभु कहते हो और ठीक ही कहते हो, क्योंकि मैं वही हूँ।
१४ इसलिये यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिये।
१५ मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।
१६ मैं तुम से यह कहता हूँ- सेवक अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता और न भेजा हुआ उस से, जिसने उसे भेजा।
१७ यदि तुम ये बातें समझकर उनके अनुसार आचरण करोगे, तो धन्य होंगे।

1. महान लीडर-लोग लोगों से प्रेम करते हैं

“कविता 1 में जब यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था, उससे पहले यीशु अपने शिष्यों से अंतिम रात के भोजन के बारे में चर्चा कर रहे थे । बाइबिल में यह बताया गया हैं, की यीशु उन्हें समापन तक प्रेम करते थे और वह उन्होंने अपना प्रेम रात के भोजन के समय तक भी दिखाया ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 64 10/14/2013 10:47:43 PM

लीडर होने के नाते, गलतियाँ करने वालो से प्रेम करना मुश्किल होता हैं, परन्तु यीशु जिनका उन्होंने संन्चालन किया उन्हें आखिर तक प्रेम करते थे।

एक लीडर के रूप जब लोग आपकी आलोचना करते हैं तब उन्हें प्रेम करना मुश्किल होता हैं, परन्तु यीशु उन्हें तब भी असीम प्रेम करते थे।

एक लीडर के रूप में जब लोग आपको नीचा दिखाते हैं तब उन्हें प्रेम करना मुश्किल होता हैं, परन्तु यीशु उन्हें तब भी असीम प्रेम करते थे।"

लोगों से प्रेम करोछाती को हाथ से थपथपाओ।

2. महान लीडर-लोग को अपना मिशन का पता होता हैं

"कविता 3 में बाइबिल में बताया गया हैं की यीशु को यह ज्ञात था की वह कहाँ से आयें हैं, कहाँ जा रहे हैं और भगवान ने उन्हें सम्पूरण शक्तिया दी हैं ।

यीशु जानते थे की वह इस धरती पर कोई कार्यवश आयें हैं।

यीशु जानते थे की वह इस धरती पर हमारे पापों के लिए क्रोस पर चढ़ कर म्रत्यु को प्राप्त होंगे ।

यीशु जानते थे की वह इस धरती पर शैतान को हराने और हमें भगवान के करीब लाने आयें हैं।

भगवान हर व्यक्ति को एक अद्वितीय मिशन को पूरा करने के धरती पर भेजता हैं। महान लीडर अपने मिशन

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 65 10/14/2013 10:47:43 PM

को जानते हैं और दूसरो को भी पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं।"

- अपने मशिन को जानोसलामी दो जैसे की तुम एक सैनिक हो और "हाँ" कहते हुए सिर को हिलाओ।

3. महान लीडर अपने अनुयायियों की सेवा करते हैं

"कविता 4 में यीशु खाना खाने के बाद उठे, अपने बाहर डालने वाले कपड़े निकाले, एक तौलिये को अपनी कमर पर बाँधा और अपने शिष्यों के पैर धोने लगे।

दुनिया के लीडर-लोग ये उम्मीद करते हैं उनके अनुयायी उनकी सेवा करेंगे । जबकि यीशु जैसे लीडर-लोग, अपने अनुयायियों की सेवा करते हैं।

दुनिया के लीडर-लोग जनिका नेतृत्व करते हैं उन्हें नियंत्रित और और उनपर शक्ति का प्रयोग करते हैं । जबकि यीशु जैसे लीडर-लोग, अपने शिष्यों को सशक्त करते हैं।"

"सांसारिक रूप से लीडर-लोग खुद पर ज़्यादा ध्यान देते हैं, अपने अनुयायियों की बजाये । इसके विपरीत यीशु जैसे लीडर-लोग अपने अनुयायियों की जरूरतों पर ध्यान देते थे, क्योंकि वह जानते थे की भगवान उनकी जरूरतें स्वयं पूरी कर देंगे क्योंकि वह दूसरो का ख़्याल रखते हैं। भगवान हम पर कृपा करते हैं ताकि हम दूसरों पर कर सकें।"

- उनके अनुयायियों की सेवा करोंपारंपरिक प्रार्थना करने की तरह हाथो को जोड़ कर झुको ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 66 10/14/2013 10:47:43 PM

4. महान लीडर करूणा के साथ गलतियों को ठीक करते हैं

“कविता 6 में पीटर ने बहुत सारी गलतियाँ की, पर हर बारी यीशु ने उनकी गलतियों को करूणा के साथ ठीक किया ।

पीटर ने यीशु से कहा की वे उसके पैर न धोएं, पर उन्होंने कहा कि यिह उनकी दोस्ती के लिए आवश्यक है । उन्होंने उसे करूणा के साथ समझाया।

तब पीटर ने यीशु से कहा की वे उसके सारे शरीर को धोएं, तो यीशु ने कहा के वह पहले से ही साफ़ हैं, फिर एक बार उन्होंने उसे करुणा के साथ ठीक किया।

दुनिया के लीडर-लोग आलोचना करते हैं, दूसरो को दोष देते हैं और नीचे गिराते हैं। यीशु जैसे लीडर-लोग करूणा के साथ गलतियाँ ठीक करते हैं अनुयायियों को प्रोत्साहित करते हैं और उन्हें ऊपर उठाते हैं।”

करूणा के साथ
ठीक करेंदोनों हाथो की तर्जनी और अंगूठे को मिला कर हृदय का चिन्ह बनाये।

5. महान लीडर-लोग समूहों के मौजूदा समस्याओं को जानते हैं।

“कविता 10 और 11 में, बाइबिल में बताया गया हैं की यीशु जानते थे की जूडस समूहों में एक समस्या है और वो धोखा देगा।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 67 10/14/2013 10:47:43 PM

समूहों में कहां कहां समस्याएं हैं, उन्हें समझना और उनका डटकर सामना करना, यह नेतृत्व का बहुत अहम भाग है । कई लीडर-लोग सामना करने के डर से, समस्यायों को अपने समूह से छुपाते हैं परन्तु इससे समस्याएं और बड़ी बन जाती हैं।

देखिये, यीशु ने कैसे जूडस के साथ व्यवहार में संयम बरता, वह ये जानते हैं की केवल भगवान ही सबके बुरे कर्मो की सजा देते हैं, कोई भी लीडर नहीं दे सकता।"

समूहों की समस्याएंअपने हाथो को अपने सिर के दोनों तरफ रखिये, जैसे की आपको सिरदर्द हैं।

6. महान लीडर-लोग अनुसरण करने के लिए अच्छा उदाहरण देते हैं

"कविता १२ में यीशु ने यह समझाया की क्यों उन्होंने शिष्यूं के पैर धोये । वो एक लीडर थे, फिर भी उन्होंने सेवक की तरह पैर धोने का काम किया। यिशु ने बताया की एक दुसरे की सेवा करना भी नेतृत्व का हिस्सा हैं।

अनुयायी अपने लीडर की तरह हे नक़ल करते हैं और बनते हैं। अगर हम यीशु का पालन - प्रशिक्षण कर रहे हैं तो जो लोग हमारा अनुसरण कर रहे हैं, वह परोक्ष रूप से यीशु का हे अनुसरण कर रहे हैं।"

अच्छा उदाहरण दीजियेस्वर्ग की तरफ इशारा करते हुए,"हाँ "की लिए हाथ हिलाएं।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 68 10/14/2013 10:47:43 PM

7. महान लीडर-लोग जानते हैं की वे धन्य है

"कविता 17 में यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि भगवान उन्हें आशीर्वाद देंगे क्योंकि वे दूसरों के सेवा करते हुए उनका नेतृत्व करते हैं ।

कभी कभी दूसरो का नेतृत्व करना मुश्किल हो सकता है, परन्तु जो यीशु का पालन करते हैं वो धन्य हो जाते हैं।

कभी कभी दूसरो का नेतृत्व करना अकेलापन लाता है, परन्तु जो यीशु की उपस्थिति में नेतृत्व करते हैं येशु उन्हें धन्य करते हैं ।

अनुयायी हमेशा अपने लीडर की सराहना नहीं करते, पर यीशु 'भगवन के समर्थन' का वादा करते हैं अगर हम उनके उदाहरण का अनुसरण करते हुए नेतृत्व करने की सेवा करते हैं।"

वह धन्य हैं
प्रसंशा करते हुए, स्वर्ग की तरफ
हाथो को उठाओ ।

स्मृति छंद

-जॉन 13:14-15-
इसलिये यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिये। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।

- हर कोई खड़ा हो जाये और स्मृति छंद दस बार एक साथ बोलें। पहले छह बार, वे अपने बाइबिल या छात्र नोट्स का उपयोग कर सकते हैं। आखिरी चार बार, वे स्मृति

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 69 10/14/2013 10:47:43 PM

से छंद को कहेंगे । कोई भी पद बोलने के पहले उसका सन्दर्भ जरुर बताये और समाप्त होने पर बैठ जाये।

- इस दिनचर्या का पालन करने से प्रशिक्षकों को यह मदद मीलेगी की वह जान सकें कि किसि टीम ने "प्रैक्टिस" खंड में पाठ समाप्त किया हैं।

अभ्यास

- लीडरों से कहो की चार के समूहों में विभाजित हो जाये।

"अब हम यीशु के प्रशिक्षण की विधि का इस्तेमाल करेंगे जो हमने नेतृत्व पाठ में सीखी थी।"

- प्रशिक्षण प्रक्रिया के दौरान कदम दर कदम लीडरों को जाने दो, उन्हें 7-8 मिनिट निम्नि दिए गए प्रत्येक वर्ग पर चर्चा करने के लिए दिए जाएँ।

प्रगति

"अपने समूह में शेयर करें कि सात गुणों में से नेतृत्व का कौन सा गुण तुम्हारे लिए सबसे आसान हैं।"

समस्याएँ

"अपने समूह में इस बात को कहो की सात गुणों में से नेतृत्व का कौन का गुण तुम्हारे लिए सबसे ज़्यादा चुनौतीपूर्ण हैं।"

योजनाएं

"कोई भी एक काम शेयर करें जो आप अपने समूह का नेतृत्व करके ३० दिनों के अंदर करेंगे जो आपके

समूह को यीशु की दुनिया तक पहुँचने की रणनीति का अनुसरण करने में मदद करेगा ।”

- हर कोई अपने भागीदारों की योजना रिकॉर्ड करेंगे ताकि वे बाद में उनके लिए प्रार्थना कर सकें ।

अभ्यास

“कोई भी एक गुण आपस में बताये जिसका आप व्यक्तिगत रूप से अगले 30 दिनों में अभ्यास करेंगे जो आपको अपने समूह में एक बहतरीन लीडर बनाने में मदद करेंगा ।”

- हर कोई अपने भागीदारों की अभ्यास का अंश रिकॉर्ड करेंगे ताकि वे बाद में उनके लिए प्रार्थना कर सकें ।
- जब प्रत्येक व्यक्ति वे गुण जिसका वह अभ्यास करेंगे एक दुसरे को बता दें,उसके बाद समूह के सारे सदस्य खड़े हो जाये और स्मृति छंद को एक साथ दस बार।

प्रार्थना

“अपने छोटे समूह में, एक बेहतर लीडर बनने के लिए एक दूसरे की योजनायें और गुणों जिनका वें अगले 30 दिनों में अभ्यास करेंगे, उनके लिए प्रार्थना करने में समय व्यतीत करें।”

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 71 10/14/2013 10:47:43 PM

समाप्त

छीनलोन

- ६ स्वयंसेवकों को उनके छीनलोन क्षमता को अपने समूह के सामने प्रदर्शित करने को बोलें। कमरे के बीच में एक खेल चक्र बनाने में उन छः लोगों की मदद करें।

  “मैंने एक प्रसिद्ध छीनलोन टीम के लिए अपना गुणों को दिखाने से लिए व्यवस्था कर दी हैं। आईये तालियों से उनका प्रशंसा करें”

- खिलाडियों को इस तरह लगाये की एक व्यक्ति को लीडर की तरह सामने खड़ा करें। बाकियों से कहें कि वे लीडर की तरफ चेहरा करके दो पंक्तियों में खड़े हो जाएँ।

  “पहले हमारी प्रसिद्ध छीनलोन टीम यह दिखाएगी की छीनलोन “ग्रीक” में किस तरह खेला जाता हैं ।वो जिन नियमो का पालन करेंगे, उनको सुनो। हर व्यक्ति को छीनलोन गेंद को लीडर की तरफ ठोकर मारनी हैं । लीडर को एक बार गेंद मिल जाएगी तो वह दुसरे खिलाडी की तरफ गेंद को ठोकर मरेगा। उस खिलाडी को सजा दी जाएगी जो गेंद को लीडर के इलावा किसी अन्य खिलाडी की तरफ फेंकेगा।”

- टीम से कहें की “ग्रीक” में छीनलोन को कैसे खेला जाता हैं, बताएं । इस तरह छीनलोन को खेलना खिलाडियों के लिए अजीब और भ्रामक होगा। मजाकिया तौर पर जो व्यक्ति, लीडर की बजाय किसी अन्य की तरफ गेंद को फेंके तो उसे पकड़कर चिल्लाएं “पेनेल्टी”। उन्हें ठीक करें और दिखाएं कि गेंद को केवल लीडर की तरफ फेंके।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 72 10/14/2013 10:47:44 PM

"क्या होगा अगर वे छीनलोन को इस तरह खेलेंगे? (इन कठिन नियिमों के साथ खेल को खेलना मुश्किल होगा। खिलाडी बोर हो जायेंगे। खेल में मज़ा नहीं रहेगा।)

- अब खिलाडियों से कहें की वह साधारण चक्र बनायें और लीडर को बीच में खड़ा करें।

"इस बार हम समूहों से छीनलोन को हिब्रू तरीके से खेलने को कहेंगे, उस लीडर के साथ जो सब कुछ नियंत्रित करता हो । पहले की तरह हे नियिमो का पालन करेंगे -खिलाडी गेंद को लीडर की तरफ ठोकर मारें, जो फिर बाकियों की तरफ ठोकर मारेगा।"

- टीम इस बार अच्छा प्रदर्शन करेगी परन्तु लीडर कुछ क्षणों के बाद थका हुआ दिखैगा। अगर कोई खिलाडी लीडर की इलावा किसी अन्य की तरफ गेंद को फेंके तो मजाकिया ढंग से पेनेल्टी कहे ।

"क्या होगा अगर छीनलोन को इस ढंग से खेला जाय? लीडर मेहनत करेगा और बहुत थक जायेगा। खिलाडी बहुत गलतियां करेंगे। खेल बोर हो जायेगा।)

- खिलाडियों से कहो की पारंपरिक ढंग से छीनलोन चक्र बनाये जिसमें लीडर को बीच में खड़ा करें। उनसे कहे की उन्हें हर बारी लीडर की तरफ गेंद फेकने की जरूरत नहीं हैं। उनसे कहें की जिस तरह वे छीनलोन को खेलते हैं, वैसे हे खेलें ।

"अब हम सबसे प्रसिद्दि छीनलोन टीम से कहेंगे की वे सही ढंग से हिब्रू तरीके से छीनलोन खेल कर दिखाए।"

- उन्हें काफी समय तक खेलने दें जब तक संगोष्ठी में हर कोई खेल के मज़े लेने लगे और उनके खेल पर टिप्पिणी करने लगे।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 73 10/14/2013 10:47:44 PM

"क्या होगा अगर छीनलोन को इस ढंग से खेला जाये? (पूरी टीम जुड़ गयी। पूरी टीम ने सफलता पूर्वक खेला, खेल अद्भुत हो गया ।)

छीनलोन खेलने का तीसरा तरीका सेवकीय नेतृत्व का सबसे अच्छा उदाहरण है। लीडर हर किसी को खेलने और योगदान देने में मदद करते हैं । लीडर सब कुछ खुद सँभालने की बजाये दूसरो को अपनी अनोखी शैली व्यक्त करने की स्वतंत्रता देते हैं। यह वो उदाहरण है जिसका यीशु ने हमें अनुसरण करने के लिए कहा है।"

- समूह में किसी भी एक लीडर से कहे की वह सत्र समापन के लिए प्रार्थना करे।

"हम सब लीडरों के लिए प्रार्थना करें की हम यीशु की तरह नेतृत्व कर सकें और छोटे समूहों के लिए बनाई गयी हमारी योजनाओं के लिए भी प्रार्थना करें । अगले 30 दिनों में हम अच्छा लीडर बनाने के लिए जिन गुण का अभ्यास करेंगे उनके लिए भी प्रार्थना करें।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 74 10/14/2013 10:47:44 PM

छीनलोन एक आम तौर पर म्यांमार के पुरुषो द्वारा खेला जाने वला खेल हैं । प्रतिभागी एक चक्र बनाते हैं और केन गेंद को पैरो से एक दुसरे की तरह फेंकते हैं । छीनलोन का लक्ष्य ये ही होता हैं की गेंद को धरती पर गिरने न दे, जब तक संभव हैं हवा में हे रखें । खिलाडी अक्सर विशेष पैरो की ठोकरों से दुसरो को प्रभावित करते हैं । पास की ऊँचाई और सटीकता सबसे ज़्यादा दर्शको और प्रतिभागियों की तालियाँ बटोरती हैं।

लगभग पूरे एशिया में छीनलोन खेला जाता हैं, पर हर देश में इसे अलग अलग नामो से बुलाया जाता हैं। आप जिस क्षेत्र में प्रशिक्षण दे रहें हैं, वहाँ के स्थानीय निवासियों से इस खेल के नाम का पता लगायें।

यदि आप ऐसे क्षेत्र में लीडरों को प्रशिक्षित कर रहे हो जहाँ छीनलोन जैसा कोई खेल नहीं हैं, तो आप गेंद की जगह कोई ओर गेंद भी ले सकते हैं ।

४

शक्तिशाली बनना

जिन लीडरों को तुम सीखा रहे हो वे लीडरों का समूह है और सीखना कैसे दूसरों की मांग हो सकती है। लीडरों को उनके समूह के बहार से महत्वपूर्ण आध्यात्मिक युद्ध का सामना करना पड़ता हैं और समूह के भीतर व्यक्तित्व मतभेद का । अलग-अलग व्यक्तित्व प्रकार की पहचान करना और प्रभावी रूप से उन लोगों के साथ एक समूह में काम करना - एक प्रभावी नेतृत्व की कुंजी है । "शक्तिशाली बनना" लीडरों को सबक देता हैं कि कैसे सरल तरीके से लोगों को व्यक्तित्व खोजने में मदद करें । जब हम समझते हैं की कैसे भगवन ने हमे बनाया है, हमारे पास मजबूत सुराग है कि कैसे हम उनमें शक्तिशाली बन सकते हैं।

व्यक्तित्व के आठ प्रकार हैं: सैनिक, साधक, चरवाहा, बोनेवाला, बेटा/बेटी, संत, सेवक, और प्रबंधक। लीडरों की मदद

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 76 10/14/2013 10:47:44 PM

करने के बाद उनके प्रकार की खोज करें, प्रशिक्षक शक्तियों और प्रत्येक प्रकार की कमजोरियों पर चर्चा करते हैं। कई लोगों को लगता हैं भगवान सांस्कृतिक मूल्यों से अधिक व्यक्तित्व प्रकार से प्यार करते हैं । अन्य लीडरों का मानना हैं कि नेतृत्व क्षमता व्यक्तित्व पर निर्भर करती है। यह सीमित धारणाएँ सच नहीं हैं। यह सत्र इस बात पर जोर देकर समाप्त होता है कि लीडरों को लोगों से बर्ताव व्यक्तिगत रूप में करना चाहिए। नेतृत्व प्रशिक्षण व्यक्ति की जरूरत को संबोधित होना चाहिए।

प्रशंसा

- दो पूजा के संगीतो को एक साथ गायें । इस सत्र के लिए प्रार्थना करने के लिए एक लीडर से पूछें।

प्रगति

- प्रशिक्षण में किसी लीडर से पूछो की वो अपने अनुभव (तीन मिनिट) बताये की किस तरह ईश्वर उसको या उसके समूह को आशीर्वाद दे रहे हैं जिसके बाद पुरे समूह से उनके लिए प्रार्थना करने को कहे।

- वैकल्पिक रूप से, "प्रगति, समस्याएं, योजना, अभ्यास, प्रार्थना के नेतृत्व प्रशिक्षण प्रक्रिया का इस्तेमाल करके एक कोचिंग-समय का मॉडल बनायें ।

समस्या

"लीडर अक्सर अनुयायियों से उनके कार्य और प्रतिक्रिया कि एक जैसी उम्मीद रखने कि गलती करते हैं । भगवान ने, हालांकि, लोगों को कई अलग अलग व्यक्तित्व से

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 77 10/14/2013 10:47:44 PM

बनाया हैं। अलग-अलग व्यक्तित्व प्रकार की पहचान करना और प्रभावी रूप से उन लोगों के साथ एक समूह में काम करना - एक प्रभावी नेतृत्व की कुंजी है ।

यीशु एक बेटे हैं और चाहते हैं की परिवार में भरपूर प्यार और एकता हो। अलग व्यक्तित्व को समझने से हमें दूसरों को अधिक प्यार करने में मदद मिलेगी" ।

योजना

"इस पाठ में, हमे आठ अलग व्यक्तित्व प्रकार को सीखेंगे। आपको पता चल जाएगा कि किसि व्यक्तित्व का प्रकार हैं जो भगवान ने आपको दिया हैं, और कैसे दुसरों के व्यक्तित्व की पहचान करने में मदद करें। हर विश्वासी की प्रभु में मजबूत बढ़ती है जब वे इस बात को समझ लेते हैं कि कैसे भगवान ने उन्हें मनाया हैं।"

आलोचना

स्वागतमम

चर्च कौन बनाता हैं?
वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?
भगवान पर अटूट विश्वास
ईसा चरित का प्रचार करना
शिष्य बनाना
समूह और चर्च बनाना प्रारंभ करना
लीडरों को विकसित करना
- कोरिन्थियंस 11।1-आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 78 10/14/2013 10:47:44 PM

यीशु की तरह प्रशिक्षण करें

यीशु ने कैसे लीडर को प्रशिक्षित कराया?

प्रगति
समस्याएं
योजनाए
अभ्यास
प्रार्थना

-लूकस 6:40- "शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।"

यीशु की तरह निर्देशन करें:

यीशु ने किसे महानतम लीडर कहा है?

एक महान लीडर के सात गुण कोनसे हैं?

1. महान लीडर लोगों को प्यार करते हैं
2. महान लीडर को उनका लक्ष्य का पता होता हैं
3. महान लीडर अपने अनुयायियों की सेवा करते हैं
4. महान लीडर दयालुता के साथ सही राह दिखाते हैं
5. महान लीडर को समूह में मौजूदा समस्याओं का पता होता हैं
6. महान लीडर दुसरों के लिए एक अच्छा उदाहरण देते हैं
7. महान लीडर को पता हैं उनपर ईश्वर का आशीर्वाद हैं

जॉन 13:14 -15 - "इसलिये यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 79 10/14/2013 10:47:44 PM

> तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहियें। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।"

भगवान् ने तुम्हें कौन सा व्यक्तित्व दिया हैं?

- लीडरों को बोलो की वे अपनी पुस्तिकाओं के एक साफ कागज पर बड़ा चक्र खींचे।

  "जो चक्र मैं बना रहा हूँ वो दुनिया के सभी लोगों को दर्शाता हैं।"

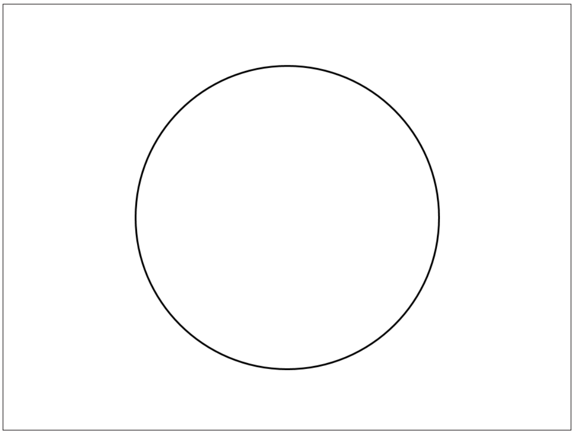

- लीडर से पूछो एक क्षैतिज रेखा खींचे जो चक्र को बीच से काटे। चक्र के दाई ओर "रिश्तों" से लेबल करें और चक्र की बाई ओर "कार्य" से लेबल करें.

  "हर व्यक्ति इन दोनों में से एक समूह में आता है: एक जो लोग अधिक कार्य-केंद्रित हैं और दूसरा जो लोग अधिक संबंध-केंद्रित हैं। भगवान ने दोनों प्रकार के

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 80 10/14/2013 10:47:44 PM

लोगों को बनाया हैं, इसलिए न कोई अच्छा या बुरा हैं; यह सिर्फ प्रकार है जिस तरह से भगवान ने लोगों को बनाया हैं. लाइन पर एक बिंदु चुनें जो आपके मुताबिक यह अच्छे तरीके से दर्शाता है कि आप किस तरह के व्यक्ति हो.

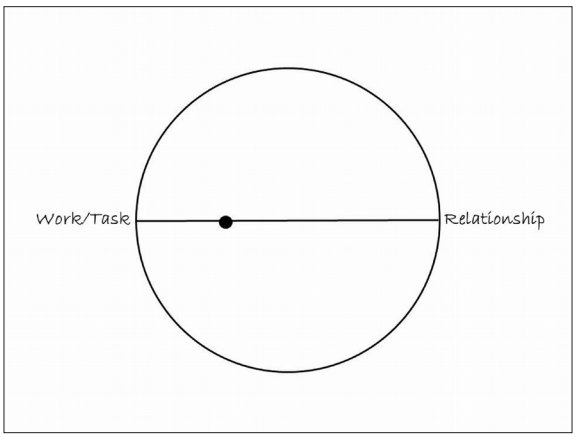

(अधिक कार्य-केंद्रित व्यक्ति रेखा के बाईं ओर के करीब एक बिंदु लगाएगा। अधिक संबंध-केंद्रित व्यक्ति दाईं ओर के करीब रेखा पर एक बिंदु को रखेगा। यदि व्यक्ति आधा कार्य-केंद्रित और आधा संबंध-केंद्रित है, उन्हें बतादें कि वे अपना बिंदु मध्य रेखा के नज़दीक डालें, लेकिन एक या दूसरे क्षेत्र में।)

"पड़ोसी के साथ अपना परिणाम बांटे और देखें कि आपके पड़ोसी आपके बिंदु की पसंद के साथ सहमत है। यह करने के लिए पाँच मिनिट ले लें।"

- लीडरों को चक्र को खड़ी रेखा के साथ चार बराबर भागों में काटने के लिए बोलें। चक्र के उपर "बहिर्मुखी"(outward) से लेबल करें और चक्र के नीचे "अंतर्मुखी(inward) से लेबल करें ।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 81 10/14/2013 10:47:45 PM

"दुनिया में हर कोई भी दो समूहों में आता हैं: वे जो अधिक मिलनसार (बहिर्मुखी) हैं और वे जो अधिक अन्दरूनी (अंतर्मुखी) हैं। भगवान ने दोनों प्रकार के लोगों को बनाया हैं, इसलिए न कोई अच्छा या बुरा हैं; यह सिर्फ प्रकार है जिस तरह से भगवान ने लोगों को बनाया हैं.

खड़ी रेखा पर जगह को चुने जो सबसे अच्छा तरीके से आपकी पसंद को दर्शाता है ।"

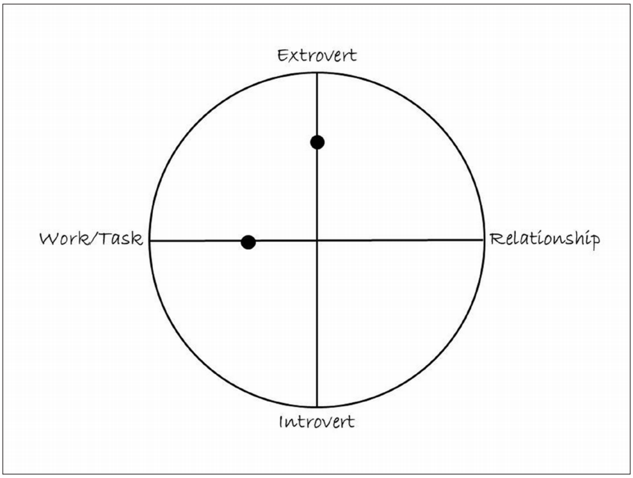

(एक बहिर्मुखी व्यक्ति चक्र के ऊपरी भाग के करीब निशान लगाये। एक अंतर्मुखी व्यक्ति चक्र के नीचे की ओर निशान लगाये। यदि व्यक्ति आधा बहिर्मुखी और आधा अंतर्मुखी, उन्हें बता दे की वे अपना बिंदु मध्य रेखा के करीब डाल दे, लेकिन एक या दूसरे क्षेत्र में।)

"पड़ोसी के साथ अपना परिणाम बांटे और देखें कि आपके पड़ोसी आपके बिंदु की पसंद के साथ सहमत है। यह करने के लिए पाँच मिनट ले लें।"

- लीडरों को चक्र को आठ बराबर भागों में काटने के लिए कोणीय रेखा खिचिने के लिए बोलें (एक "X")

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 82 10/14/2013 10:47:46 PM

- लीडरों फिर एक बिंदी-दार रेखा का डिब्बा बनाये जो निर्धारित टुकड़ा उनके व्यक्तित्व को दिखायेगा।

- नीचे का पुरे चित्र व्यक्ति के व्यक्तित्व को पूरी तरह दर्शाता है.

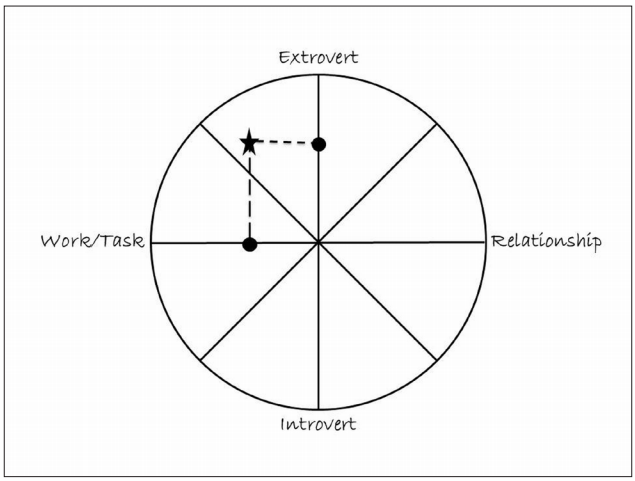

- 9:00-10:30 के टुकड़ा से शुरू होकर, घड़ी की सुई की दिशा में चलते हुए व्यक्तित्व के निम्नलिखित आठ प्रकार की समझाएं.

- खाली जगह पर व्यक्तित्व प्रकार का नाम लिखने के साथ साथ उसके सकारात्मक और नकारात्मक गुणों को समझाएं.

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 83 10/14/2013 10:47:47 PM

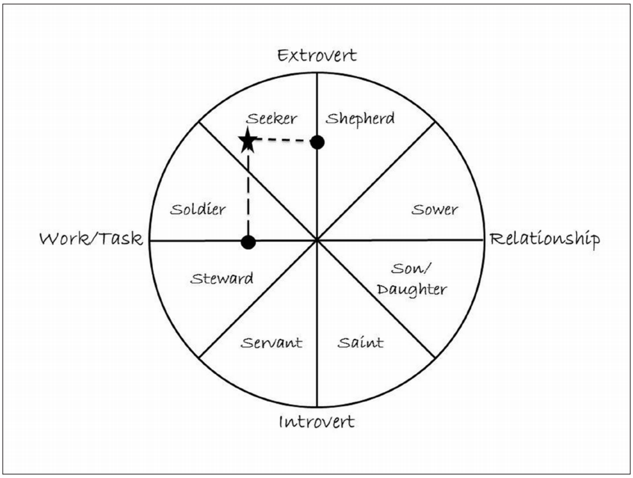

सिपाही

- उच्च कार्य, अंतर्मुखी(inward) की तुलना में अधिक बहिर्मुखी(outward) ।
- सकारात्मक: क्या जीत के लिए आवश्यक है देखता है, निर्धारित और माननीय.
- नकारात्मक: शायद असंवेदनशील और हावी, लड़ाई जीता सकता हैं लेकिन युद्ध हरवा देता है।

जिज्ञासु

- बहुत बहिर्मुखी, संबंध की तुलना में थोड़ा अधिक काम।
- सकारात्मक: नए अवसरों को देखता है, अच्छी तरह समूह बनाना, एक उद्यमी है
- नकारात्मक: संभवत: खुशी की तलाश, संभवत: एक काम में ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ, संभवत: ऐसा सोचना कि नया हमेशा बेहतर होता है।

धर्मगुरु

- बहुत बहिर्मुखी, कार्य की तुलना में थोड़ा अधिक संबंध।

- सकारात्मक: लोगों की आध्यात्मिक आवश्यकताओं को देखता है, समूह का नेतृत्व करने में आनंद लेता हैं, और भावनात्मक संघर्ष में लोगों को आगे बढकर प्रोत्साहित करता है।
- नकारात्मक: संभवत: धौंस देने वाला हो, संभवत: गुट शुरू कर सकता है, संभवत: मौजूदा नेतृत्व के साथ सहयोग करने में संघर्ष करना पड़ सकता है।

व्यापक

- उच्च संबंध, अंतर्मुखी की तुलना में थोड़ा अधिक बहिर्मुखी।
- सकारात्मक: लोगो में सामर्थ्य देख सकता है, प्रशिक्षण दे सकता है, लगातार स्व-सुधार करता है।
- नकारात्मक: संभवत: विरोध पैदा करना, निराशा के साथ संघर्ष करना, पसंदीदा विषियों के बारे में भी अक्सर बात करता है।

बेटा या बेटी

- उच्च संबंध, बहिर्मुखी की तुलना में थोड़ा अधिक अंतर्मुखी।
- सकारात्मक: दूसरो को क्या लगता है, "एक परिवार का हिस्सा", शांति रखता है, और व्यक्ति के महत्व पर जोर देता है।
- नकारात्मक: संभवत: विश्वास है कि उनका परिवार "सबसे अच्छा है," संभवत: ईर्ष्यामय और असुरक्षित है।

संत

- उच्च अंतर्मुखी, कार्य की तुलना में थोड़ा अधिक संबंध है।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 85 10/14/2013 10:47:48 PM

- सकारात्मक: लोगों के भगवान के साथ जुड़ने के तरीकों को देखें, परम्परा बनाये रखना, समुदाय की नैतिक आवाज है।
- नकारात्मक: संभवत: "दिखावटी तौर पर नैतिक" प्रकट हो सकता है, संघर्ष के साथ दूसरों को स्वीकार करे, कभी कभी विधि सम्मत करे।

नौकर

- उच्च अंतर्मुखी, संबंध की तुलना में थोड़ा अधिक कार्य है।
- सकारात्मक: कैसे लोगों की शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए देखता है, वफादार, पर्दे के पीछे सबसे अच्छा काम करता है।
- नकारात्मक: दूसरों का कार्य करता है लेकिन अपने परिवार की देखभाल नहीं कर सकता, परिवर्तन धीरे - धीरे स्वीकारता है, बड़ी तस्वीर देखने में कठिनाई है।

प्रबन्धक

- उच्च कार्य, बहिर्मुखी की तुलना में थोड़ा अधिक अंतर्मुखी।
- सकारात्मक: संसाधनों को व्यवस्थित करने का सबसे अच्छा तरीका देखता है, बुद्धिमान और क्रियात्मक है।
- नकारात्मक: संभवत: नौकरशाही में उलझना, सहानुभूति अभाव या लोगों की वास्तविक जरूरतों से अधिक संगठन की जरूरत रखना।

"अपने साथी को आठ व्यक्तित्व प्रकार दिखाए जो कि आप की तरह हैं और उदाहरण दे रहे हैं।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 86 10/14/2013 10:47:48 PM

कौन सा व्यक्तित्व का प्रकार परमेश्वर को सबसे ज्यादा प्यार करता हैं?

- लीडरों को इस बात पर बहस करने की अनुमति दें। उनके जवाब आपको उनकी संस्कृति में गहरी अंतर्दृष्टि देंगे। हर संस्कृति बाकी की तुलना में मसीह के एक या दो चित्रों की अधिक देखभाल करती है

  "भगवान ने प्रत्येक व्यक्तित्व प्रकार को बनाया और समाप्त करके उन्होंने बाद में कहा, 'यह अच्छा हैं.' वे सब उसके प्रिय हैं।"

कौन सा व्यक्तित्व प्रकार सर्वश्रेष्ठ लीडर बनाता है?

- लीडरों को बोलो इस सवाल पर चर्चा करें। आमतौर पर दो या तीन मसीह की तस्वीरें पसंदीदा के रूप में उभरकर सामने आएगी। इन दो या तीन प्रकार के व्यक्तित्व पर लीडर बहस करंगे की ये सबसे अच्छा हैं एक लीडर के लिए। उल्लेखनीय ढंग से हमें जवाब मिल गये हैं पश्चिमी और पूर्वी संस्कृतियों के बीच काफी भिन्नता है। समूह के उनके विचार करने के बाद, उनके साथ निम्नलिखित जानकारी बंटा करें।

  "आप एक असाधारण लीडर हो सकते हैं कई लोग यह जानने के बाद आश्चर्यचकित हैं आठ व्यक्तित्व प्रकार में से किसी के भी साथ। नेतृत्व व्यक्तित्व पर निर्भर नहीं करता है। मैं तुम्हें अमेरिका में आठ बड़ी चर्चों में ले जा सकता हूँ जहाँ की हर हफ्ते 5,000 से अधिक लोगों की एक उपस्थिति होती हैं। बहुत लोगों का कहना कि इन चर्चों का नेतृत्व महान लीडरों द्वारा किया गया हैं। यदि आपने विभिन्न पादरियों के साथ बात कि, आपको पता चलेगा कि हर किसी का व्यक्तित्व अलग है। हर किसी ने मसीह की एक अलग तस्वीर के साथ नेतृत्व

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 87 10/14/2013 10:47:48 PM

किया। व्यक्तत्वि वो नही है जो एक अच्छा लीडर बनता है। एक अच्छा लीडर वो व्यक्त‍ि है जो पुरे समूह का नेतृत्व कर सकता है एक साथ काम करने और सफल होने के लिए। यीशु सभी समय के सबसे महान लीडर हैं। उसका अनुसरण करो और तुम भी एक महान लीडर बन जाओगे।"

स्मृत‍ि छंद

-रोमनस 12:4-5-

जिस प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता, उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

- सब लोग खड़े हो जायें और स्मृत‍ि छंद को एकसाथ दस बार बोलें। पहले छह बार, वे अपनी बाइबिल या छात्र लेखों का उपयोग कर सकते हैं। आखिरी चार बार, वे स्मृत‍ि से छंद कहें। हर बार छंद उद्धृत करने से पहले छंद का संदर्भ कहें और समाप्त होने पैर बैठ जायें।
- इस दिनचर्या का पालन प्रशिक्षकों को ये पता करने में सहायता करेगा की किन दलों ने "अभ्यास "अंश का सबक समाप्त कर लिया है।

अभ्यास

- चार के समूहों में लीडरों को विभाजित कर दे। उन्हें नेतृत्व सबक के साथ प्रशिक्षण की प्रक्रिया का उपयोग करने के लिए कहें।
- लीडरों को प्रशिक्षण प्रक्रिया से क्रमशः अवगत कराएं और उन्हें निम्न सारे वर्गों पर ७-८ क्षण चर्चा करने के लिए कहें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 88 10/14/2013 10:47:48 PM

प्रगति

"आठ प्रकार के लोगों में आप सबसे ज़्यादा किस तरह के हैं यह बताएं और उदाहरण दें।"

समस्याएँ

"आठ प्रकार के लोगों में आप सबसे कम किस तरह के हैं यह बताएं और उदाहरण दें।"

योजना

"अगले महीने में आपके समूह में अलग व्यक्तित्व प्रकार का पता लगाने के लिए एक सरल योजना बनाएं।"

- हर कोई एक दूसरे की योजनाओं को लेखबद्ध करे ताकि वे बाद में अपने साथियों के लिए प्रार्थना कर सके।

अभ्यास

"ऐसा एक कार्य बाँटें जो आपको अगले ३० दिनों में इस क्षेत्र में एक लीडर के रूप में सुधरने के लिए मदद करेगा।"

- हर कोई अपने भागीदारों के अभ्यास विषय दर्ज करे ताकि वे बाद में उनके लिए प्रार्थना कर सके।
- जब सब एक दूसरे से अपने अभ्यास करने वाले कौशल बाँट लें तो सारे लीडर खड़े हो जायें और एकसाथ दस बार स्मृति छंद कहें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 89 10/14/2013 10:47:48 PM

प्रार्थना

"एक दूसरे की योजनाओं और अगले ३० दिनों में बेहतर लीडर बनने के कौशल के अभ्यास के लिए प्रार्थना में समय व्यतीत करें।"

समाप्ति

अमेरिकी चीज़बर्गर

"लीडरों को ऐसा अभिनय करने के लिए कहें जैसे आप एक भोजनालय में हैं। लीडरों को तीन या चार के समूह में स्थानांतरित करें और उनके समूहों को समझाएँ की जहाँ वे खा रहे हैं वे "मेज" हैं। उन्हें बताओ कि तुम बैरे हो और उनके आदेश ले रहे हो।"

- अपने हाथ पर एक तौलिया लपेटें, पहली मेज पर जायें, और उनसे पूछें कि वे क्या खाना पसंद करेंगे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे क्या आदेश करते हैं, तुम कहो, "क्षमा करें, हमारे पास वे नहीं हैं, मैं तुम्हें उसकी बजाय एक अमेरिकी चीज़बर्गर दे देता हूँ।"
- कई मेजों के बाद, ज़्यादातर लोग अमेरिकी चीज़बर्गर का आदेश देंगे क्योंकि उन्हें एहसास हो जायेगा कि तुम्हारे पास यही सब है।

"यह प्रहसन एक नेतृत्व की आम गलतियों को दिखाता है। लीडर चाहते हैं की हर कोई कार्य करे और एक ही समान रहे, लेकिन भगवान ने प्रत्येक व्यक्ति को अलग बनाया है। अच्छे लीडर ये सीखते हैं कि विभिन्न व्यक्तित्व के लोगों के साथ कैसे काम करना है। वे लोगों

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 90 10/14/2013 10:47:48 PM

को सहयोग और मतभेद का सम्मान कैसे करना चाहिए ये सिखाते हैं।"

- एक लीडर से कहें की भगवान ने जिस अलग तरीके से लोगों को बनाया है इसके लिए एक प्रार्थना की स्तुति करके धन्यवाद करे।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 91 10/14/2013 10:47:48 PM

७

एकता में बल

लीडर ने पछिले सबक में उनके व्यक्तित्व की खोज की। “मलि कर शक्तशिाली “ये बतलाता हैं की लीडर का व्यक्तित्व कसि प्रकार दुसरो से मेल खता हैं। इस संसार में लोगों में आठ तरह के व्यक्तित्व क्यों हैं? कुछ कहते हैं नोआ(noah) के संदूक में आठ लोग थे जब की कुछ कहते हैं की भगवन ने हर स्थान पर तरह तरह के व्यक्तित्व बनाये हैं उत्तर,उत्तर -पूर्व,पूर्व आदि । हम कारण आसानी से समझा सकते हैं ।संसार में आठ तरह के व्यक्तित्व हैं भगवन ने उन्हें अपनी कल्पनाओं में ऐसा बनाया हैं।बाईबल के अनुसार यदि आप जानना चाहते हैं की भगवन केसे दखिते हैं तो यीशु को देख लें।इस संसार में व्यक्तित्व के आठ प्रकार यीशु की आठ तस्वीरे हैं ।

यीशु सैनकि की तरह हैं - भगवन की सेना के सेना पति। वे खोजी की तरह हैं - खोए हुए को खोजने और बचाने वाले। वे चरवाहे की तरह हैं -अपने अनुयायी को भोजन पानी और आवास देने वाले।यीशु बीज बोने वाले की तरह भगवन की बाते हम में बोते हैं। वे उनके पुत्र हैं- भगवन उन्हें अपना प्रेमी कहते हैं

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 92 10/14/2013 10:47:48 PM

और हमें उनकी बाते सुनने को कहते हैं ।यीशु एक रक्षक हैं और हमें संत बनके उनको दर्शाने को प्रेरति करते हैं । वे एक सेवक हैं-मरते दम तक अपने पति की आज्ञा का पालन करने वाले ।अंत में यीशु एक खजानची हैं। जो की समय,संपथी और लोगों के प्रबंधक हैं।

हर लीडर की यह जम्मिेदारी होती हैं की वह लोगों की एक साथ काम करने में मदद करे । झगड़े अनविार्य रूपसे अलग व्यक्तत्विव के बीच होते हैं क्योंकि वे इस संसार को अलग -अलग रूप से देखते हैं । सब से आम दो तरीके से लोग झगड़ों से नपिटते हैं ।या तो लड़ते हैं या भाग जाते हैं।झगड़े से नपिटने का एक रास्ता हैं,जो की भगवन से प्रेरति हैं,जसिके अनुसार एक ऐसा हल खोजना जो की हर व्यक्तत्विव का सम्मान रखता हो ।ये सतर एक प्रतयिोगति के साथ समाप्त होता हैं जो की सत्य को एक हास्यकर रास्ते से दखिाता हैं ।यीशु के आठ चत्रि हमें ये समजाते हैं की दुसरो से कैसे प्यार कयिा जाता हैं। यह यीशु के सभी अनुयाययिों का काम हैं।

प्रशंसा

- दो भक्ति गीत एक साथ गायन कीजयि। इस सत्र के लएि प्रार्थना करने के लएि कसिी लीडर से पूछें।

प्रगति

- प्रशक्षिण में कसिी लीडर से पूछो की वो अपने अनुभव (तीन मनिट) बताये की कसि तरह ईश्वर उसको या उसके समूह को आशीर्वाद दे रहे हैं जसिके बाद पुरे समूह से उनके लएि प्रार्थना करने को कहें।
- वैकल्पकि रूप में,"प्रगति, समस्याएं, योजना, अभ्यास, प्रार्थना नेतृत्व प्रशक्षिण मॉडल का उपयोग करके लीडर के साथ एक कोचगि-समय का मॉडल बनायें ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 93 10/14/2013 10:47:48 PM

परेशानी

हमने पिछिले पाठ में आठ अलग व्यक्ततिव के बारे में पढ़ा हैं।इसमें हमें ये पता चला की समूह झगड़े केसे होता हैं। झगड़े ही ऐसी चीज़ हैं जो किसी भी मशिन को सबसे जल्दी रोक सकती हैं ।लोग एक दुसरे को अपशब्ध कहते हैं और ठेस पहुचाते हैं ।तब मशिन की रफ़्तार धीमी पढ़ जाती हैं ।

योजना

यीशु एक रक्षक हैं और अपने अनुयायियों को संत बनके उनको दर्शाने को कहते हैं। हम किसि तरह एक साथ झगड़ों को निपिटाते हैं, इसके द्वारा ही संसार हमें ईसाई रूप में जानता हैं। इस सबक की योजना आपको यह दिखाना था कि क्यों झगड़े होते हैं और जब वे हों तो कैसे असहमति को संभाले ।

समीक्षा

स्वागतम
- चर्च कौन बनाता हैं?
- वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
- यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?
  - भगवान पर अटूट विशिवास
  - ईसा चरित का प्रचार करना
  - शिष्य बनाना
  - समूह और चर्च बनाना प्रारंभ करना
  - लीडरों को विकसित करना

- कोरन्थिसि 11:1-आप लोग मेरा अनुसरण करें, जसि तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

येशु की तरह प्रशकि्षति करें

कैसे यीशु ने लीडरों को प्रशकि्षण दयिा?

प्रगति

समस्याएँ

योजनाये

अभ्यास

प्रार्थना

- *ल्यूक 6:40-शष्यि गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शकि्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता हैं।*

यीशु की तरह नर्दिेशन करें

येशु महानतम लीडर कसिको कहेंगे?

एक महान लीडर की सात वशिेषताएं क्या हैं?

महान लीडर लोगों को प्यार करते हैं ।

महान लीडर को अपने मशिन का ज्ञान होता हैं ।

महान लीडर अपने अनुयायियों की सहायता करते हैं ।

महान लीडर दया करने वाले होते हैं ।

महान लीडर समूह की परेशानियों को जानते हैं ।

महान लीडर पालन के लिए एक अच्छा उधारण देते हैं ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 95 10/14/2013 10:47:48 PM

महान लीडर यह जानते कि उन पर येशु की कृपा हैं ।

- *जॉन* 13:14-15-अब,यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहियें। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुमहारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।

शक्तिशाली बनना

भगवन ने तुम्हें कैसा व्यक्तित्व दिया हैं?

सैनिक

खोजी

चरवाहा

बीज बोने वाला

पुत्र / पुत्री

संत

सेवक

प्रबंधक

भगवन को किस प्रकार का व्यक्तित्व अच्छा लगता हैं?

किस प्रकार का व्यक्तित्व महानतम लीडर बनता हैं?

- *रोमनस* 12:4-5- जिस प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता, उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 96 10/14/2013 10:47:48 PM

ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

इस संसार में आठ तरह के लोग क्यों हैं?

-Genesis 1:26 -
तब भगवान ने कहा, हमें इंसान को हमारी छवि में, हमारी पसंद का बनाना हैं ।

-Colossians 1:15 -
येशु अदृश्य ईश्वर के प्रतरूिप तथा समस्त सृष्टि के पहलौठे हैं ।

“मनुष्य भगवान की छवि से ही बनाया गया हैं । यदि आप अदृश्य भगवान की छवि देखना चाहते हैं तो येशु को देखें । यहा तक की हमारी बुरी अवस्था में भी हम देख पाते हैं की येशु कौन हैं । बाईबल में येशु की आठ तस्वीरें हैं जो की हमें येशु को पहचानने में मदद करती हैं ।”

येशु किसकी तरह हैं?

सैनिक

-- Matthew 26:53 -
क्या तुम यह समझते हो कि मैं अपने पिता से सहायता नहीं माँग सकता? तब क्या वह अभी मेरे लिए स्वर्गदूतों की बारह से भी अधिक सेनाए नहीं भेज देगा? (HCSB)

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 97 10/14/2013 10:47:48 PM

सैनिक
तलवार उठाओ ।

खोजी

- *ल्यूक* 19:10 -

जो खो गया था, मानव पुत्र उसी को खोजने और बचाने आया हैं। (NAS)

खोजी
आपने हाथ को आँखों के ऊपर रख कर इधर-उधर देखें (जैसे आप किसी को ढूंढ़ रहे हों) ।

चरवाहा

-*जॉन* 10:11 -

भला गड़ेरिया मैं हूँ। भला गड़ेरिया अपनी भेड़ों के लिए अपने प्राण दे देता हैं।

चरवाहा
अपनी बाहों को शारीर कि ओर इस तरह लेकर जाएँ जैसे लोगों को इकठ्ठा कर रहे हों ।

बोनेवाला

-*मैथीयू* 13:37 -

ईसा ने उन्हें उत्तर दिया, अच्छा बीज बोने बाला मानव पुत्र हैं । (NAS)

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 98 10/14/2013 10:47:48 PM

👋 बोनेवाला
अपने हाथों से बीज बोएँ ।

बेटा या बेटी

- *ल्यूक* 9:35 -

बादल में से यह वाणी सुनाई पड़ी, यह मेरा परमप्रयि पुत्र हैं। इसकी सुनो।

👋 पुत्र
हाथ मूँह की ओर लेकर जायें जैस कि आप खा रहे हों ।

रक्षक/संत

-मार्क *8:31* -

उस समय से ईसा अपने शिष्यों को स्पष्ट शब्दों में यह समझाने लगे कि मानव पुत्र को बहुत दुःख उठाना होगा; लीडरों, महायाजकों और शास्त्रियों द्वारा ठुकराया जाना, मार डाला जाना और तीन दिन के बाद जी उठना होगा।

"हम संत कहलाते हैं जो की रक्षा करने का कार्य दुनिया को दर्शाते हैं।"

👋 रक्षक/संत
प्रार्थना करते हुए हाथ कि प्रार्थना वाली मुद्रा बनाएँ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 99 10/14/2013 10:47:49 PM

सेवक

-*जॉन* 13:14-15 -

अब,यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिये। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।

सेवक
हथोड़ा घुमाओ।

प्रबंधक

- *ल्यूक* 6:38 -

दो और तुम्हें भी दिया जायेगा। दबा-दबा कर, हिला-हिला कर भरी हुई, ऊपर उठी हुई, पूरी-की-पूरी नाप तुम्हारी गोद में डाली जायेगी; क्योंकि जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिए भी नापा जायेगा।

प्रबंधक
अपने कमीज़ की जेब या बटुए से रूपये निकालें।

झगड़े के समय हमारे पास कौनसे तीन विकल्प हैं?

भाग जाना (ओझल होने की प्रतिक्रिया)

“हर तरह के व्यक्तित्व वाले लोगों के अलग-अलग विचार और कार्य करने का तरीका होता हैं। लोग साथ-साथ कार्य करते हुए भी झगड़ते हैं।चक्र के विपरीत लोग एक दूसरे के साथ कम करने में कठिनाईयों का

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 100 10/14/2013 10:47:49 PM

सामना करते हैं। उन्हें एक दूसरे को समझने में कठिनाई होती है।

मिसल के लिये, बीज बोन वाला लोगों को बढ़ता हुआ देखने के लिए अपने धन और समय का व्यय करता हैं, परन्तु प्रबंधक समय और धन को बचाना चाहता हैं ताकि कार्य पूरा हो सके। अच्छे निर्णय के लिए दोनों कि जिरूरत होती हैं । एक उपर दूसरे पर ज़ोर देना, प्रतियोगिता और कमजोर निर्णय को बढ़ावा देता हैं।

अधिकतर लोगों के लिए झगड़ों के साथ समझोता करना कठिन होता हैं और अक्सर दो समूह आपस में रिश्ता तोड़ देते हैं। अधिक झगड़े और दुःख के डर से, हम लोगों से दूर रहते हैं। तब हमारा सिद्धांत हो जाता हैं "माफ़ी मांगने से बचाव अच्छा"।

इस परिस्थिति में लोग बहस करते हैं, भाग जाते हैं और एक दूसरे से छिपते हैं।"

मुट्ठियों को एक साथ रखो । उनको एक दूसरे से दूर ले जायें और अपनी पीठ के पीछे कर लें ।

एक दूसरे से लड़ना (ओझल होने की प्रतिक्रिया)

"कभी-कभी लोग झगड़ो से बचते नहीं हैं, अपितु लोगों से झगड़ा करने के लिए अग्रसर रहते हैं। हमें कोई दुःख हो या गलत समझा गया तो हम यह चाहते हैं कि लोग उसकी भरपाई करे जो उन्होंने किया है । चाहे हम शब्दों से, रवैय्या से या हिसात्मक रूप से लड़ें । झगड़े बढ़ने का परिणाम सामने आता ही है।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 101 10/14/2013 10:47:49 PM

मसिल के लयि, एक खोजी नए अनुभवों और अवसरों को चाहता हैं, जबकि एक संत चाहता हैं कि समूह स्थिर रहे । हम मसीहा के रूप में दोनों को चाहते हैं। दोनों 'नए' और 'पुराने' समूह को साथ रखना चुनौतीपूर्ण हैं।

पूजा शैली विशेष रूप से इस समस्या से ग्रस्त लग रही हैं। समूह अपनी शैली का प्रचार करते हैं और दुसरे समूह की शैली को कम करते हैं। शब्द, व्यवहार और कर्म एक दुसरे के विरुद्ध होते हैं जिससे एकता में हानि होती हैं।

इस परिस्थिति में हम बहस करते हैं और एक दूसरे से लड़ते हैं।

- मुट्ठियों को एक साथ रखो और उनको एक साथ मारो /

भगवान की आत्मा द्वारा, साथ कार्य करने का रास्ता ढूढे (आत्मा की प्रतिक्रिया)

"पवित्र आत्मा तीसरा कर्तव्य सीखाती हैं। यदि हम यह समझ लें कि झगड़े के समय हम पलायन करते हैं या झगड़ा करते हैं, हम आत्मा की मदद से या उस पर निर्भर होकर एक साथ कार्य करने का रास्ता खोज सकते हैं। हम ये विश्वास करते हैं कि समस्या का हल जो की येशु के पूर्ण शरीर से आता हैं वह अच्छा है। तीसरे कर्त्तव्य के रूप में मार्ग, विश्वास, प्रेम और सब कुछ आता है।"

"उधारण के तौर पर - एक सैनिक चर्च को संगठित करना चाहता हैं और भगवान के साथ मशिन पर होना चाहता है । जबकि दुसरी ओर, एक पुत्र या पुत्री चर्च को अपने परिवार के लिए रोगमुक्ति स्थान के रूप में चाहते हैं। सैनिक कार्य पर ध्यान देता है; पुत्र या पुत्री

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 102 10/14/2013 10:47:49 PM

संबंधो पर ध्यान देते हैं। जब वे एक ही आत्मा में होते हैं, वे रास्ता ढूंढ़ लेते हैं जिससे कार्य भी पूरा हो और सभी की सहायता भी हो, जिससे कि 'एक ही समूह के अंग होने का अहसास हो'। हम कार्य भी करते हैं-लेकिन हम खेलते भी हैं।

इस तरह हम येशु के पास आने का रास्ता ढूंढ़ लेते हैं और इनके साम्राज्य के लिए कार्य करते हैं।"

मुट्ठियों को एक साथ रखो, मुट्ठियों को खोले और उंगलियों को एक दूसरे में फसा लें, हाथ मिलाएं जैसे की वे एक साथ काम कर रहे हो।

स्मृति पद्य

- *गलातियन्स* 2:20-

मैं अब जीवित नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवित हैं। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत हैं-ईश्वर के पुत्र में विश्वास, जिसने मुझे प्यार किया और मेरे लिए अपने को अर्पित किया। (NAS)

- हर कोई खड़ा हो जाए और एक साथ स्मृति पद दस बार दोहराए। पहले छह बार, सब उनके बाइबिल या छात्र नोट्स का उपयोग कर सकते हैं। अगले चार बार, सब स्मृति दिमाग से बोलेंगे। कोई भी पद बोलने के पहले उसका सन्दर्भ जरुर बताये और समाप्त होने पर बैठ जाये।
- इस दिनचर्या से लीडरों को पता करने में मदद मिलेगी की किसि समूह ने "अभ्यास" में अपना सबक समाप्त किया है।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 103 10/14/2013 10:47:49 PM

अभ्यास

नाटक प्रतियोगिता

- लीडरों को कम से कम *8* समूह में बाटें । लीडरों को नाटक प्रतियोगिता की व्यवस्था करने को कहो जिसमे विजेता को पुरस्कृत किया जायेगा। उस समूह को आप पप्रथम पुरस्कार दें जो सबसे मजेदार और 'जीवन-के लिए-सच' नाटक का प्रदर्शन करे।
- समूह का हर सदस्य येशु की एक तस्वीर नक़ल करने के लिए चुने। लीडरों को अपने व्यक्तित्व से हटकर तस्वीर चुनना चाहिए । उधाहरण के लिए-यदि किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व 'सैनिक' की तरह हैं तो उसे येशु की सैनिक के अलावा कोई दुसरी तस्वीर चुनना चाहिए।
- वे जो नाटक प्रदर्सन करेंगे "वो एक समूह की बैठक हैं जिसमे नए चर्चों को शुरू करने की चर्चा होगी।" नाटक के सदस्य एक दूसरे से झगड़े की भूमिका निभाएंगे।
- उनके पास अपना नाटक प्रदर्शित करने के लिए सिर्फ *5* मिनिट होंगे। उनसे नाटक को बढ़ा चढ़ा करने को कहें ताकि लोगों को यह पता चल सके कि वे नाटक में कौनसी भूमिका निभा रहे हैं।
- लीडरों को नाटक का अभ्यास करने के लिए पर्याप्त समय दें *(कम से कम 20 मिनिट)* ।
- प्रतियोगिता शुरू की जाये । हर समूह की प्रस्तुति के बाद, अभिलीडरों के घेरे के चारो ओर जाओ और देखें की लीडर यह अनुमान लगा सकता है की प्रत्येक सदस्य को कोनसी भूमिका है। उस समूह को प्रथम पुरस्कार दिया जाये जो सबसे ज़्यादा हास्यकर और जीवन के लिए सच्चा हैं। पुरस्कार*:* ईसा चरित के क्षेत्र, पूजा की सिडी, कैंन्डी, आदि ।
- समूहों की प्रस्तुतियों के बाद समूहों को कुछ "श्रेष्ठ कलाकार" चुनने को कहें। फिर सभी "श्रेष्ठ कलाकार"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 104 10/14/2013 10:47:49 PM

से अपने नए समूह बनाने को कहें और उन्हें फिर से प्रस्तुति देने को कहें।

एक आम सवाल

येशु की 8 तस्वीरों और आध्यात्मिक उपहारों में क्या अंतर है?

बाईबल के अनुसार यदि आप जानना चाहते हैं कि भगवान कैसे देखते हैं तो येशु को देख लें। 8 तस्वीरें यह बताती हैं कि लोग कैसे यंत्रस्थ हैं और आस्तिक और नास्तिक हैं। 8 तस्वीरों को आध्यात्मिक उन्नति के ढांचे की तरह उपयोग करने से परेशानियों का निराकरण आध्यात्मिक उपहार के रूप में होता है।एक नास्तिक किस तरह आध्यात्मिक उपहारों की सूचि को ले सकता हैं और पता लगा सकता हैं कि इसमें अध्यात्मिक उपहार हैं, यद्यपि वे भगवान पर बिलकुल भी विश्वास नहीं करते?

येशु की 8 तस्वीरें एक "बाल्टी" के सामान हैं जिसमे आध्यात्मिक उपहार भरे हुए हैं। एक चरवाहे के पास आध्यात्मिक उपहार जैसे दया, या उपदेश, या दान, आत्मा की इच्छा के रूप में हो सकते हैं । हमने ये गौर किया हैं कि कुछ आध्यात्मिक उपहार येशु की कुछ तस्वीरों के आसपास समूहित हैं। उदहारण के तौर पर, सेवा करने का उपहार और एक सेवक की तस्वीर एक जैसे ही हैं।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 105 10/14/2013 10:47:49 PM

६

ईसा-चरित वितरण

जब तक लोग ईसा-चरित के बारे में सुनेंगे नहीं तब तक उस पर विश्वास कैसे करेंगे? दुर्भाग्य से, यीशु के अनुयायी हमेशा ईसा-चरित नहीं बांटते ताकि लोग उनपर विश्वास कर सकें। इसका एक कारण यह हैं कि उन्होंने ईसा-चरित बंटना कभी सीखा ही नहीं, वहीँ दूसरा कारण यह हैं कि वे अपने दैनिक दिनचर्या में व्यस्त हो जाते हैं और ईसा-चरित बांटना भूल जाते हैं। “ईसा-चरित वितरण” के इस अध्याय में लीडर को एक “ईसा-चरित कंगन” बनाना सीखाया जाएगा ताकि वो उसे अपने दोस्तों और परिवार के साथ बाँट सकें। यह कंगन हमें दूसरों के साथ ईसा-चरित बाँटने की याद दिलाएगा एवं बातचीत के लिए एक अच्छा विषय भी हैं। कंगन के रंग हमें याद दिलाते हैं कि ईसा-चरित किस तरह उन लोगों में बांटे जो ईश्वर को खोज रहे हैं।

ईसा-चरित कंगन हमे बताता हैं कि हम किस तरह से ईश्वर के घर से आए हैं। शुरुआत में ईश्वर था - स्वर्ण मोती। उस पवित्र आत्मा ने आकाश और समुन्द्र के साथ एक संपूर्ण दुनिया की रचना की - नीला मोती। उसने मानव को बनाया आदमी और उसे एक सुंदर बागीचे में रखा - हरा मोती। उन पहले आदमी और औरत ने ईश्वर की बात नहीं मानी और इस दुनिया में दुःख और क्लेश ले आए - काला मोती। ईश्वर ने दुनिया में अपने एकलौते पुत्र को भेजा और उन्होंने एक परिपूर्ण जीवन जीया - सफेद मोती। यीशु ने सूली पर चढ़कर हमारे पापों का भुगतान किया - लाल मोती।

ईसा-चरित कंगन हमें ये दिखाता हैं कि हम क्रम को उलटा करके सब फिर से ईश्वर के परिवार में कैसे लौट सकते हैं। ईश्वर ने कहा हैं कि जो भी मानता हैं के यीशु ने उन के लिए सूली पर चढकर जान दी थी - लाल मोती - और यीशु परमेश्वर के पुत्र हैं - सफेद मोती - उन्हें अपने पापों से मुक्ति मिल गयी हैं - काला मोती। ईश्वर हमें वापस अपने परिवार में बुला लेंगे और उनके परिवार में हम यीशु की तरह बनेंगे - हरा मोती। ईश्वर हमें उनकी पवित्रा आत्मा देते हैं - नीला मोती - और वादा करते हैं कि हम मरने के बाद उनके साथ स्वर्ग में होंगे, जहां सड़के भी सोने की होती हैं - स्वर्ण मोती।

यह अध्याय बताते हुए पूरा होता हैं कि यीशु ही ईश्वर तक जाने का एकमात्र रास्ता हैं। उसके अलावा कोई भी इतना चतुर, इतना अच्छा या इतना ताकतवर या इतना प्यारा नहीं हैं कि खुद ईश्वर को पा सके। केवल यीशु ही वो रास्ता हैं जिसपे चलकर लोग वापस ईश्वर तक पहुच सकते हैं। यीशु के सिद्धांतो पर चलना ही वो सच हैं जोकि लोगों को उनके पापों से मुक्त कर देता हैं। केवल यीशु किसी को अनन्त जीवन दे सकते हैं क्योंकि उन्होंने सूली पे चढ़कर अपनी जान दी थी।

प्रशंसा

- दो भक्ति गीत एक साथ गायन कीजिये । इस सत्र के लिए प्रार्थना गाने किसी लीडर से कहें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 107 10/14/2013 10:47:49 PM

प्रगति

- प्रशिक्षण में किसी लीडर से पूछो की वो अपने अनुभव (तीन मिनिट) बताये की किस तरह ईश्वर उसको या उसके समूह को आशीर्वाद दे रहे हैं जिसके बाद पुरे समूह से उनके लिए प्रार्थना करने को कहे।

समस्या

"कई भक्तो को ईसा-चरित बाँटने में संघर्ष करना पड़ता हैं। वे पूछते हैं, 'मैं किस के साथ ईसा-चरित बांटू?' और 'मुझे क्या कहना चाहिए?' भक्त अक्सर व्यस्त हो जाते हैं और यह पहचानने में असमर्थ रहते हैं कि ईश्वर किसी अन्य व्यक्ति के मन में विश्वास जगाने की कोशिश कर रहे हैं।

योजना:

"इस पाठ में, हम ईसा-चरित को बाँटने के सरल तरीके देखेंगे, उसे बाँटने का अभ्यास करेंगे तथा ईसा-चरित कंगन बनाएँगे जोकि हमें ईसा-चरित को याद रखने में हमारी मदद करेगा।

समीक्षा:

स्वागतमम
चर्च कौन बनाता हैं?
वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
यीशु अपने चर्च कैसे बनाते थे?
भगवान पर अटूट विश्वास

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 108 10/14/2013 10:47:49 PM

ईसा चरति का प्रचार करना
शष्यि बनाना
समूह और चर्च बनाना प्रारंभ करना
लीडरों को वकिसति करना

- *कोरन्थिसि 11।1-आप लोग मेरा अनुसरण करें, जसि तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।*

यीशु की तरह अभ्यास करो:

यीशु ने कैसे लीडर को अभ्यास कराया?
प्रेरगर्ता
समस्याएं
योजनाए
अभ्यास
प्रार्थना

- लूकस 6:40- "शष्यि गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शक्षिा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता हैं।"

यीशु की तरह नरि्देशन करें

यीशु ने कसि महानतम लीडर कहा है?

एक महान लीडर के सात गुण कोनसे हैं?

1. महान लीडर लोगों को प्यार करते हैं
2. महान लीडर को उनका लक्ष्य का पता होता हैं
3. महान लीडर अपने अनुयायियों की सेवा करते हैं

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 109 10/14/2013 10:47:49 PM

4. महान लीडर दयालुता के साथ सही राह दिखाते हैं
5. महान लीडर को समूह में मौजूदा समस्याओं का पता होता हैं
6. महान लीडर दुसरों के लिए एक अच्छा उदाहरण देते हैं
7. महान लीडर को पता हैं उनपर ईश्वर का आशीर्वाद हैं

- जॉन 13:14 -15 - “इसलिये यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहियें। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।“

शक्तिशाली बनना

ईश्वर ने आपको किस तरह का व्यक्तित्व दिया हैं?
- सैनिक
- साधक
- चरवाहा
- बोनेवाला
- बेटा / बेटी
- संत
- नौकर
- प्रबंधक

ईश्वर को किस प्रकार का व्यक्तित्व सबसे ज्यादा पसंद हैं?

किस प्रकार के व्यक्तित्व का लीडर सबसे अच्छा होता हैं?

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 110 10/14/2013 10:47:49 PM

- रोमनों 00:04 5 जिस प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता, उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

एकता में बल:

दुनिया में लोगों के आठ प्रकार क्यों हैं?यीशु इनमे से कैसे हैं?

सैनिक
साधक
चरवाहा
बोनेवाला
बेटा / बेटी
संत
नौकर
प्रबंधक

जब कोई मनमुटाव होता हैं तो तीन कौन से विकल्प होते हैं?

दूर भागो
एक दूसरे से लड़ो
ईश्वर के आत्मा के द्वारा एक रास्ता खोजें जिससे एक दुसरे से मिलकर काम कर सके

- गलातियन्स 02:20 - मैं अब जीवित नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवित हैं। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत हैं-ईश्वर के पुत्र में विश्वास, जिसने मुझे प्यार किया और मेरे लिए अपने को अर्पित किया।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 111 10/14/2013 10:47:49 PM

मैं सरल ईसा-चरित कैसे बाँट सकता हूँ?

लूका 24:1 - 7:
सप्ताह के प्रथम दिन, पौ फटते ही, महिलाएं तैयार किये हुए सुगन्धित द्रव्य ले कर क़ब्र के पास गयीं। उन्होंने पत्थर को क़ब्र से अलग लुढ़काया हुआ पाया, किन्तु भीतर जाने पर उन्हें प्रभु ईसा का शव नहीं मिला। वे इस पर आश्चर्य कर ही रही थी कि उजले वस्त्र पहने दो पुरुष उनके पास आ कर खड़े हो गये। स्त्रियों ने भयभीत हो कर धरती की ओर सिर झुका लिया। उन पुरुषों ने उन से कहा, ''आप लोग जीवित को मृतकों में क्यों ढूँढ़ती हैं? वे यहाँ नहीं हैं- वे जी उठे हैं। गलीलिया में रहते समय उन्होंने आप लोगों से जो कहा था, वह याद कीजिए। उन्होंने यह कहा था कि मानव पुत्र को पापियों के हवाले कर दिया जाना होगा, क्रूस पर चढ़ाया जाना और तीसरे दिन जी उठना होगा।''

- जब लीडर शास्त्र पढ़ कर सुना दे, प्रत्येक भागीदार को ये चीज़े बाँट दे:

  1. स्वर्ण, नीला, हरा, काला, सफेद, और लाल मोती
  2. चमड़े या का रस्सी का बारह इंच लंबा टुकड़ा

- “ईसा-चरित कंगन” बनाने का तरीका समझाएं। रस्सी के बीच में एक गाँठ लगा कर शुरुआत करें ताकि मोती जगह पर टिक सकें। कंगन का मतलब समझाते हुए हर मोती डालते जाएँ।

स्वर्ण मोती

“शुरू में ईश्वर ही था।”

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 112 10/14/2013 10:47:49 PM

नीला मोती

"फिर परमेश्वर ने दुनिया में सब कुछ यहाँ तक की समुद्र और आकाश भी बनाया"।

हरा मोती

"ईश्वर ने एक सुंदर बगीचा बनाया, आदमी बनाया, और उसे अपने परिवार में रखा"।

काला मोती

"अफसोस, आदमी ने ईश्वर की बात नहीं मानी और पाप और दुःख दुनिया में ले आया"। अपनी लापरवाही की वजह से, आदमी को बगीचा और ईश्वर के परिवार को छोड़ना पड़ा"।

सफेद मोती

"हालांकि ईश्वर आदमी को अभी भी बहुत प्यार करते थे, इसलिए उन्होंने यीशु को दुनिया में भेज दिया। यीशु ने एक परिपूर्ण जीवन जीया और ईश्वर की हर बात मानी"।

लाल मोती

"यीशु ने हमारे पापों के लिए सूली पे चढ़कर अपनी जान दे दी और वह एक कब्र में दफन कर दिया गए"।

- इस बात पर, लीडर ईसा-चरित कंगन में मोती ना डालकर, एक गाँठ बांध दे ताकि मनके अपनी जगह पे रहे। अगला

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 113 10/14/2013 10:47:49 PM

भाग लाल मोती से शुरू करे और वापस सोने मनके पर आ कर ख़तम करे।

लाल मोती

"परमेश्वर ने यीशु को हमारे पापों के लिए अपना बलिदान देते देखा और इसे स्वीकार किया। उन्होंने यह दिखाने के लिए कि यीशु ही ईश्वर तक जाने का एकमात्र रास्ता हैं, तीन दिन के बाद यीशु को कब्र से पुनर्जीवित कर दिया"।

सफेद मोती

"जो लोग विश्वास करते हैं कि यीशु ईश्वर का बेटा हैं और उन्होंने हमारे पापों के लिए कीमत चुकाई हैं ।।।"

काला मोती

"और वे जिन्होने अपने पापों का पश्चाताप किया हैं और यीशु से मदद मांगी हैं ।।।"

हरा मोती

"ईश्वर उन्हें माफ कर देंगे और उन्हें वापस उनके परिवार में वैसे ही बुला लेंगे जैसे वो पहले बगीचे में थे"।

नीला मोती

"ईश्वर हर नया आदमी बनाते समय अपनी आत्मा वैसे ही डालता हैं जैसे शुरुआत में उन्होंने पूरी दुनिया को बनाया था"।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 114 10/14/2013 10:47:50 PM

स्वर्ण मोती

"अंत में, वो सभी जो यीशु में विश्वास रखते हैं अनंत काल ईश्वर के साथ बिताएंगे। वे सब अन्य विश्वासियों के साथ शुद्ध सोने से बने एक शहर में रहेंगे।

मुझे ये कंगन इसलिए पसंद हैं क्योंकि यह मुझे याद दिलाता हैं की मैं कहाँ से आया हूँ और मैं कहाँ जा रहा हूँ। ईसा-चरित कंगन इसके अलावा मुझे ये भी याद दिलाता हैं कि किस तरह ईश्वर ने मेरे पापों को माफ कर दिया हैं और मेरी जिंदगी बदल दी हैं।

क्या आप भी ईश्वर के परिवार में वापस आने के लिए तैयार हैं? चलो एक साथ प्रार्थना करे और ईश्वर को बताये कि हमे उनपर विश्वास हैं। उन्होंने एक आदर्श दुनिया बनायी और अपने बेटे को हमारे पापों के लिए मरने भेज दिया। अपने पापों का पश्चाताप करे, क्षमा मांगे और ईश्वर के परिवार में आपको फिर से स्थान प्राप्त होगा"।

- एक मिनट ले और सुनिश्चित करें की प्रशिक्षण में सभी लीडर विश्वासी हैं। ईसा-चरित कंगन समझाने के बाद पूछिए कि क्या कोई हैं जो ईश्वर के परिवार में वापस जाना चाहता हैं।

हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता हैं?

1. कोई भी इतना समझदार नहीं होता कि ईश्वर के पास खुद ही लौट जाए।

यशायाह 55:9 -

जिस तरह आकश पृथ्वी के ऊपर बहुत ऊँचा हैं, उसी तरह मेरे मार्ग तुम्हारे मार्गों से और मेरे विचार तुम्हारे विचारों से ऊँचे हैं।

"कुछ लोगों को लगता है कि ईश्वर के लिए कई रास्ते मौजूद हैं। वे ये समझाने के लिए अनेक सिद्धांत बनाते हैं कि कैसे केवल यीशु ही ईश्वर के लिए एकमात्र रास्ता नहीं हैं। बल्कि ईश्वर के विचार, लोगों की सोच को छोटा कर सकते हैं। जबकि ईश्वर कहते हैं कि सिर्फ यीशु ही एकमात्र रास्ता हैं, सत्य हैं और जीवन हैं, आप किस पर विश्वास करेंगे?"

- कोई भी इतना समझदार नहीं होता: अपनी तर्जनी ऊँगली सिर की दोनों ओर रखें और अपना सिर "नहीं" में हिलाएं।

2. कोई भी ईश्वर को देने में सक्षम नहीं हैं।

-64:6, यशायाह -

हम सब-के-सब अपवित्र हो गये और हमारे समस्त धर्मकार्य मलिन वस्त्र जैसे हो गये थे। हम सब पत्तों की तरह सूख गये और हमारे पाप हमें पवन की तरह छितिराते रहे।

"कुछ लोगों का मानना है कि वे गरीबों को पैसे देकर अनन्त जीवन प्राप्त कर सकते हैं। उन्हें लगता है कि ईश्वर उनके अच्छे कामों को देखकर उन्हें स्वर्ग में आने की अनुमति दे देंगे। जबकि हमारा सबसे अच्छा कर्म भी ईश्वर के किए गए कामो की तुलना में मलिन वस्त्र कि तरह ही हैं। उन्होंने अपने एकमात्र बेटे यीशु को हमारे पापों के लिए हमारी जगह सूली पर चढ़ने दिया। ईश्वर सिर्फ इसी अच्छे काम को हमारी मुक्ति के लिए स्वीकार करते हैं"।

- कोई भी बोहत ज़्यादा नहीं दे रहा अपने कमीज़ की जेब या पर्स से बहूत सारे पैसे निकिलने का बहाना करें और अपना सिर "नहीं" में हिलाए

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 116 10/14/2013 10:47:50 PM

3. कोई भी ईश्वर के पास खुद लौटने में सक्षम नहीं:

- रोमन 7:18 -
मैं जानता हूँ कि मुझ में, अर्थात मेरे दैहिक स्वभाव में थोड़ी भी भलाई नहीं; क्योंकि भलाई करने की इच्छा तो मुझ में विद्यमान हैं, किन्तु उसे कार्यान्वित करने की शक्ति नहीं हैं। (HCSB)

"अन्य लोगों का मानना हैं की आत्मोत्सर्ग ही ईश्वर तक जाने का रास्ता हैं। वे ध्यान अभ्यास, उपवास करते हैं और दुनिया को अस्वीकार कर देते हैं। उनका मानना हैं कि कोई भी अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करके ही मुक्ति पा सकता हैं। हर व्यक्ति को सिर्फ अकेले अपनी ताकत पर निर्भर होना चाहिए। एक डूबता हुआ आदमी खुद को बचाने की क्षमता नहीं रखता। उसकी मदद मिलनी चाहिए। केवल यीशु ही इतने ताकतवर हैं की एक आदर्श जीवन जी सके। हम ईश्वर तक वापस सिर्फ यीशु की ताकत के सहारे जा सकते हैं ना की अपनी महनत से"।

**कोई भी इतना सक्षम नहीं:
दोनों बाहों को ऊपर की तरफ एक "मजबूत आदमी" की तरह रखें और अपना सिर "नहीं" में हिलाओ।**

4. कोई भी ईश्वर के पास लौटने योग्य अच्छा नहीं हैं ।

- रोमन 3:23
क्योंकि सबों ने पाप किया और सब ईश्वर की महिमा से वंचित किये गये।

"अंतिम समूह के लोगों का मानना हैं कि वे वापस ईश्वर के पास वापस जा सकते हैं क्योंकि उनके अच्छे कर्मों का वज़न उनके बुरे कामों से ज़्यादा हैं। उन्हें ये पूरा यकीन हैं की उन्होंने ज़्यादा अच्छे कर्मों का प्रदर्शन

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 117 10/14/2013 10:47:50 PM

किया हैं और परमेश्वर भगवान का पक्ष प्राप्त किया हैं। वे अपनी बात साबित करने के लिए कहते हैं की “मैंने उस व्यक्ति जितना बुरा कृम कोई भी काम नहीं किया हैं”। मगर ईश्वर हम सब का न्याय अपने बेटे यीशु के संपूरण जीवन को ध्यान में रखकर करेंगे जिसकी तुलना में हम सबमें कमी हैं। ईश्वर के लिए सिर्फ यीशु का बलिदान ही स्वीकार करने योग्य था। केवल यीशु ही हमें ईश्वर के परिवार में वापस ले जाने में सक्षम हैं। हमे उसकी अच्छाईयों पर विश्वास रखना चाहिए ना कि खुद पर”।

कोई भी इतना अच्छा नहीं
हाथ इस तरह बाहर रखो जैसे की तराजू संभाल रहे हो और उन्हें ऊपर नीचे करें और अपना सिर “नहीं” में हिलाए।

स्मृति छंद:

जॉन 14:6 -
ईसा ने उस से कहा, ''मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बिना कोई पिता के पास नहीं आ सकता।''

- हर कोई खड़ा हो जाए और एक साथ स्मृति पिद दस बार दोहराए। पहले छह बार, सब उनके बाइबिल या छात्र नोट्स का उपयोग कर सकते हैं। अगले चार बार, सब स्मृति दिमाग से बोलेंगे। कोई भी पद बोलने के पहले उसका सन्दर्भ जरुर बताये और समाप्त होने पर बैठ जाये।
- इस दिनचर्या से लीडरों को पता करने में मदद मिलेगी की किसि समूह ने “अभ्यास” में अपना सबक समाप्त किया हैं।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 118 10/14/2013 10:47:50 PM

अभ्यास

- लीडरों को चार समूह में विभाजित करें।

”अब हम उसी अभ्यास तकनीक को अपनाएंगे जो यीशु प्रयोग करते थे और जो हमने इस नेतृत्व पाठ में सीखी है”।

- लीडरों को प्रशिक्षण की प्रक्रिया चरणों में समझाते हुए उन्हें 7-8 मिनट का समय निम्नलिखित भागो पर दे।

प्रगति

“जो हाल ही में मसीह का अनुयायी बन गया है उसके बारे में अपने समूह के साथ चर्चा करें”।

समस्याएं

अपने समूह को बताये की ईसा चरित बाँटना आप के लिए इतना मुश्किल क्यों है?

योजना

“आप अगले 30 दिनों में किसि किसि से इसा चरित बाँटेंगे उन पांच लोगों के नाम बताये”!

- हर कोई अपने दोस्तों के नाम लिखि ले ताकि वे उनके लिए बाद में प्रार्थना कर सके

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 119 10/14/2013 10:47:50 PM

अभ्यास

- “इसा चरित कंगन” का प्रयोग एक मार्गदर्शक के रूप में करते हुए हर लीडर बारी बारी से अपने छोटे से समूह में इसा चरित बाँटें!
- सभी समूह के सदस्य खड़े होकर दस बार स्मृति पद एक साथ दोहराएँ!

प्रार्थना

“अपने समूह के नामों की सूची में से जिन लोगों को भगवान के परिवार में वापस आने की जरूरत है उनके लिए थोड़ी देर प्रार्थना करे”!

समाप्त:

लीडरों के प्रशिक्षण की ताकत

सत्र से पहले एक कागज के टुकड़े पर निम्न तालिका लिखें! सत्र से पहले आँकड़ों को तलाश ले लेकिन अपने लीडरों को अनुमान लगाने दे! यह विवाद सही संख्या के बारे में एक सक्रिय चर्चा को बढ़ावा देगा और संख्या को ज़्यादा से ज़्यादा असली रखियें!

कुल जनसंख्या		नया चर्च शुरू करे	
कुल अवशि्वासी		औसत चर्च का आकार	
कुल वशि्वासी		कुल चर्च	
2% लक्ष्य तक पहुँचाने वाले		चर्च का लक्ष्य	

“मैं तुम्हें दखिाना चाहूँगा की प्रशक्षिण पेड़ इतना महत्वपूर्ण क्यों है! आईये हम नम्निलखिति तालकिा साथ मलिकर भरें”!

[इस उदाहरण में लोगों के समूह के लिए उद्धृत सांख्यकिी केवल उदाहरण के लिए है! यदि सभी लीडर-लोग एक ही समूह से हैं तो समूह के लोग अपने आँकड़ों का उपयोग करें! यदि वे कई लोगों के समूहों से आये हैं, प्रांत, राज्य, देश आदि की संख्या का उपयोग करें!]

कुल जनसंख्या	२००००००	नया चर्च शुरू करे	१०
कुल अवशि्वासी	१९९५०००	औसत चर्च का आकार	५०
कुल वशि्वासी	५०००	कुल चर्च	१००
2% लक्ष्य तक पहुँचाने वाले	४००००	चर्च का लक्ष्य	८००

”हमारे लोगों को +२०,००,००० लोगों की जनसंख्या का समूह हैं! हमारा अनुमान है की ५००० वशि्वासी हैं जसिका मतलब १९९५००० लोग अवशि्वासी और यीशु को नहीं मान रहे! लक्ष्य ये है की यीशु के लिए कम से कम २% जनता तक पहुंचे मतलब ४०००० लोग! हमे अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है!

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 121 10/14/2013 10:47:50 PM

औसतन एक मौजूदा चर्च एक नया चर्च १० साल मे बनाता है! दुनिया भर में चर्च का औसत आकार ५० लोगों का है, इसलिए हमारा अनुमान है कि हमारे समूह में १०० चर्च (५०००/ ५०) हैं! हमारा लक्ष्य ४०००० जनता तक पहुँचने के लिए है, तो हमे ७०० चर्च शुरू करने की जरूरत है! ये आंकड़े अंदाजन है, लेकिन हमारे समूह में क्या हो रहा है इस बात की एक तस्वीर दिखिने में मददगार है!

औसत परंपरागत चर्च एक अन्य चर्च शुरू करने के लिए दस साल लेता है, तो दस साल में हमारे चर्चों की संख्या दोगुनी हो जाएगी! चर्चों की संख्या के लिए हमारा लक्ष्य ८०० (४००००/ ५०) है! कुछ चर्च ५० सहभागियों से भी बड़े होंगे लेकिन कई चर्च छोटे भी होंगे, इसलिए यह एक अच्छा अनुमान है! अब चलो हमारे लक्ष्य को हासिल करने के दो अलग अलग तरीकों की तुलना करे"!

पारंपरिक चर्च शुरू करे	वर्ष	प्रशिक्षण देने वाले लीडर	वर्ष
१००		५०००	
२००	१०	१००००	१
४००	२०	२००००	२
८००	३०	४००००	३

"जैसा कि आप देख सकते हैं, अगर हम समूह शुरू करने के लिए प्रशिक्षण के लीडरों पर ध्यान केंद्रित करे, तो हम तीन साल में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं! हमारे पास अभी ५००० विश्वासी हैं! अगर हर एक इसा चरित बाँटने लगे, एक भी व्यक्ति को मसीह तक ले जाए, उनका मार्गदर्शन एक समूह में लीडर के रूप में करे और उन्हें भी यह मार्गदर्शन करना सीखाये तो हमारी संख्या हर साल दुगनी हो जाएगी और विश्वासियों

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 122 10/14/2013 10:47:50 PM

की संख्या तीन साल बाद ४०००० होगी! अगर हम गिरजाघरों को सिर्फ परंपरागत तरीके से ही शुरू करने का इंतजार करेंगे तो हम ३० साल में हमारे लक्ष्य को प्राप्त कर पाएँगे! हमारे पास अभी १०० चर्च हैं और यदि वे हर १० साल दोगुना करने के लिए लेंगे तो हम ३० साल में ८०० चर्च बना पाएँगे!

तीन साल और तीस साल के बीच एक बड़ा अंतर है!

चर्चों के बीच एक आम समस्या है कि वे लीडरों को प्रशिक्षित करने के लिए एक प्रक्रिया का उपयोग नहीं करते! परिणामस्वरुप, नए चर्चों या समूह शुरू करने में मदद के लिए कुछ लीडर ही मौजूद हैं! जब हम यीशु की तरह अभ्यास करते हैं, एक सरल लेकिन शक्तिशाली तरीके से इस समस्या का हल होता है"!

मेरा यीशु तक जाने की योजना

- लीडरों से उनके मार्गदर्शिका के आखिरी पन्ना पलटे वे "यीशु योजना" देखेंगे! अपने लीडरों को बताएं कि कार्यक्रम के अंत में समूह के साथ यीशु योजना बांटे! उसके बाद लीडर अपने परिवार, मंत्रालय, योजना और ईश्वर के आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करेंगे!

"आप एक तीर में अपने लक्ष्य समूह की जनसांख्यिकि जानकारी भरने के लिए एक जगह देखेंगे! कुछ समय लेते हुए प्रार्थना करे और रिक्त स्थान को अच्छी तरह भरे! आप उसे कभी भी बाद में बेहतर जानकारी मिलने पर बदल सकते हैं"!

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 123 10/14/2013 10:47:50 PM

७

अनुयायी बनाएं

एक अच्छे लीडर के पास हमेशा एक अच्छी योजना होती है। ल्यूक १० में यीशु ने अपने अनुयायियों को उनके मंत्रालयों के लिए एक सरल, लेकिन शक्तिशाली योजना दी: अपने दिल को तैयार करो, शांत रुपी लोगों को खोजो, अच्छी खबर बाटो, और परिणामों का मूल्यांकन करो। यीशु ने हमें पालन करने के लिए एक अच्छी योजना दी है।

चाहे हम मंत्रालय एक चर्च में शुरू करें, एक नए चर्च में, या एक छोटे समूह में, यीशु योजना के कदम हमें अनावश्यक गलतियों से बचने में मदद करेंगे। यह अध्याय लीडर को ये सीखाता है कि कैसे दूसरों को उनकी निजी यीशु योजनाओं के लिए प्रशिक्षण दें। वे भी उनकी समूह में यीशु योजना प्रस्तुतियों की तरफ काम करना शुरू करेंगे।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 124 10/14/2013 10:47:50 PM

प्रशंसा

- दो भक्ति गीत एक साथ गायन कीजिये। इस सत्र के लिए प्रार्थना करने के लिए किसी लीडर से पूछें।

प्रगति

- प्रशिक्षण में किसी लीडर से पूछो की वो अपने अनुभव (तीन मिनिट) बताये की किस तरह ईश्वर उसको या उसके समूह को आशीर्वाद दे रहे हैं जिसके बाद पुरे समूह से उनके लिए प्रार्थना करने को कहें।
- वैकल्पिक रूप से, "प्रगति, समस्याएं, योजना, अभ्यास, प्रार्थना के नेतृत्व प्रशिक्षण प्रक्रिया का इस्तेमाल करके एक लीडर के साथ कोचिंग-समय का मॉडल बनायें ।

समस्या

"जब हम योजना बनाने में विफल हो जाते हैं, हम विफल करने की योजना बनाते हैं। एक सरल, रणनीतिक योजना का विकास करना मुश्किल हो सकता है। कई लीडर ने अपने समय का अधिक खर्च भविष्य के लिए एक स्पष्ट रास्ते पर चलने की तुलना में समस्याओं पर प्रतिक्रिया देने में किया। "

योजना

"यीशु खोये हुए को तलाशने और उसे बचाने के लिए आये और जब हम उनका पालन करेंगे, हम भी ऐसा ही करेंगे।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 125 10/14/2013 10:47:50 PM

उन्होंने अपने अनुयायियों को एक स्पष्ट योजना दी है जिसे हम भी हमारे लक्ष्य के लिए लागू कर सकते हैं। "

समीक्षा

स्वागतम
चर्च कौन बनाता है?
वह महत्वपूर्ण क्यों है?
यीशु ने उनके चर्च कैसे बनाये?
ईश्वर में अटल विश्वास रखें
ईसा-चरित बाटें
अनुयायी बनाएं
समूह और चर्च प्रारंभ करें
लीडर का विकास करें

1 कोरिन्थियस 11।1- आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

यीशु की तरह प्रशिक्षण दें
यीशु ने लीडर को कैसे प्रशिक्षण दिया?
प्रेरित
समस्याएँ
योजनायें
अभ्यास
प्रार्थना

ल्यूक 6:40- शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।

यीशु की तरह नेतृत्व करें
यीशु महानतम लीडर किसको कहेंगे?

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 126 10/14/2013 10:47:50 PM

एक महान लीडर की सात विशषताएं क्या हैं?

1. महान लीडर लोगों को प्यार करते हैं ।
2. महान लीडर को अपने मिशन का ज्ञान होता हैं ।
3. महान लीडर अपने अनुयायियों की सहायता करते हैं ।
4. महान लीडर दया करने वाले होते हैं ।
5. महान लीडर समूह की परेशानियों को जानते हैं ।
6. महान लीडर पालन के लिए एक अच्छा उधारण देते हैं ।
7. महान लीडर यह जानते कि उन पर येशु की कृपा हैं ।

जॉन 13:14-15--अब,यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिये। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।

ताक़तवर बनें

ईश्वर ने तुम्हें कौन सा व्यक्तित्व दिया है?

सैनिक

साधक

चरवाहा

बोनेवाला

बेटा / बेटी

संत

नौकर

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 127 10/14/2013 10:47:50 PM

प्रबंधक

ईश्वर को किस प्रकार का व्यक्तित्व सबसे ज़्यादा पसंद है?

किस प्रकार का व्यक्तित्व सर्वश्रेष्ठ लीडर बनता है?

रोमनस 12:4-5- जिस प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता। उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

एकता में बल

दुनिया में आठ प्रकार के लोग क्यों हैं?

यीशु किसकी तरह हैं?

सैनिक

साधक

चरवाहा

बोनेवाला

बेटा / बेटी

उद्धारक / संत

नौकर

प्रबंधक

प्रतिद्वंदिता की अवस्था में तीन विकल्प क्या है?

दूर भागना

एक दूसरे से लड़ना

ईश्वर की आत्मा के द्वारा एकसाथ मिलकर काम करने का रास्ता खोजना

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 128 10/14/2013 10:47:50 PM

गलातियन्स 02:20 - मैं अब जीवित नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवित हैं।

ईसा चरित बाटें

मैं कैसे सरल ईसा चरित बाँट सकता हूँ?
- सुनहरी मनका
- नीला मनका
- हरा मनका
- काला मनका
- सफेद मनका
- लाल मनका

हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता हैं?

कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक होशियार नहीं हैं

कोई भी ईश्वर को पर्याप्त नहीं लौटा सकता हैं

कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक बलवान नहीं है

कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक अच्छा नहीं है

जॉन 14:6- ईसा ने उस से कहा, ''मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बिना कोई पिता के पास नहीं आ सकता।''

यीशु की योजना में पहला कदम क्या है?

ल्यूक 10:1-4-

इसके बाद प्रभु ने अन्य बहत्तर शिष्य नियुक्त किये और जिस-जिस नगर और गाँव में वे स्वयं जाने वाले थे, वहाँ दो-दो करके उन्हें अपने आगे भेजा।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 129 10/14/2013 10:47:50 PM

उन्होंने उन से कहा, ''फ़सल तो बहुत है, परन्तु मज'दूर थोड़े हैं; इसलिए फ़सल के स्वामी से विनिती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लिए मज'दूरों को भेजे।
जाओ, मैं तुम्हें भेड़ियों के बीच भेड़ों की तरह भेजता हूँ।
तुम न थैली, न झोली और न जूते ले जाओ और रास्ते में किसी को नमस्कार मत करो।

1. स्वयं को दिल से तैयार करो(1-4)

जोड़े में चलो (1)

"पहले चरण में, यीशु जोड़े में चलने के लिए कहते हैं: अधिकितर संस्कृतियों में, इसका तात्पर्य दो पुरुष या दो महिलाओं से है। एक साथी के बिना, आप अकेले हैं। एक को एक से गुणा करके फिर एक से गुणा करके एक आता है। दो को दो से गुणा करके फिर दो से गुणा करके आठ आता है, तथापि गुणन की संभावना एक साथी के साथ बढ़ जाती है।

कठिन समय लोगों को हतोत्साहित कर देता है, खासकर यदि वे अकेले कार्य करते हैं। बाइबिल में शुरु से अंत तक, आध्यात्मिक लीडरों ने भागीदारों के साथ काम किया और यीशु ने उनकी योजना में इस अभ्यास की पुष्टि की। "

- निम्निलिखित नाटक प्रदर्शन द्वारा इस सिद्धांत को सीखाओ:

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 130 10/14/2013 10:47:50 PM

मुझ पर झुकाव रखो

"अगर आप अकेले कहीं मंत्रणा के लिए जायें और कोई दुर्घटना घट जाये तो क्या होगा?"

- कमरे में इस तरह चलें जैसे आप अपने मंत्रालय के क्षेत्र की तरफ जा रहे हैं। सबको बताएं की आपके साथ आपके साथ एक दुर्घटना में आपका पैर टूट गया है। दूसरों से मंत्रणा करते हुए कमरे में चारो तरफ लंगड़ाकर चलें। फिर घोषणा करें की प्रकाश ने आपको प्रभावित कर लिया है। मंत्रणा जरी रखने की कोशिश करें, लेकिन अब अपनी गर्दन मरोड़ें।

"अगर मेरे साथ एक साथी होता तो घटनाएं कैसे अलग हो सकती थीं?"

- इसी परिदृश्य को दोहराएँ लेकिन इस बार एक साथी के साथ। आपका साथी दुर्घटना के बाद आपकी पट्टी और देखभाल में मदद करता है। जब आपके हाथ में धातु की छड़ है तब आपका साथी आपको बारिश से दूर रहने की चेतावनी देता है।

"यीशु समझदार हैं इसलिए वो जोड़े में चलने के लिए कहते हैं । उन्हें पता है कि परेशानियाँ आयेंगी, और जब वो आयेंगी तब हमें किसी की मदद की जरुरत पड़ेगी।"

दोनों हाथों पर तर्जनी और मध्यम उंगलियों का प्रयोग करके एक साथ "चलें"।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 131 10/14/2013 10:47:50 PM

"मेरी यीशु योजना"(माई जीसस पलैन) के प्रथम खण्ड में लिखें कि जिस व्यक्ति पर तुम विश्वास करोगे वही तुम्हारा साथी होगा।"

जहाँ यीशु कार्य कर रहे हैं वहां जाओ (1)

"क्योंकि हम यीशु का पालन कर रहे हैं, हम खुद कुछ नहीं करते, लेकिन वहां देखते हैं जहाँ यीशु कार्य कर रहे हैं और उनके साथ जुड़ जाते हैं। यीशु हमारे कहाँ जाने की चाह रखते हैं, ये देखना हमेशा आसान नही है। एक अच्छी खबर, हालाँकि, यह है कि वो हमें प्यार करते हैं और ये हमें दिखायेंगे।"

- शिष्यत्व संगोष्ठी से "जाओ" सबक से हाथ के इशारों की समीक्षा करें।

"मैं अपने आप कुछ भी नहीं करता।"

> एक हाथ दिल पर रखें और 'न' में सिर हिलाएं।

"जहाँ परमेश्वर काम कर रहे हैं मै वहां देखने के लिए निगाह उठाता हूँ"

> एक हाथ आंखों पर रखें, बायीं और दाहिनी ओर खोजें।

"जहाँ वे काम कर रहे हैं, मैं उनके साथ सम्मिलित हो जाता हूं।"

> अपने सामने एक जगह की ओर हाथ से इशारा करें और हाँ में सिर हिलाएं।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 132 10/14/2013 10:47:50 PM

"और मैं जानता हूँ कि वे मुझे प्यार करते हैं और मुझे दिखायेंगे।"

- प्रशंसा में हाथ ऊपर उठाएँ और फिर उन्हें अपने दिल के पास cross करें।

"कहाँ भगवान काम कर रहे हैं और कहाँ वे तुम्हे जाने के लिए बुला रहे हैं ये "मेरी यीशु योजना" के प्रथम खण्ड में लिखें।"

फसल में से लीडरों के लिए प्रार्थना करें (2)

"दूसरे चरण में, यीशु हमें जाने से पहले कार्य के लिए प्रार्थना करने की आज्ञा देते हैं। यीशु ने उनकी योजना को व्यक्त करने से पहले उत्साह से प्रार्थना की। हमें भी हमारी योजना शुरू करने से पहले प्रार्थना में ज़्यादा समय बिताना चाहिए।"

जब हम प्रार्थना करते हैं, तो हम हमारे समूह के लोगों के लिए भगवान की स्तुति करते हैं, इसके लिए की वह कैसे काम कर रहे हैं, और उन लोगों के लिए जिन तक हम पहुचेंगे।"

- प्रशंसा
  हाथ पूजा में उठे हुए।

"हम हमारे जीवन के पाप का प्रायश्चित्त करते हैं। हम जो हमारा पालन कर रहे हैं उन लोगों के जीवन में किसी भी पापों के लिए प्रायश्चित्त करते हैं। हम ऐसे किसी भी समूह जिन तक हम पहुंच रहे हैं उनके पापों का प्रायश्चित्त करते हैं (अंधविश्वास,मूर्ति पूजा, या उदाहरण के लिए ताबीज का उपयोग)।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 133 10/14/2013 10:47:50 PM

☝ प्रायश्चित्त करें
हथेलियों बहार की और रखकर चेहरा ढकें; सिर दूर घुमाकर रखें

"फिर हम भगवान से निवेदन करते हैं कि हम जिस जगह जा रहे हैं वे हमें वहां के स्थानीय लीडर दें। हम भगवान से निवेदन करते हैं कि हमें ऐसा लीडर बनाएं जो यीशु का पालन करे, ताकि जब दूसरे हमारा पालन करें, वो यीशु का पालन करें।"

☝ निवेदन करें
प्राप्त करने के लिए हाथों को कप की मुद्रा में बनाएं

"अंततः, इश्वर हमसे जो चाहता हैं हम वो उपज करते हैं।

☝ उपज
सम्मान के प्रतीक में, हाथ प्रार्थना में जोड़ कर माथे के पास ऊँचे रखें।

"आप लीडरों के नाम "मेरी यीशु योजना" के प्रथम खण्ड में लिखें जिनके लिए आप प्राथना कर रहें हैं ।"

विनम्रतापूर्वक चलें (3)

"तीसरे चरण में, यीशु ने कहा कि वह हमें भेड़ियों के बीच भेड़ के बच्चे के रूप में भेज रहे हैं, इसलिए हमें विनम्रतापूर्वक जाना हैं। लोग ऐसे संदेश को सुनेंगे जो कि एक विनम्र दिल से आता हैं। अगर वे हमें अहंकारी या अभिमानी समझते हैं तो वे नहीं सुनंगे।"

- निम्नलिखित नाटक प्रदर्शन के द्वारा इस सिद्धांत को सीखाओ

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 134 10/14/2013 10:47:50 PM

एक बड़ा लीडर

"आपको क्या लगता हैं कि अगर मै इस तरह गाँव आया तो उस गाँव के लोग क्या सोचेंगे.....?"

- अपनी छाती फुलाकर चारों ओर ये कहते हुए चलें, "मैं बड़ा लीडर हूँ, तुम्हे मुझे सुनना चाहिए!" सबको ये पता चलने दो कि तुम्हे लगता हैं कि तुम सबसे बड़े और सर्वश्रेष्ठ हो।

"यीशु बुद्धिमान हैं जब वह विनिम्रतापूर्वक जाने के लिए कहते हैं। लोग तब अधिक ग्रहणशील होते हैं जब संदेशवाहक विनिम्र हो और दिल से दूसरों की मदद करनेवाला हो। कोई भी एक धौंस देने वाले व्यक्ति को पसंद नहीं करता। "

> विनिम्रतापूर्वक जाएँ
> हाथ "प्रार्थना" मुद्रा में जोडें और सर झुकाएं।

"निम्नलिखित प्रश्न का जवाब "मेरी यीशु योजना" के प्रथम खण्ड में लिखें: 'विनिम्रतापूर्वक जाने ‹ से आपका क्या तात्पर्य हैं?"

भगवान पर निर्भर रहें, धन पर नहीं (4)

"यीशु योजना में, यीशु ने हमें मंत्रालय या शिष्टमंडल शुरू करते समय पालन करने के लिए स्पष्ट सिद्धांत दिए हैं। पुरे ईसाई इतिहास के दौरान, लीडरों ने मंत्रालय में कई गलतियाँ की क्योंकि उन्होंने इन सिद्धांतोंमें से किसी एक को नजरअंदाज कर दिया। यीशु हमें बताते हैं कि हमारे मंत्रालय या शिष्टमंडल को भगवान पर

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 135 10/14/2013 10:47:50 PM

निर्भर करना चाहिए न कि धन पर। हम भगवान या पैसे की सेवा कर सकते हैं, लेकिन दोनों की नहीं। हमें इस बात को सुनिश्चित करना चाहिए कि सब कुछ जो हम करते हैं भगवान पर निर्भर हो पैसे पर नहीं। "

- निम्नलिखित नाटक प्रदर्शन के द्वारा इस सिद्धांत को सीखाओ

~ पैसा शहद की तरह हैं ~

"आपको क्या लगता हैं कि अगर मै इस तरह गाँव आया तो उस गाँव के लोग क्या सोचेंगे.....?"

- अपने साथ एक बस्ता लें और ऐसा अभिनय करें कि आप एक गांव में प्रवेश कर रहे हैं। एक लीडर के पास जाकर कहें, "हम गांव में एक नया चर्च शुरू कर रहे हैं। हमारे पास ढेर सारा पैसा है। आओ और देखो कि हम तुम्हारे लिए क्या कर सकते हैं!" समूह में कई लीडरों के लिए यह भाषण दोहराएँ।

"यीशु बुद्धिमान हैं जब वह कहते हैं कि पैसे पर भरोसा मत करो। मंत्रालय में, लोगों को यीशु के पास इसलिए आना चाहिए क्योंकि वह परमेश्वर के पुत्र और दुनिया के उद्धारकर्ता हैं, न कि पैसे और मदद के वादों की वजह से। पैसा शहद की तरह हैं और अगर हम उस पर निर्भर हैं न कि भगवान पर तो वो परेशानी को आकर्षित करता हैं ।"

> भगवान पर निर्भर बनो पैसे पर नहीं।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 136 10/14/2013 10:47:50 PM

अपनी कमीज़ की जेब से पैसे लेने का अभिनय करें, 'ना' में अपना सिर हिलाएं, और फिर स्वर्ग की ओर इशारा करते हुए 'हाँ' में अपना सिर हिलाएं।

"मेरी यीशु योजना" के प्रथम खण्ड में लिखें कि पहले साल में आपके नए मंत्रालय या शिष्टमंडल के निधिकिरण के लिए कितना खर्च आयेगा।"

जहां वह बुला रहा हैं वहां सीधे जाओ (4)

"चौथे चरण में यीशु हमें सड़क पर चलते हुए किसी से भी अभिवादन ना करने की आज्ञा देते हैं। वह हमें बदतहज़ीब होने के लिए नहीं, बल्कि उस उद्देश्य की तरफ ध्यान केंद्रित करने के लिए कह रहे हैं जो उन्होंने हमें दिया हैं। हम में से अधिकांश आसानी से अच्छा कार्य करके ही भटक जाते हैं, बजाय सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के।"

- निम्नलिखित नाटक प्रदर्शन के द्वारा इस सिद्धांत को सीखाओ:

अच्छे विकिर्षण

"आपको क्या लगता हैं कि अगर मै इस तरह गाँव आया तो उस गाँव के लोग क्या सोचेंगे ।।।?"

- सबको बताओ कि शिष्य यह सिद्धांत दिखाने जा रहे हैं। कमरे के दूसरे छोर पर एक समूह को इंगित करें और कहें:

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 137 10/14/2013 10:47:50 PM

"लोगों के एक समूह ने मेरे दोस्त से आकार उनकी मदद करने के लिए कहा। देखिये क्या होता हैं।"

- शिष्य लीडरों के समक्ष इसका वर्णन करता हैं कि वह क्या कर रहा हैं क्योंकि उसने किया हैं। प्रशिक्षु जिन लोगों को मदद की जरूरत हैं उनकी तरफ दृश्य बद्ध करता हैं, लेकिन वह अपने दोस्तों को अलविदा कहना याद रखता हैं। वह अपने दोस्तों के साथ बैठता हैं और थोड़ी देर के लिए उनसे बातचीत करता हैं। कुछ ही मिनिटों के बाद, उसे "याद "आता हैं कि उसे एक उद्देश्य के लिए जाने की जरूरत हैं। वह फिर से शुरुआत करने के लिए खड़ा हो जाता हैं, लेकिन उसे याद हैं कि उसे अपनी बहन के कुछ पैसे देने हैं, इसलिए वह उसके घर को जाता हैं। वह उसे रात का खाना खिलाती हैं और रात को रुकने के लिए कहती हैं। तीसरी बार जब वो दृश्यबद्ध होता हैं, वह एक दूसरा सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त बहाना बनाता हैं। अंततः, वह मंत्रालय के क्षेत्र की तरफ जाता हैं, लेकिन अब गांव में कोई भी उसे सुनना नहीं चाहता।

"यीशु बुद्धिमान हैं जब वह हमें बताते हैं की हमें सीधे उस मंत्रालय की तरफ जाना हैं जिसके लिए उन्होंने हमें बुलाया हैं। इस दुनिया की परवाह हमें आसानी से विचलित कर सकती हैं और हमसे वो छूट सकता हैं जो भगवान एक मंत्रालय में कर रहे हैं।"

दोनों हाथों की हथेलियों और उंगलियों को एकसाथ रखें और "तुरन्त" की गति बनाएं।

"मेरी यीशु योजना" के प्रथम खण्ड में संभव विकिरण जिनका आप सामना कर सकते हैं की एक सूची बनाएं।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 138 10/14/2013 10:47:50 PM

स्मृति छंद

- ल्यूक 10:2-
उन्होंने उन से कहा, ''फ़सल तो बहुत हैं, परन्तु मज'दूर थोड़े हैं; इसलिए फ़सल के स्वामी से विनिती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लिए मज'दूरों को भेजे।

- हर कोई खड़ा हो जाए और एक साथ स्मृति पिद दस बार दोहराए। पहले छह बार, सब उनके बाइबलि या छात्र नोट्स का उपयोग कर सकते हैं। अगले चार बार, सब स्मृति दिमाग से बोलेंगे। कोई भी पद बोलने के पहले उसका सन्दर्भ जरुर बताये और समाप्त होने पर बैठ जाये।
- इस दिनचर्या से लीडरों को पता करने में मदद मिलेगी की किसि समूह ने "अभ्यास" में अपना सबक समाप्त किया है।

अभ्यास

- लीडरों को चार समूह में बाटें । उनसे इस नेतृत्व सबक के साथ प्रशिक्षण की प्रक्रिया का उपयोग करके निन्लिखिति प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कहें।
- लीडरों को प्रशिक्षण की प्रक्रिया चरणों में समझाते हुए उन्हें 7-8 मिनिट का समय निम्निलखिति भागो पर दें:

प्रगति

"आपके समूह के लिए इस कार्य के कौन **से** हिस्से का पालन करना आसान हैं?"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 139 10/14/2013 10:47:51 PM

समस्याएँ

"आपके समूह के लिए इस कार्य के कौन **से** हिस्से का पालन करना कठिनतम हैं?"

योजना

"अगले ३० दिनों में यीशु योजना का पालन करने के लिए आप अपने समूह में कौन सा एक काम शुरू करेंगे?"

- हर कोई एक दुसरे की योजना को रिकॉर्ड करेंगे ताकि वे बाद में उनके लिए प्रार्थना कर सकें ।

अभ्यास

"अगले ३० दिनों में यीशु योजना का पालन करने के लिए आप अपने समूह में कौन सा एक कार्य को बेहतर बनाएंगे?"

- हर कोई अपने भागीदारों की अभ्यास वस्तु को रिकॉर्ड करेंगे ताकि वे बाद में उनके लिए प्रार्थना कर सकें ।
- जब सब एक दूसरे से अपने अभ्यास करने वाले कौशल बाँट लें तो सारे लीडर खड़े हो जायें और एक साथ दस बार स्मृति छंद कहें।

प्रार्थना

- एक दूसरे की योजनाओं के लिए प्रार्थना में समय व्यतीत करें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 140 10/14/2013 10:47:51 PM

समाप्त

मेरी यीशु योजना

- लीडरों से उनकी सहभागी सूचना पुस्तक “मेरी यीशु योजना” में पीछे जाने के लिए कहें।

  “इस सत्र के अपने नोट्स का उपयोग करें और आप कैसे अपने कार्य करेंगे - ये अपनी यीशु योजना के पहले स्तम्भ में लिखें। आप ल्यूक १० के मंत्रालय में कैसे यीशु के सिद्धांतों का पालन करेंगे, इस बारे में विशिष्ट विवरण लिखें।”

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 141 10/14/2013 10:47:51 PM

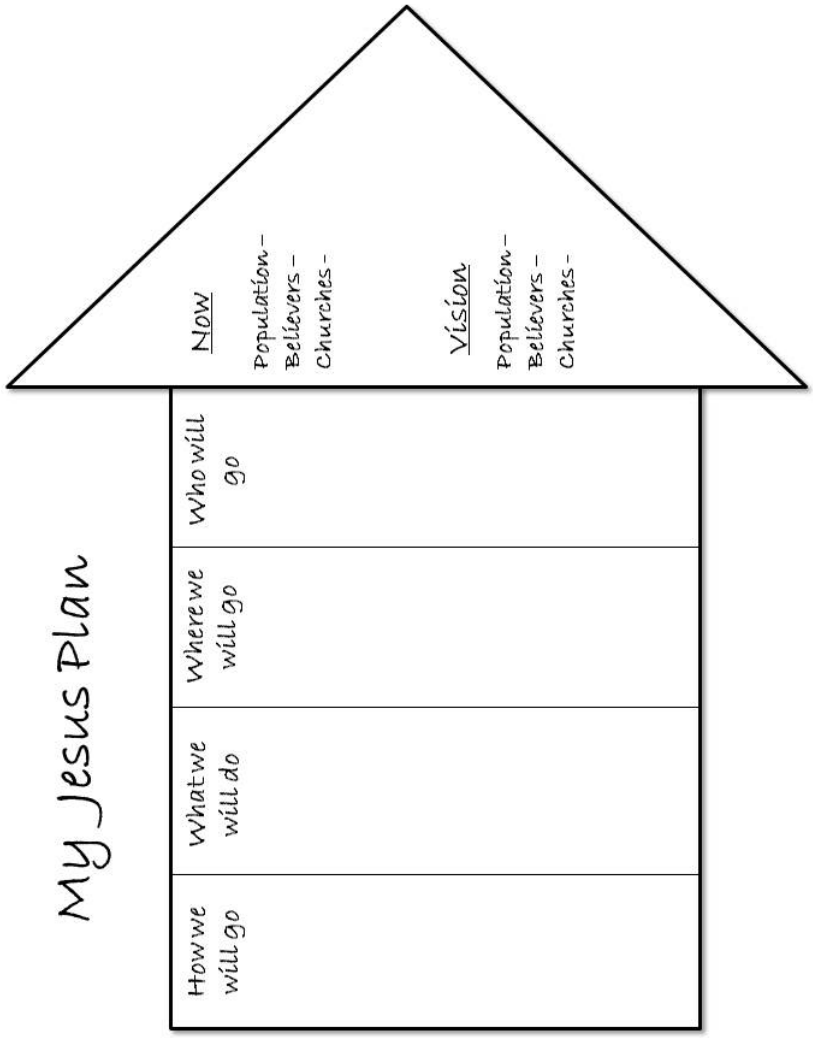

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 142 10/14/2013 10:47:51 PM

८

समूह प्रारंभ करें

लीडरों ने यीशु योजना के पालन के लिए खुद को दिल से तैयार किया। सबक "समूह प्रारंभ करें" में चरण २,३ और ४ शामिल हैं। हम बस ल्यूक १० के यीशु योजना के सिद्धांतों का पालन करने से ही मंत्रालय और मिशन की कई गलतियों से बच सकते हैं। लीडर जब इस सत्र के अंत में अपनी निजी "यीशु योजना "भरें तो इन सिद्धांतों का उपयोग करें।

चरण २ संबंधों को विकसित करने के बारे में हैं। हम भगवान के साथ वहां शामिल हो जाते हैं जहां वह काम कर रहा है और ऐसे प्रभावशाली लोग खोजते है, जो संदेश के लिए संवेदनशील हैं। हम उन्हें अपनी स्वीकृति दिखाने के लिए खाते और पीते हैं जो वे हमें देते हैं। हम एक दोस्ती से दूसरी, के लिए नहीं जाते क्योंकि इससे हम जो मेल - मिलाप का उपदेश दे रहे हैं उस संदेश का अपमान होता है।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 143 10/14/2013 10:47:51 PM

चरण ३ में हम अच्छी खबर बांटते हैं। यीशु एक चरवाहा हैं और लोगों की रक्षा और संरक्षण करना चाहते हैं। इस चरण में, प्रशिक्षक लीडरों को अपने नेतृत्व के दौरान चिकित्सिक तरीके खोजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जब तक लोग ये नहीं जानते की तुम संरक्षण करते हो तब तक वो इस बात की परवाह नहीं करते की तुम जानते हो। बीमार का उपचार ईसा चरित बाँटने के द्वार खोलता है।

हम चरण ४ में परिणामों का मूल्यांकन करते है। लोग कितने ग्रहणशील हैं? क्या आध्यात्मिक मामलों में उनकी रूचि वास्तविक मायने रखती है या दूसरे कारण जैसे पैसा जो उनकी जिज्ञासा जगाता है? अगर लोग प्रतिक्रिया कर रहे हैं, तो हम रूककर अपना कार्य जारी रखते हैं। अगर लोग प्रतिक्रिया नहीं कर रहे हैं, यीशु हमें छोड़कर कहीं और शुरुआत करने का आदेश देते हैं ।

प्रार्थना:

- दो पूजा के संगीतो को एक साथ गायें । एक लीडर से कहें की वह इस सत्र के लिए प्रार्थना करे ।

प्रगति:

- प्रशिक्षण में किसी लीडर से पूछो की वो अपने अनुभव (तीन मिनिट) बताये की किस तरह ईश्वर उसको या उसके समूह को आशीर्वाद दे रहे हैं जिसके बाद पुरे समूह से उनके लिए प्रार्थना करने को कहे।
- वैकल्पिक रूप से, “प्रगति, समस्याएं, योजना, अभ्यास, प्रार्थना” नेतृत्व प्रशिक्षण मॉडल का उपयोग करते हुए एक लीडर के साथ प्रशिक्षण समय का मॉडल बनाएं

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 144 10/14/2013 10:47:51 PM

समस्या:

"कई बार विश्वासी नेक दिल के होते हैं और अपने समुदाय तक पहुँचने के लिए बहुत भावुक होते हैं। उनके पास एक पालन करने के लिए ऐसी सरल योजना नहीं होती जो उनके लक्ष्यों के लिए दुरुस्त हो, लेकिन कई परीक्षण-और-त्रुटि(trial-and-error) से समूह शुरू करते हैं, लेकिन इस विधि से समय और ऊर्जा की बर्बादी होती हैं। यीशु ने अनुयायियों को समूह कैसे शुरू करे इस बारे में स्पष्ट निर्देश दिए हैं । जब हम उनकी योजना का पालन करते हैं, जहां वह काम कर रहे हैं हम वहां शामिल हो जाते हैं और अनावश्यक गलतियों से बचते हैं।"

योजना:

"इस सबक का लक्ष्य हैं आपको यीशु के निर्देशों का पालन करते हुए शिष्य समूह शुरू करने का एक अच्छा रास्ता दिखाना। हम एक शांत रुपी व्यक्ति को खोजने और उनकी शारीरिक और अध्यात्मिक आवश्यकताओं को पूरा करने द्वारा शुरुआत करेंगे। यीशु हमें उनकी योजना के अंत में हमारे कार्य का मूल्यांकन करने का भी आदेश देते हैं।"

समीक्षा

स्वागतमम्
चर्च कौन बनाता हैं?
वह महत्वपूर्ण क्यों हैं?
यीशु ने उनके चर्च कैसे बनाये?
ईश्वर में अटल विश्वास रखें

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 145 10/14/2013 10:47:51 PM

ईसा-चरित बाटें
अनुयायी बनाएं
समूह और चर्च प्रारंभ करें
लीडर का विकास करें

1 कोरिन्थियों 11।1- आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूं।

यीशु की तरह प्रशिक्षण दें

यीशु ने लीडर को कैसे प्रशिक्षण दिया?

प्रगति
समस्याएं
योजनायें
अभ्यास
प्रार्थना

लूका 6:40- शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।

यीशु की तरह नेतृत्व करें

यीशु ने किसको महानतम लीडर कहा है?

एक महान लीडर के सात गुण क्या हैं?

1. महान लीडर लोगों को प्यार करते हैं
2. महान लीडर को उनका लक्ष्य पता होता है
3. महान लीडर अपने अनुयायियों की सेवा करते हैं
4. महान लीडर दयालुता के साथ सही राह दिखाते हैं

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 146 10/14/2013 10:47:51 PM

5. महान लीडर को समूह में मौजूदा समस्याओं का पता होता हैं
6. महान लीडर पालन करने के लिए एक अच्छा उदाहरण देते हैं
7. महान लीडर को पता हैं उनपर आशीर्वाद हैं

जॉन 13:14 -15- इसलिये यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिये। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया है, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।

शक्तिशाली बनें

ईश्वर ने तुम्हें कौन सा व्यक्तित्व दिया है?
- सैनिक
- साधक
- चरवाहा
- बोनेवाला
- बेटा / बेटी
- संत
- नौकर
- प्रबंधक

ईश्वर को किस प्रकार का व्यक्तित्व सबसे ज़्यादा पसंद हैं?

किस प्रकार का व्यक्तित्व सर्वश्रेष्ठ लीडर बनता है?

रोमंस 12:4-5- जिस प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता। उसी प्रकार हम अनेक होते

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 147 10/14/2013 10:47:51 PM

हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

एकता में बल

दुनिया में आठ प्रकार के लोग क्यों हैं?
यीशु किसकी तरह हैं?
- सैनिक
- साधक
- चरवाहा
- बोनेवाला
- बेटा / बेटी
- उद्धारक / संत
- नौकर
- प्रबंधक

प्रतिद्वंदिता की अवस्था में तीन विकल्प क्या है?
- दूर भागना
- एक दूसरे से लड़ना
- ईश्वर की आत्मा के द्वारा एकसाथ मिलकर काम करने का रास्ता खोजना

गलातियों 02:20 - मैं अब जीवित नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवित है। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत है-ईश्वर के पुत्र में विश्वास, जिसने मुझे प्यार किया और मेरे लिए अपने को अर्पित किया।

ईसा चरित बाटें

मैं कैसे सरल ईसा चरित बाँट सकता हूँ?
- सुनहरी मनका
- नीला मनका

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 148 10/14/2013 10:47:51 PM

हरा मनका
काला मनका
सफेद मनका
लाल मनका

हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता हैं?
कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक होशियार नहीं हैं
कोई भी ईश्वर को पर्याप्त नहीं लौटा सकता हैं
कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक बलवान नहीं हैं
कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक अच्छा नहीं हैं

जॉन 14:6- ईसा ने उस से कहा, "मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बिना कोई पिता के पास नहीं आ सकता।"

अनुयायी बनाएं
यीशु की योजना में पहला कदम क्या हैं?
स्वयं को दलि से तैयार करो

जोड़े में चलो
जहाँ यीशु कार्य कर रहे हैं वहां जाओ
फसल में से लीडरों के लिए प्रार्थना करें
विनिम्रतापूर्वक चलें
भगवान पर निर्भर रहें, धन पर नहीं

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 149 10/14/2013 10:47:51 PM

जहां वह बुला रहा हैं वहां सीधे जाओ

लूक 10:2-4-उन्होंने उन से कहा, ‘‘फ़सल तो बहुत हैं, परन्तु मज’दूर थोड़े हैं; इसलिए फ़सल के स्वामी से विनती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लिए मज’दूरों को भेजे।

यीशु की योजना में दूसरा कदम क्या हैं?

लूक 10:5-8-

5 जिस घर में प्रवेश करते हो, सब से पहले यह कहो, ‘इस घर को शान्ति!’

6 यदि वहाँ कोई शान्ति के योग्य होगा, तो उस पर तुम्हारी शान्ति ठहरेगी, नहीं तो वह तुम्हारे पास लौट आयेगी।

7 उसी घर में ठहरे रहो और उनके पास जो हो, वही खाओ-पियो; क्योंकि मज’दूर को मज’दूरी का अधिकार है। घर पर घर बदलते न रहो।

8 जिस नगर में प्रवेश करते हो और लोग तुम्हारा स्वागतम करते हैं, तो जो कुछ तुम्हें परोसा जाये, वही खा लो।

2. दोस्ती का विकास करें (5-8)

शांत रुपी व्यक्ति की खोज करें (5,6)

“पांचवे और छटे चरण में यीशु हमें शांत रुपी लोगों को खोजने की आज्ञा देते हैं। शांत रुपी व्यक्ति वो है जो जहाँ आप जा रहे हैं वहां भगवान को तलाश रहा है। जब आप आध्यात्मिक विषियों के बारे में उससे बात करें, वे अपनी रूचि व्यक्त करे और और अधिक जानना चाहे।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 150 10/14/2013 10:47:51 PM

भगवान पहले ही काम रहे हैं और इस व्यक्ति को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे हैं। हमारे छोटे साक्ष्य बाँटना शांत रुपी व्यक्ति को खोजने के लिए ज़्यादातर एक अच्छा तरीका होता है।"

- मेरी यीशु योजना के दूसरे खण्ड में उन "शांत रुपी लोगों "के बारे में लिखें जिन्हें आप अपने लक्षित शेत्र में जानते हैं।

> शांत रुपी लोग
> अपने हाथ एकसाथ इस प्रकार
> पकड़ें जैसे दोस्त हाथ मिलाते हैं

वही खाएं और पियें जो उन्होंने दिया है (7, 8)

"आपको क्या लगता है कि चरण सात में यीशु "वही खाएं और पियें जो उन्होंने दिया है" ऐसा क्यों कहते हैं? वे चाहते हैं कि हम जैसे-जैसे दोस्ती का विकास करें, हम सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील बनें। इसका सबसे अच्छा तरीका यह है की आप वो खाएं और पियें जो आपके मेज़बान ने दिया है।

कभी कभी आपको भगवान की कृपा मंगनी पड़ सकती है यद्यपि कुछ असामान्य भोजन आपका पेट ख़राब कर दे! हालाँकि, अगर आप मांगेंगे, आपको मिलेगा। याद रखें, जब हम वह खाते हैं जो वो खा रहे हैं और जब वही पीते हैं जो वो पी रहे हैं तो उन्हें प्यार और अपनेपन का एहसास होता है।"

- मेरी यीशु योजना के दूसरे खण्ड में अपने लक्ष्य समूह की किसी भी ऐसी परंपरा या भोजन की प्राथमिकता के बारे में लिखें जिनके प्रति आपको संवेदनशील होने की आवश्यकता है।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 151 10/14/2013 10:47:51 PM

- खाना और पीना
  खाने और पीने का अभिनय करें। फिर पेट को ऐसे मलें जैसे खाना अच्छा है।

एक घर से दूसरे घर न जायें (7)

"सातवें चरण में, यीशु गाँव में एक ऐसे व्यक्ति के घर में रुकने के लिए कहते हैं जिससे हम जुड़े हैं । दोस्ती विकसित होने में समय लेती है और हर शिष्य विरोध और मुसीबतों से जूझता है। यदि हम मुसीबत के पहले संकेत पर कदम उठाने लगते हैं तो इससे सुलह के उस सन्देश का अपमान होता हैं जिसका हम उपदेश दे रहे हैं।"

- एक घर से दूसरे घर न जायें
  दोनों हाथों से एक घर की छत की रूपरेखा बनाएं। घर को कई स्थानों पर स्थानांतरित कराएं और "ना" में सर हिलाएं ।

- निम्नलिखित नाटक प्रदर्शन द्वारा यीशु योजना के दूसरे कदम के सिद्धांतों को सीखाओ:

एक गाँव को गुस्सा कैसे दिलाए

"आपको क्या लगता है कि अगर हम इस तरह गाँव आये तो उस गाँव के लोग क्या सोचेंगे?"

- सबको बताएं की आप और आपका साथी अभी तक यीशु योजना का अनुसरण कर रहे हैं। आप जोड़े में

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 152 10/14/2013 10:47:51 PM

मंत्रालय स्थल जा रहे हैं। आपने प्रार्थना की है, आप विनाम्रतापुत्वक चल रहे हैं, और आप पैसे पर निर्भर नहीं है। भगवान गाँव में कार्यरत हैं और आप दोनों सीधे वहां गए हैं। उन्हें बताएं की वे देखें की अब क्या होता है और ग्रामीण कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

- लीडरों से गाँव में एक प्रशिक्षण समूह सोचने के लिए कहें। लोगों के झुण्ड गाँव के घर हैं।

- पहले घर जायें, आशीर्वाद दें, उनके साथ बैठें, और उनके साथ समय व्यतीत करें। उनसे पूछें कि क्या आपको कुछ खाने के लिए मिल सकता है क्यूंकि आप बहुत भूखे हैं। जब आपके मेहमान आपके लिए खाना ले आयें, उसे खाएं, और एक कड़वा मुंह बनाएं। फिर अपने साथी से कहें कि आप और ज़्यादा वहां नहीं रुक सकते क्यूंकि खाना बहुत बुरा है, और आपको लगता है आप मर जायेंगे। अपने पेट को इस तरह मलें जैसे आपको पेट दर्द है और अलविदा कहें।

- दूसरे घर जायें, आशीर्वाद दें, उनके साथ बैठें, और दोबारा रात बिताने के लिए तैयार हो जायें। सोने जाने का "अभिनय "करें। कुछ क्षण बाद, आपका साथी आपको बताता है कि वो वहां और ज़्यादा नहीं रुक सकता क्योंकि घर में एक आदमी बहुत जोर से खर्राटे लेता है। आपका साथी रात भर सो नहीं पाया। आंखें मलते हुए अलविदा कहें।

- तीसरे घर जायें, आशीर्वाद दें, उनके साथ बैठें, और थोड़ी देर के लिए रुकें। अगले दिन, अपने साथी से कहें कि आप वहां और ज़्यादा नहीं रुक सकते क्यूंकि वे इतनी ज़्यादा गपशप करते हैं जिससे आपके कानों में दर्द होता है। कानों को मलते हुए अलविदा कहें और चले जायें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 153 10/14/2013 10:47:51 PM

- अंतिम घर जायें, आशीर्वाद दें, उनके साथ बैठें, और थोड़ी देर के लिए रुकें। सबको बताएं कि आपने सुना है की इस घर में सुन्दर बेटियां हैं। आप आपने दोस्त को एक पत्नी खोजने में मदद कर रहे हैं। परिवार के सभी लोगों को आपने साथी की सभी अद्भुत खूबियों के बारे में बताएं। उन्हें बतलाएं कि आप पक्का जानते हैं कि ईश्वर चाहते हैं की उनका साथी उनकी सुन्दर बेटियों में से एक के साथ शादी करे।

"अगर हम इस गाँव में ईसा चरित बाँटने की कोशिश करते, तो गाँव वाले क्या सोचते? वे सोचते की हमारा कोई सम्मान नहीं है। हमें बस इस बात की चिंता है की वे हमारे लिए क्या सकते हैं। यीशु योजना का पालन हमें बहुत सारी गलतियों से बचने में मदद करता है।"

- अपनी यीशु योजना के दूसरे खंड में लिखें की आप कैसे उस परिवार में सहयोग देंगे जिसमें आप रुके हैं। ऐसे कौनसे कुछ विशिष्ट तरीके हैं जिनसे आप उनके लिए वरदान साबित हो सकते हैं?

यीशु की योजना में तीसरा कदम क्या है?

ल्यूक 10:9-
वहाँ के रोगियों को चंगा करो और उन से कहो, 'ईश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ गया है'।

3. अच्छी खबर बाटें

रोगियों का उपचार करें (9)

"यीशु के मंत्रालय में शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों आवश्यकताओं के लिए मंत्रालय शामिल हैं। हम एक गांव

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 154 10/14/2013 10:47:51 PM

या लोगों के समूह के लिए कई प्रकार से उपचारात्मक तरीके ला सकते हैं, जैसे सामुदायिक विकास करके, पानी की आपूर्ति में सुधार करके, चिकित्सा या दंत मदद लाकर, बीमार के लिए प्रार्थना करके, और परामर्श देकर।"

- अपनी यीशु योजना के दूसरे खंड में एक ऐसे व्यावहारिक तरीके के बारे में लिखें जिससे आप अपने मंत्रालय या शिष्टमंडल के माध्यम से समुदाय में भौतिक जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

रोगियों का उपचार करें
अपने हाथ इस प्रकार फैलाएं जैसे आप अपने हाथ एक बीमार व्यक्ति पर उपचार करने के लिए रख रहे हैं।

ईसा चरित बाटें (9)

"अच्छी खबर बाँटने का दूसरा भाग है ईसा चरित बाँटना।"

- ईसा चरित कंगन का इस्तेमाल करके ईसा चरित की समीक्षा करें।

"अच्छी खबर अच्छी खबर तभी है अगर लोग उसे उसके सन्दर्भ में समझ सकें। ईसा चरित को प्रसिद्ध करने का एक महत्वपूर्ण पहलू यह सुनिश्चित करना है की यह सुनने वाले को समझ में आये।"

ईसा चरित बाटें
हाथ मुंह के आसपास प्याले के आकार में इस प्रकार रखें जैसे आपने भोंपू पकड़ रखा है।

- निम्निलखिति नाटक प्रदर्शन द्वारा यीशु योजना के तीसरे कदम के सद्धिांतों को सीखाओ:

~ दो - पंखों वाला पक्षी ~

“यीशु बीमारों को चंगा करने और ईसा चरित का प्रचार करने के लिए कहते हैं। यह एक पक्षी पर दो पंखों की तरह है। आपको उड़ान भरने के लिए दोनों की जरूरत है! “

- एक स्वयंसेवक के लिए पूछें। समझाएं की स्वयंसेवक एक प्रतिभाशाली ईसाई मत प्रचारक है और आप सबसे अच्छा बीमार का उपचार करते है।
- स्वयंसेवक से कहें कि दोनों हाथ ऐसे ऊपर उठाये जैसे उसके पास पंख हैं। समझाएं कि उसका दाहिना हाथ ईसाई मत प्रचारण में मजबूत हैं, लेकिन उसका बायाँ हाथ कमजोर है (उससे उसका बायाँ हाथ दायें हाथ से छोटा करने के लिए कहें)।

- आपने दोनों हाथों को इस प्रकार ऊपर उठाएं जैसे आपके पास पंख हैं। समझाएं कि आपका बायाँ हाथ रोगियों का उपचार करने में मजबूत हैं, लेकिन आपका दाहिना हाथ कमज़ोर है। आप ईसा चरित बाँटने में कमज़ोर है। स्वंसेवक से उसके मजबूत और कमज़ोर पंखों का इस्तेमाल करते हुए उड़ने के लिए कहें। आप भी ऐसे ही करें। (आप दोनों को चारों ओर घेरों में घूमना चाहिए)

“परिणाम कैसे अलग हो सकते है अगर हमने एक साथ काम करने का फैसला किया है?”

- अपनी कमज़ोर बांह (ईसाई मत प्रचारक) को स्वंसेवक की कमज़ोर बांह (रोगियों का उपचार) से जोड़ें।

"जब हम हमारी ताकत को एक साथ रखते हैं और कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं, हम उड़ सकते हैं।"

- आप और स्वयंसेवक अपनी "मजबूत" बांहों को एक साथ लहरायें और कमरे में चारों ओर "उड़ें"।

यीशु की योजना में चौथा कदम क्या हैं?

लूका 10:10-11-
परन्तु यदि किसी नगर में प्रवेश करते हो और लोग तुम्हारा स्वागतम नहीं करते, तो वहाँ के बाज़ारों में जा कर कहो, 'अपने पैरों में लगी तुम्हारे नगर की धूल तक हम तुम्हारे सामने झाड़ देते हैं। तब भी यह जान लो कि ईश्वर का राज्य आ गया है।'

4. परिणाम मूल्यांकन और समायोजन करें

मूल्यांकन करें कि वे कैसे प्रतिक्रिया करते हैं (10, 11)

"मूल्यांकन करने की क्षमता किसी भी अभियान में लंबे समय तक सफलता की कुंजी है। इस चरण में, यीशु हमें लोगों की प्रतिक्रिया के विश्लेषण करने और हमारी योजनाओं में सुधार करने के तरीकों के बारे में बताते हैं।

कभी कभी लोग इसलिए जवाब नहीं देते क्योंकि वे हमारा सन्देश समझ नहीं पाते हैं ओर हमें उसे और स्पष्ट करने की जरुरत है। अन्य बार लोग इसलिए जवाब नहीं देते क्योंकि उनके जीवन में पाप है, तो हम उनके साथ भगवान की क्षमा बांटते हैं। अभी भी दूसरे लोग अपने अतीत के नकारात्मक अनुभवों के कारण ग्रहणशील नहीं होते और हम उन्हें परमेश्वर के परिवार में वापसी के लिए प्यार करते हैं। एक समय आता है, तथापि, जब

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 157 10/14/2013 10:47:51 PM

हमें लोगों के खुलेपन का मूल्यांकन करना चाहिए जिनके साथ साथ हम काम कर रहे हैं और हमारी योजना को उसके अनुसार समायोजित करना चाहिए।

यीशु योजना में एक महत्वपूर्ण कदम "तय" करना है इससे पहले कि हम यह शुरू करें कि परिणाम का मूल्यांकन कैसे करेंगे। "

- अपनी यीशु योजना के दूसरे खंड में लिखें कि इस शिष्टमंडल या मंत्रालय में "सफलता" किस प्रकार दिखेगी? आप कैसे उनकी प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करेंगे?

  परिणामों का मूल्यांकन करें हथेलियों को इस प्रकार आगे रखें जैसे तराजू का संतुलन कर रहे हैं। अपने चेहरे पर प्रश्न का भाव बनाते हुए तराजू को ऊपर और नीचे ले जाएँ।

चले जायें अगर उन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी है (11)

"यीशु योजना में आखिरी सिद्धांत कई लोगों के लिए मुश्किल है। हम जहाँ मंत्रणा का रहे हैं वहां अगर प्रतिक्रिया नहीं होती तो हमें वह स्थान छोड़ देना चाहिए। कई बार, हम विश्वास जारी रखते हैं कि कुछ बदल जाएगा। हम तब उम्मीद करते रहते हैं जब यह समय आगे बढ़ जाने का हैं।"

"शिष्टमंडल के काम का एक रणनीतिक हिस्सा यह निर्धारित करना है की कब यह आगे बढ़ जाने का समय है। कुछ बहुतजल्दी से छोड़ना चाहते हैं, दूसरे बहुत धीरे धीरे। दोस्ती छोड़ना कभी आसान नहीं होता, लेकिन यह

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 158 10/14/2013 10:47:51 PM

याद रखना महत्वपूर्ण है कि यीशु ने हमें आगे बढ़ जाने का आदेश दिया है यदि लोग प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं।

आपको लोगों में कितना समय निवेश करना चाहिए इससे पहले कि आप तय करते हैं कि वे प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं: एक दिन, एक महीना या एक साल? हर मंत्रालय की स्थापना अलग हैं। वास्तविकता यह है कि कई लोग बहुत लंबे समय तक रहते हैं और एक दूसरी जगह पर भगवान के आशीर्वाद से वंचित रहते हैं क्योंकि वे यीशु योजना के सिद्धांतों के प्रति आज्ञाकारी नहीं थे।"

- अपनी यीशु योजना के दूसरे खंड में लिखें कि आपको क्या लगता है कि भगवान के दिए हुए लक्ष्य को पूरा करने के लिए आपको कब तक रुकने की जरूरत है। अगर लोगों का यह समूह ईसा चरित की तरफ प्रतिक्रियाशील नहीं है, तो आप आगे कहाँ पर शुरुआत करेंगे?

> छोड़ दें अगर परिणाम नहीं है
> अलविदा में हाथ हिलाएं

स्मृति छंद

- लूका 10:9-
वहाँ के रोगियों को चंगा करो और उन से कहो, 'ईश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ गया है"।

- हर कोई खड़ा हो जाए और एक साथ स्मृति पद दस बार दोहराए। पहले छह बार, सब उनके बाइबिल या छात्र नोट्स का उपयोग कर सकते हैं। अगले चार बार, सब स्मृति दिमाग से बोलेंगे। कोई भी पद बोलने के पहले उसका सन्दर्भ जरुर बताये और समाप्त होने पर बैठ जाये।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 159 10/14/2013 10:47:51 PM

- इस दिनचर्या से लीडरों को पता करने में मदद मिलेगी की किस समूह ने "अभ्यास" में अपना सबक समाप्त किया है।

अभ्यास

- लीडरों को चार समूह में बाटें । उनसे इस नेतृत्व सबक के साथ प्रशिक्षण की प्रक्रिया का उपयोग करने के लिए कहें।
- लीडरों को प्रशिक्षण की प्रक्रिया चरणों को समझाते हुए उन्हें 7-8 मिनिट का समय निम्नलिखित भागो पर चर्चा करने के लिए दिए जाएँ।

प्रगति

"आपके समूह के लिए इस कार्य के कौन **से** हिस्से का पालन करना सरलतम है?"

समस्याएँ

"आपके समूह के लिए इस कार्य के कौन **से** हिस्से का पालन करना कठिनतम है?"

योजना

"अगले ३० दिनों में यीशु योजना के इन चरणों का पालन करने के लिए आप अपने समूह में कौन सा एक काम शुरू करेंगे?"

- लीडर एक दूसरे की योजनाओं को लेखबद्ध करें ताकि वे बाद में अपने साथियों के लिए प्रार्थना कर सकें ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 160 10/14/2013 10:47:51 PM

अभ्यास

"अगले ३० दिनों में इस यीशु योजना के इन चरणों का पालन करने के लिए आप अपने समूह में कौन से एक कार्य को बेहतर बनायेंगे?"

- हर कोई अपने भागीदारों की अभ्यास वस्तु को रिकॉर्ड करेंगे ताकि वे बाद में उनके लिए प्रार्थना कर सकें ।
- जब सब एक दूसरे से अपने अभ्यास करने वाले कौशल बाँट लें तो सारे लीडर खड़े हो जायें और एक साथ दस बार स्मृति छंद कहें।

प्रार्थना

- एक दूसरे की योजनाओं के लिए प्रार्थना में समय व्यतीत करें। प्रार्थना करें कि भगवान समूह को प्रगति करने और उनके कमजोर क्षेत्रों को मजबूत बनाने में मदद ज़ारी रखे।

समाप्त

मेरी यीशु योजना

- लीडरों से उनकी सहभागी सूचना पुस्तक में "मेरी यीशु योजना" पे पीछे जाने के लिए कहें।

"इस सत्र के अपने लेखों का उपयोग करें और अपनी यीशु योजना के दूसरे और तीसरे खण्डों को भरें । यह खंड ये इंगित करते है कि शांत रुपी लोग कौन है, और हम कैसे उनसे मंत्रणा करेंगे। आप ल्यूक १० के मंत्रालय में कैसे यीशु के सिद्धांतों का पालन करेंगे, इस बारे में विशिष्ट विवरण लिखें।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 161 10/14/2013 10:47:51 PM

९

समूह वृद्धि करें

भगवान में बढ़ता विश्वास परिणाम है स्वस्थ चर्चों के पुनः निर्माण का, ईसा चरित बांटने, अनुयायी बनाने, समूह शुरू करने, और लीडरों को प्रशिक्षण देने के लिए। ज़्यादातर लीडरों ने चर्च की शुरूआत कभी नहीं की, हालांकि, उन्हें नहीं पता था कि शुरू कैसे करना है। "समूह वृद्धि" ने उन जगहों से अवगत कराया जिन पर हमें समूहों की शुरुआत करते समय ध्यान केन्द्रित करना चाहिए जो गिरिजाघरों तक ले जायें। प्रेरित-चरित में, यीशु ने हमे चार विभिन्न जगहों पर समूहों को शुरू करने की आज्ञा दी है। उन्होंने कहा है कि समूहों को उन शहर और क्षेत्र मे शुरू करो जहां हम रहते हैं। इसके बाद, उन्होंने कहा की जिस क्षेत्र में हम रहते हैं वहां के पड़ोसी क्षेत्र और अलग जातीय समूह में नए भाईचारे की शुरुआत करें। अंत में, यीशु हमें इस विश्व के दूर-दराज की जगह और हर जातीय समूह तक पहुँचने

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 162 10/14/2013 10:47:51 PM

की आज्ञा देते हैं। प्रशिक्षक लीडरों को सब लोगों के लिए यीशु के दिल को अपनाने के लिएप्रोत्साहित करते हैं और येरुसालेम, यहूदिया, समारिया, और दुनिया के अंत तक पहुँचने की योजना बनाते है। सभी लीडर अपनी यीशु की योजना के साथ इन वचनों को जोड़ देते हैं।

प्रेरित-चरित में चार प्रकार के समूह शुरू करने वालों के कार्यों के बारे में भी दर्शाया गया है। पीटर, एक पादरी ने कोर्नेलिअस के घर में एक समूह की शुरुआत करने में सहायता की। पॉल, एक साधारण इंसान, ने समूह बनाते हुए पूरे रोमन प्रदेश की यात्रा की। प्रिसीला और अकीला, स्वरोजगार व्यापार मालिक, ने समूहों की वहीँ शुरुआत की जहाँ भी उनका व्यापार उन्हें ले गया। "सताए हुए "लोग अधिनियम 8 में फैल गए और जहाँ भी गए वहां समूह शुरू किये। इस पाठ में, लीडर अपने प्रभाव की धारा में संभव समूह प्रारंभ करने वालों की पहचान करते हैं और उनेहे अपनी "यीशु योजना "में जोड़ते हैं। सत्र चर्च शुरू करने के लिए एक बड़े बैंक खाते की जरुरत होती की धारणाओं को संबोधित करते हुए समाप्त होता है। ज़्यादातर चर्च एक बाइबिल की तुलना में थोड़े अधिक खर्च के साथ घरों में शुरू होते हैं।

प्रार्थना:

- दो भक्ति गीत एक साथ गायन कीजिये। इस सत्र के लिए प्रार्थना करने के लिए किसी लीडर से पूछें।

प्रगति:

- प्रशिक्षण में किसी लीडर से पूछो की वो अपने अनुभव (तीन मिनिट) बताये की किस तरह ईश्वर उसको या उसके समूह को आशीर्वाद दे रहे हैं जिसिके बाद पुरे समूह से उनके लिए प्रार्थना करने को कहें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 163 10/14/2013 10:47:51 PM

- वैकल्पिक रूप से, "प्रगति, समस्याएं, योजना, अभ्यास, प्रार्थना" नेतृत्व प्रशिक्षण मॉडल का उपयोग करते हुए एक लीडर के साथ प्रशिक्षण समय का मॉडल बनाएं

समस्या:

"किसी मौजूदा समूह या चर्च का नेतृत्व करना आसान नहीं है। अन्य समूह या चर्च को शुरू करने का विचार असंभव लगता है। चर्च सीमित पैसे, समय और लोगों को कैसे इस्तेमाल करें, इसके लिए संघर्ष करते हैं। यीशु हमारी प्रबंधन की ज़रूरतों को जानते हैं, तथापि, और फिर भी हमें नए चर्च शुरू करने की आज्ञा देते हैं।

एक और समस्या जिसका सामना हम समूह या चर्च शुरू करते समय करते हैं यह तथ्य है कि अधिकांश विश्वासियों ने कभी भी समूह या चर्च शुरू नहीं किया है। पादरी, लीडर, धंधे वाले लोग, और चर्च के सदस्यों के दिमाग में इसकी एक तस्वीर होती है कि "असली "चर्च के लिए के लिए क्या चाहिए। ये ज़्यादातर ऐसे चर्च शुरू करने में बदल जाता है जो बिलकुल मूल चर्च की तरह दिखते हैं, लेकिन ये अक्सर निश्चित कर देते हैं की नया चर्च असफल हो जायेगा।"

योजना:

"क्या तुम्हें याद है जब हमने इस बारे में बात की थी की कैसे 5,000 से 40,000 विश्वासियों तक जायें? हर विश्वासी का एक नया समूह प्रारंभ करना इस विकास की कुंजी है। इस पाठ में, हम ऐसे चार शेत्रों के बारे में सीखेंगे जहाँ हमें समूह शुरू करने चाहियें। फिर, हम ऐसे चार प्रकार के लोगों को पहचानेंगे जिन्होंने प्रेरित-चरित में समूह शुरू किये थे।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 164 10/14/2013 10:47:52 PM

समीक्षा

स्वागत

चर्च कौन बनाता है?
वह महत्वपूर्ण क्यों है?
यीशु ने उनके चर्च कैसे बनाये?
ईश्वर में अटल विश्वास रखें
ईसा-चरित बाटें
अनुयायी बनाएं
समूह और चर्च प्रारंभ करें
लीडर का विकास करें

1 कोरिन्थियस 11.1- आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूँ।

यीशु की तरह प्रशिक्षण दें

यीशु ने लीडर को कैसे प्रशिक्षण दिया?
प्रेरित
समस्याएँ
योजनायें
अभ्यास
प्रार्थना

लूका 6:40- शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।

यीशु की तरह नेतृत्व करें

यीशु महानतम लीडर किसको कहेंगे?
एक महान लीडर की सात विशेषताएं क्या हैं?
1. महान लीडर लोगों को प्यार करते हैं ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 165 10/14/2013 10:47:52 PM

2. महान लीडर को अपने मिशन का ज्ञान होता हैं ।
3. महान लीडर अपने अनुयायियों की सहायता करते हैं ।
4. महान लीडर दया करने वाले होते हैं ।
5. महान लीडर समूह की परेशानियों को जानते हैं ।
6. महान लीडर पालन के लिए एक अच्छा उधारण देते हैं ।
7. महान लीडर यह जानते कि उन पर येशु की कृपा हैं ।

जॉन 13:14-15-अब,यदि मैं-तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिये। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।

शक्तिशाली बनें

ईश्वर ने तुम्हें कौन सा व्यक्तित्व दिया है?

सैनिक

साधक

चरवाहा

बोनेवाला

बेटा / बेटी

संत

नौकर

प्रबंधक

ईश्वर को किस प्रकार का व्यक्तित्व सबसे ज़्यादा पसंद है?

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 166 10/14/2013 10:47:52 PM

किस प्रकार का व्यक्तित्व सर्वश्रेष्ठ लीडर बनता है?

रोमंस 12:4-5- जिस प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता। उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

एकता में बल

दुनिया में आठ प्रकार के लोग क्यों हैं? यीशु किसकी तरह हैं?

- सैनिक
- साधक
- चरवाहा
- बोनेवाला
- बेटा / बेटी
- उद्धारक / संत
- नौकर
- प्रबंधक

प्रतिद्वंदिता की अवस्था में तीन विकल्प क्या हैं?

- दूर भागना
- एक दूसरे से लड़ना
- ईश्वर की आत्मा के द्वारा एकसाथ मिलकर काम करने का रास्ता खोजना

गलातियिन्स 02:20 - मैं अब जीवित नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवित हैं। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत है-ईश्वर के पुत्र में विश्वास, जिसने मुझे

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 167 10/14/2013 10:47:52 PM

प्यार किया और मेरे लिए अपने को अर्पित किया।

ईसा चरित बाटें

मैं कैसे सरल ईसा चरित बाँट सकता हूँ?
- सुनहरी मनका
- नीला मनका
- हरा मनका
- काला मनका
- सफेद मनका
- लाल मनका

हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता है?
- कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक होशियार नहीं है
- कोई भी ईश्वर को पर्याप्त नहीं लौटा सकता है
- कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक बलवान नहीं है
- कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक अच्छा नहीं है

जॉन 14:6- ईसा ने उस से कहा, ''मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बिना कोई पिता के पास नहीं आ सकता।''

अनुयायी बनाएं

यीशु की योजना में पहला कदम क्या है?
- स्वयं को दिल से तैयार करो
  - जोड़े में चलो
  - जहाँ यीशु कार्य कर रहे हैं वहां जाओ

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 168 10/14/2013 10:47:52 PM

फसल में से लीडरों के लिए
प्रार्थना करें
विनिम्रतापूर्वक चलें
भगवान पर निर्भर रहें, धन पर
नहीं
जहां वह बुला रहा है वहां सीधे
जाओ

लूयूक 10:2-4-उन्होंने उन से कहा, "फ़सल तो बहुत है, परन्तु मज'दूर थोड़े हैं; इसलिए फ़सल के स्वामी से विनती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लिए मज'दूरों को भेजे।

समूह प्रारंभ करें

यीशु की योजना में दूसरा कदम क्या है?
दोस्ती का विकास करें
शांत रुपी व्यक्ति की खोज करें
वही खाएं और पियें जो उन्होंने
दिया है
एक घर से दूसरे घर न जायें

यीशु की योजना में तीसरा कदम क्या है
अच्छी खबर बाटें
रोगियों का उपचार करें
ईसा चरित बाटें

यीशु की योजना में चौथा कदम क्या है
परिणाम मूल्यांकन और समायोजन
करें
मूल्यांकन करें कि वे कैसे
प्रतिक्रिया करते हैं
चले जायें अगर उन्होंने
प्रतिक्रिया नहीं की है

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 169 10/14/2013 10:47:52 PM

लूयूक 10:9- वहाँ के रोगियों को चंगा करो और उन से कहो, 'ईश्वर का राज्य तुम्हारे नकिट आ गया है'।

चार स्थान कहाँ हैं जहाँ यीशु ने विश्वासियों को समूह शुरू करने की आज्ञा दी है?

- प्रेरित-चरित 1:8-
किन्तु पवित्र आत्मा तुम लोगों पर उतरेगा और तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा और तुम लोग येरुसालेम, सारी यहूदिया और सामरिया में तथा पृथ्वी के अन्तिम छोर तक मेरे साक्षी होंगे।

1. **येरुसालेम**

"यीशु ने अनुयायियों को उसी शहर और प्रजातीय समूह में समूह शुरू करने के लिए कहाँ जहाँ वो रहते हैं। जब हम उनके उदाहरण का अनुसरण करते हैं, हम उन शहरों में नए समूह और चर्च शुरू करेंगे जहाँ हम रहते हैं।"

- अपनी यीशु योजना के तीसरे खंड में, उस स्थान का नाम लिखें जहाँ आप रहते हैं और जिसे एक नए समूह या चर्च की आवश्यकता है। यह कैसे होगा इस बारे में एक छोटा विवरण लिखें।

2. **यहूदिया**

"दूसरा, यीशु ने अनुयायियों से उसी शेत्र में समूह शुरू करने को कहा जहा वो रहते हैं। येरुसालेम एक शहरी समायोजन था, जबकि यहूदिया इज़राइल का ग्रामीण हिस्सा था। यहूदिया में रहने वाले लोग अनुयायिओं के

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 170 10/14/2013 10:47:52 PM

प्रजातीय समुहे से थे। यीशु की आज्ञा का अनुसरण करके, हम उन ग्रामीण शेत्रों में समूह और चर्च शुरू करेंगे जहाँ हम रहते हैं।"

- अपनी यीशु योजना के तीसरे खंड में, उस स्थान का नाम लिखें जहाँ आप रहते हैं और जिसे एक नए समूह या चर्च की आवश्यकता है। यह कैसे होगा इस बारे में एक छोटा विवरण लिखें।

3. **सामारिया**

"तीसरा, यीशु ने अनुयायियों को एक अलग शहर में अलग जातीय समूह में समूह शुरू करने की आज्ञा दी। यहूदी लोगों उन लोगों को तिरिस्कृत किया जो सामरिया में रहते थे। उनके पक्षपात के बावजूद, यीशु ने सामरियों के बीच अच्छी खबर बाँटने और समूह और चर्च शुरू करने के लिए अनुयायिओं को बुलाया। हम यीशु की आज्ञा का अनुसरण करते हैं जब हम अपने नजदीकी शहर में एक अलग जातीय समूह में समूह या चर्च शुरू करते हैं।"

- अपनी यीशु योजना के तीसरे खंड में, अलग जातीय समूह वाले एक अलग शहर के उस स्थान का नाम लिखें जिसे एक नए समूह या चर्च की आवश्यकता है। यह कैसे होगा इस बारे में एक छोटा विवरण लिखें।

4. **अंतिम**

"अंत में, यीशु ने अनुयायिओं को पूरे विश्व भर में और पृथ्वी के सभी विभिन्न जातीय समूहों के बीच में समूह शुरू करने के लिए अधिकृत किया। इस आदेश के पालन के लिए विशिष्ट रूप से एक नई भाषा और एक नयी

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 171 10/14/2013 10:47:52 PM

संस्कृति सीखने की जरुरत है। हम तब इस आदेश का पालन करते हैं जब हम अपने चर्च से धर्म प्रचारकों को विदेशी जगहों पर नया समूह और चर्च शुरू करने के लिए भेजते हैं।

- अपनी यीशु योजना के तीसरे खंड में, अलग जातीय समूह वाले एक अलग प्रदेश के उस स्थान का नाम लिखें जिसे एक नए समूह या चर्च की आवश्यकता है। यह कैसे होगा इस बारे में एक छोटा विवरण लिखें।

समूह या चर्च शुरू करने के चार तरीके क्यों हैं?

1. **पीटर**

- प्रेरित-चरित 10:9-
दूसरे दिन जब वे यात्रा करते-करते नगर के निकट आ रहे थे, तो पेतुरुस दोपहर के लगभग छत पर प्रार्थना करने लगा।

"पीटर ने येरुसालेम में चर्च में पादरी का काम किया। कोर्नेलउिस ने उससे यीशु मसीह की अच्छी खबर बाँटने के लिए योफा आने के लिए कहा। जब पीटर ने कोर्नेलउिस के परिवार के साथ बाँटा। सबको ईसा मसीह मिले, भगवान के परिवार में वापसि आए, और एक नया समूह शुरू किया।

नए समूह या चर्च शुरू करने का एक तरीका, एक मौजूदा चर्च के पादरी के लिए है कि वे एक अल्पावधि लक्ष्य यात्रा पर जायें और एक नए समूह या चर्च शुरू करने में मदद करें। इस तरह के चर्च रोपण कार्य को आमतौर पर दो से तीन हफ़्तों की आवश्यकता होती है।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 172 10/14/2013 10:47:52 PM

- आपकी यीशु योजना के चौथे खंड में, एक ऐसे पादरी का नाम लिखें जिसे आप जानते हैं और जो एक नया समूह या चर्च शुरू करने में मदद कर सकता है। यह कैसे होगा इस बारे में एक छोटा विवरण लिखें।

2. **पॉल**

- प्रेरित-चरित 13:2-
वे किसी दिन उपवास करते हुए प्रभु की उपासना कर ही रहे थे कि पवित्र आत्मा ने कहा, "मैंने बरनाबस तथा साऊल को एक विशेष कार्य के लिए निर्दिष्ट किया हैं। उन्हें मेरे लिए अलग कर दो।"

"पॉल और बरनाबस एन्तओक के चर्च में लीडर थे। भगवान ने पूजा के समय उनसे बात की और उन्हें अगम्य क्षेत्रों में जाकर ईसा चरित बाँटने की आज्ञा दी। आज्ञापालन में, उन्होंने पूरे रोमन साम्राज्य में समूह और चर्च शुरू किये।

समूह या चर्च शुरू करने का दूसरा तरीका है लीडरों को ईसा चरित बाँटने के लिए दूसरे शहर और प्रदेशों में भेजना। ये शिष्टमंडल नए विश्वासियों को इकठ्ठा करते हैं और नए समूह या चर्च शुरू करते हैं। इस तरह के चर्च रोपण कार्य को आमतौर पर दो से तीन हफ़्तों की आवश्यकता होती है।"

- आपकी यीशु योजना के चौथे खंड में, एक ऐसे चर्च लीडर का नाम लिखें जिसे आप जानते हैं और जो एक नया समूह या चर्च शुरू करने में मदद कर सकता है। यह कैसे होगा इस बारे में एक छोटा विवरण लिखें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 173 10/14/2013 10:47:52 PM

3. प्रसीला और अकीला

-1 कुरन्थि 16.19-
एशयि की कलीसयिाएँ आप लोगों को नमस्कार कहती हैं। आक्वलिा, प्रस्किा और उनके घर में सभा करने वाली कलीसयि आप को प्रभु में हार्दकि नमस्कार कहती है।

"प्रसीला और अकीला चर्च में व्यापारी लोग थे। उन्होंने वहाँ समूह या चर्च शुरू कयिा जहाँ भी वो रहे या उन्होंने काम कयिा। जब उनका व्यापार द्रवति हुआ, उन्होंने नयी जगह पर नया समूह या चर्च शुरू कयिा।

नए समूह या चर्च शुरू करने का तीसरा तरीका इसाई व्यापारयिों के लएि समूह शुरू करना है जो उनके ग्राहक-गणों के बीच चर्च बन जायें। अगर एक इसाई व्यापारी ऐसी जगह स्थानांतरति हो जाता है जहाँ कोई चर्च नहीं है, वो समूह शुरू करता है। इस तरह के चर्च रोपण कार्य को आमतौर पर दो से तीन वर्षों की आवश्यकता होती है।"

- आपकी यीशु योजना के चौथे खंड में, एक ऐसे व्यापारी का नाम लखिें जसि आप जानते हैं और जो एक नया समूह या चर्च शुरू करने में मदद कर सकता है। यह कैसे होगा इस बारे में एक छोटा ववरिण लखिें।

4. कष्ट पहुंचाना

- प्रेरति-चरति 8:1-
साऊल इस हत्या का समर्थन करता था। उसी दनि येरुसालेम में कलीसयि पर घोर अत्याचार प्रारम्भ हुआ। प्रेरतिों को छोड़ सब-के-सब यहूदयि तथा समारयि के देहातों में बखिर गये।

"प्रेरति चरति में सताए हुए वश्विासयिों का समूह लोगों का आखरिी समूह था जसिने समूह और चर्च शुरू कयिे।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 174 10/14/2013 10:47:52 PM

कई विश्वासी येरुसालेम से दूर हो गए जब सॉल ने हिंसापूर्वक चर्च को कष्ट देना शुरू किया। उन्होंने पूरे यहूदिया और सामरिया में समूह और चर्च शुरू किये। हम इसके सच होने को जानते हैं, क्योंकि प्रचारकों ने बाद में ने उन क्षेत्रों में पहले से स्थापित गरिजाघरों का मुआयना किया।

नए समूह और चर्च शुरू करने का अंतिम तरीका सताए हुए विश्वासियों के साथ है जिनको दूसरे शहर स्थानान्तरण करना अनिवार्य है। अगर कोई समूह या चर्च विद्यमान नहीं है, नए पहुंचे हुए विश्वासी एक शुरू करते हैं। समूह या चर्च शुरू करने के लिए एक शैक्षिक उपाधि की आवश्यकता नहीं है, बस यीशु के प्रति प्यार, और एक दिल जो उसकी आज्ञा का पालन करना चाहता है।"

- आपकी यीशु योजना के चौथे खंड में, एक ऐसे विस्थापित व्यक्ति का नाम लिखें जिसे आप जानते हैं और जो एक नया समूह या चर्च शुरू करने में मदद कर सकता है। यह कैसे होगा इस बारे में एक छोटा विवरण लिखें।

स्मृति छंद

- प्रेरित-चरित 1:8-

किन्तु पवित्र आत्मा तुम लोगों पर उतरेगा और तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा और तुम लोग येरुसालेम, सारी यहूदिया और सामरिया में तथा पृथ्वी के अन्तिम छोर तक मेरे साक्षी होंगे।"

- सब लोग खड़े हो जायें और स्मृति छंद को एकसाथ दस बार बोलें। पहले छह बार, वे अपनी बाइबिल या छात्र लेखों का उपयोग कर सकते हैं। आखिरी चार बार, वे स्मृति से छंद कहें। हर बार छंद उद्धृत करने से पहले छंद का संदर्भ कहें और समाप्त होने पैर बैठ जायें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 175 10/14/2013 10:47:52 PM

- इस दिनचर्या का पालन प्रशिक्षकों को ये पता करने में सहायता करेगा की किन दलों ने "अभ्यास "अंश का सबक समाप्त कर लिया है।

अभ्यास

- लीडरों को चार के गुटों में विभाजित करें। उनसे इस नेतृत्व सबक के साथ प्रशिक्षण की प्रक्रिया का उपयोग करने के लिए कहें।
- लीडरों को प्रशिक्षण प्रक्रिया से क्रमशः अवगत कराएं और उन्हें निम्न सारे वर्गों पर 7-8 क्षण चर्चा करने के लिए कहें।

प्रगति

"चार विभिन्न प्रकार की जगहों पर चार विभिन्न प्रकार के समूह शुरू करने वालों के साथ आपने जो प्रगति की है उसे बाँटें।"

समस्याएँ

"चार विभिन्न प्रकार की जगहों पर चार विभिन्न प्रकार के समूह शुरू करने वालों के साथ आपने जिन समस्याओं का सामना किया है उन्हें बाँटें।"

योजना

"अगले ३० दिनों में यीशु योजना के इन चरणों का पालन करने के लिए ऐसे दो काम बांटे जिनके लिए आप आपने समूह का नेतृत्व करेंगे।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 176 10/14/2013 10:47:52 PM

- सभी एक दूसरे की योजनाओं को रिकार्ड करें ताकि वे बाद में अपने साथियों के लिए प्रार्थना कर सकें ।

अभ्यास

"अगले ३० दिनों में आपके द्वारा किये जाने वाले एक कार्य जो बांटे जो अपनी इस क्षेत्र के बेहतर लीडर बनने में मदद करेगा।"

- हर कोई अपने साथियों के विषय को रिकार्ड करे ताकि वे बाद में अपने साथियों के लिए प्रार्थना कर सके।
- जब सब अपने अभ्यास करने वाले कौशल बाँट लें तो सारे लीडर खड़े हो जायें और एकसाथ दस बार स्मृति छंद कहें।

प्रार्थना

- एक दूसरे की योजनाओं और अगले ३० दिनों में बेहतर लीडर बनने के कौशल के अभ्यास के लिए प्रार्थना में समय व्यतीत करें।

समाप्त

नए चर्च को शुरू करने में कितना खर्चा आता है?

"नया चर्च शुरू करने के लिए आपको क्या चाहिए? इसकी हम एक सूची बनाते हैं।"

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 177 10/14/2013 10:47:52 PM

- जैसे छात्र जवाब दें तो सफ़ेद तख़्ते पर एक सूची लिखें. चर्चा और बहस के लिए अनुमति दें। उदाहरण के लिए, अगर कोई कहता है "एक इमारत", बाकी छात्रों से पूछें की क्या एक चर्च शुरू करने के लिए एक इमारत ज़रूरी है।

  "अब जब हमारे पास उन सभी चीजों की सूची है जो आपको एक चर्च शुरू करने के लिए चाहियें, हम उनके आगे उनका मूल्य रखते हैं।"

- सूची में नीचे जाते हुए छात्रों से हर चीज़ का मूल्यांकन करने के लिए कहें। शिक्षार्थियों को प्रत्येक पंक्ति के लिए एक कीमत पर चर्चा और सहमति के लिए प्रोत्साहित करें। आमतौर पर, समूह एक चर्च शुरू करने की लगत कुछ भी नहीं है तय करेगा, या ज़्यादा से ज़्यादा, बाइबिल खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे जितिना।

  "इस अभ्यास का उद्देश्य लोगों द्वारा चर्च शुरू करने की योजना बनाते समय आम गलती का पता करना है। वे ये मान लेते हैं की चर्च शुरू करने के लिए बहुत सारे पैसे की जरुरत है। ज़्यादातर चर्च, हालाँकि, घरों में शुरू होते हैं और ज़्यादा महंगे नहीं होते। यहाँ तक की अज के सबसे बड़े चर्च भी घरों में शुरू हुए थे। एक चर्च शुरू करने के लिए सिर्फ विश्वास, आशा, और प्रेम की ज़रूरत है न कि एक बड़े बैंक खाते की।"

मेरी यीशु योजना

- लीडरों से उनकी सहभागी सूचना पुस्तक "मेरी यीशु योजना" में पीछे जाने के लिए कहें।

  "हम अगले सत्र में एक दूसरे के सामने अपनी यीशु योजनाओं को पेश करेंगे। कुछ क्षण निकिलकर अपनी यीशु योजना पूरी करें और इस बारे में सोचें की आप कैसे

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 178 10/14/2013 10:47:52 PM

समूह में अपनी यीशु योजना पेश करेंगे। जब आप समाप्त कर लें, भगवान से अगले सत्र के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए प्रार्थना में कुछ समय व्यतीत करें।"

एक ओर आम सवाल

आप प्रशिक्षण सत्र में अनपढ़ लोगों के साथ कैसे काम करेंगे?

यीशु का पालन - प्रशिक्षण ऐसे कई शिक्षण साधनों का इस्तेमाल करता है जो साक्षर और निरक्षर लोगों को वह याद करने में मदद करते हैं जो उन्होंने सीखा है। हमारे अनुभव में, दोनों समूहों को प्रशिक्षण से एक जैसा आनंद और लाभ होता है। निरक्षर लोगों को प्रशिक्षण देते समय हम हाथों के इशारों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हैं। कुछ एशियाई संस्कृतियों में, महिलाओं ने तीसरे श्रेणी स्तर के बाद कोई शिक्षा प्राप्त नहीं की है। ऐसी महिलाओं को प्रशिक्षण देने के बाद, उन्होंने हमसे आँखों में आंसुओं के साथ संपर्क किया। "धन्यवाद", उन्होंने कहा," क्योंकि आँखों के इशारों ने हमें सिखने में मदद की, और अब हम यीशु का पालन कर सकते हैं।"

यहां तक कि एक अविकसित स्थान में, आमतौर पर एक व्यक्ति ही समूह के लिए पढ़ सकता है। विशिष्ट रूप से, हम उस व्यक्ति से पूरे समूह के लिए शास्त्रों को ज़ोर से पढनें के लिए पूछते हैं। कभी कभी हम पाठक से शास्त्रों को दो से तीन बार पढनें के लिए पूछते जिससे कि समूह अच्छी तरह से समझले। मुख्यत: अगर हमे पता है कि समूह पहले से ही निरक्षर है, तो हम प्रत्येक सत्र के चलचित्र अथवा श्रव्य अभिलेखन बनाने की व्यवस्था कर लेते हैं।

चित्रपटल और रेडिओ निरक्षर समूह और दूर दराज के गांवों को भारी तौर से प्रभावित करता है। ऐसा सोचने की गलती ना करें तुम्हे बार बार निरक्षर शिक्षार्थियों को पाठ पढ़ना ही पड़ेगा। अगर शिक्षार्थियों को पहली बार में पाठ समझ न आये,

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 179 10/14/2013 10:47:52 PM

उनको एक और बार प्रशिक्षण दें, और फिर उनके लिए तब के लिए एक अभिलेखन या चित्रपटल समीक्षा करने के लिए छोड़ें जब आप वहां नहीं होंगे। ज़्यादातर जगहों पर कम से कम एक सार्वजनिक डीवीडी या वीसीडी प्लेयर उपलब्ध है। एमपी ३ प्लेयर आसानी से सुलभ हैं और बैटरी पर चल सकते हैं। आपके चित्रपटल और रेडिओ अवलेखन छोड़ने के बाद भगवान अपने अनेक शिक्षार्थियों को आशीर्वाद देते रहेंगे। अगर आप कोई चित्रपटल या श्रव्य अवलेखन बनायें तो कृपया उसकी एक प्रति को *lanfam@FollowJesusTraining.com* पर भेज दें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 180 10/14/2013 10:47:52 PM

१०

यीशु का पालन करें.

लीडरों ने "*कट्टरपंथी लीडरों का प्रशिक्षण*" में सीखा है कि कोन चर्च बनाते हैं और क्यों यह महत्वपूर्ण है। उन्हें दुनिया तक पहुंचने के लिए यीशु रणनीति के पांच भागों में महारत हासिल है और एक दुसरे को सिखाने का अभ्यास है। उन्होंने एक महान लीडर के सात गुणों को समझा है, भविष्य के लिए एक प्रशिक्षण पेड़ विकसित किया है और जानते हैं कि कैसे अलग व्यक्तियों के साथ काम करना है। प्रत्येक लीडर की एक योजना है जो यीशु की ल्यूक १० योजना के आधार पर है। "यीशु का पालन करें" नेतृत्व के अवशेष के एक हिस्से को दर्शाता है।

दो हजार साल पहले,लोग विभिन्न कारणों के लिए यीशु का पाल न करते थे। कुछ जेम स और जॉन की तरह विश्वास रखते थे की यीशु प्रसिद्धि दिलिवाएगा। दुसरे फरीसियों की तरह, उसका पालन आलोचना और अपनी श्रेष्ठता दिखाने के लिए

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 181 10/14/2013 10:47:52 PM

करते थे। अभी भी कुछ, यहूदा की तरह यीशु का पालन पैसे के लिए करते है। पांच हजार की एक भीड़ भी यीशु का पाल न करना चाहती थी, क्योंकि उसने उनको भोजन दिया जिसकी उनको जरुरत थी। ए क अन्य समूह ने यीशु का पालन किया क्योंकि उन्हें चिकित्सा की जरूरत है, और केवल एक ही व्यक्ति लौट के धन्यवाद कहने आया। दुर्भाग्य से, कई लोगों ने स्वार्थ के लिए यीशु का पालन किया जो वो उन्हें दे सकता था। लीडरों के रूप में, हम अपने आप को जांच करे और पूछे की क्यों मैं यीशु का पाल न कर रहा हूँ।

यीशु ने उनकी प्रशंसा की जिन्होंने उसे दिल से प्यार किया। एक ठुकरी महिला द्वारा इत्र के असाधारण उपहार ने स्मरण का वादा करवाया जहाँ भी लोग सुसमाचार का प्रचार करते थे। एक विधवा घुन ने यीशु के दिल को सोने के मंदिर से भी अधिक छुआ। जब एक होनहार युवा आदमी ने अपने पूरे दिल के साथ भगवान से प्यार करने से इनकार कर दिया, उसने धन को चुना तो यीशु निराश हो गये थे। इसके अलावा, यीशु ने सिर्फ पीटर से उसके साथ हुए विश्वास घात से बहाल करने का ए क सवाल पूछा।"साइमन, क्या तुम मुझे प्यार करते हो?" अध्यात्मिक लीडर लोगो से प्यार करते है और भगवान से प्यार करते है।

सत्र प्रत्येक लीडर की "यीशु योजना" साझा करने के साथ खत्म होता है।

प्रार्थना:

दो भक्ति गीत एक साथ गायन कीजिये। इस सत्र के लिए प्रार्थना करने के लिए किसी लीडर से पूछें।

प्रगति

स्वागतम

चर्च कौन बनाता है?
वह महत्वपूर्ण क्यों है?

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 182 10/14/2013 10:47:52 PM

यीशु ने उनके चर्च कैसे बनाये?
ईश्वर में अटल विश्वास रखें
ईसा-चरित बाटें
अनुयायी बनाएं
समूह और चर्च प्रारंभ करें
लीडर का विकास करें

1 कोरिन्थियस 11।1- आप लोग मेरा अनुसरण करें, जिस तरह मैं मसीह का अनुसरण करता हूं।

यीशु की तरह प्रशिक्षण दें

यीशु ने लीडर को कैसे प्रशिक्षण दिया?
प्रेरणा
समस्याएँ
योजनायें
अभ्यास
प्रार्थना

लूक 6:40- शिष्य गुरू से बड़ा नहीं होता। पूरी-पूरी शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अपने गुरू-जैसा बन सकता है।

यीशु की तरह नेतृत्व करें

यीशु महानतम लीडर किसको कहेंगे?
एक महान लीडर की सात विशेषताएं क्या हैं?
महान लीडर लोगों को प्यार करते हैं ।
महान लीडर को अपने मिशन का ज्ञान होता हैं ।
महान लीडर अपने अनुयायियों की सहायता करते हैं ।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 183 10/14/2013 10:47:52 PM

महान लीडर दया करने वाले होते हैं ।
महान लीडर समूह की परेशानयिों को जानते हैं ।
महान लीडर पालन के लिए एक अच्छा उधारण देते हैं ।
महान लीडर यह ज़ानते कि उन पर येशु की कृपा हैं ।

जॉन 13:14-15-अब,यदि मैं- तुम्हारे प्रभु और गुरु- ने तुम्हारे पैर धोये हैं तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहियें। मैंने तुम्हें उदाहरण दिया हैं, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया वैसा ही तुम भी किया करो।

ताक़तवर बनें

ईश्वर ने तुम्हें कौन सा व्यक्तत्वि दिया है?
- सैनकि
- साधक
- चरवाहा
- बोनेवाला
- बेटा / बेटी
- संत
- नौकर
- प्रबंधक

ईश्वर को कसि प्रकार का व्यक्तत्वि सबसे ज़्यादा पसंद है?
कसि प्रकार का व्यक्तत्वि सर्वश्रेष्ठ लीडर बनता है?

रोमनस 12:4-5- जसि प्रकार हमारे एक शरीर में अनेक अंग

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 184 10/14/2013 10:47:52 PM

होते हैं और सब लोगों का कार्य एक नहीं होता। उसी प्रकार हम अनेक होते हुए भी मसीह में एक ही शरीर और एक दूसरे के अंग होते हैं।

एकता में बल

दुनिया में आठ प्रकार के लोग क्यों हैं?
यीशु किसकी तरह हैं?
- सैनिक
- साधक
- चरवाहा
- बोनेवाला
- बेटा / बेटी
- उद्धारक / संत
- नौकर
- प्रबंधक

प्रतिद्वंदिता की अवस्था में तीन विकल्प क्या है?
- दूर भागना
- एक दूसरे से लड़ना
- ईश्वर की आत्मा के द्वारा एकसाथ मिलकर काम करने का रास्ता खोजना

गलातियिन्स 02:20 - मैं अब जीवित नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझ में जीवित हैं। अब मैं अपने शरीर में जो जीवन जीता हूँ, उसका एकमात्र प्रेरणा-स्रोत हैं-ईश्वर के पुत्र में विश्वास, जिसने मुझे प्यार किया और मेरे लिए अपने को अर्पित किया।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 185 10/14/2013 10:47:52 PM

ईसा चरति बाटें

मैं कैसे सरल ईसा चरति बाँट सकता हूँ?
सुनहरी मनका
नीला मनका
हरा मनका
काला मनका
सफेद मनका
लाल मनका

हमें यीशु की मदद की क्या आवश्यकता हैं?
कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक होशियार नहीं हैं
कोई भी ईश्वर को पर्याप्त नहीं लौटा सकता है
कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक बलवान नहीं है
कोई भी ईश्वर को लौटा सकने लायक अच्छा नहीं है

जॉन 14:6- ईसा ने उस से कहा, ''मार्ग सत्य और जीवन मैं हूँ। मुझ से हो कर गये बिना कोई पिता के पास नहीं आ सकता।''

अनुयायी बनाएं

यीशु की योजना में पहला कदम क्या हैं?
स्वयं को दलि से तैयार करो
जोड़े में चलो
जहाँ यीशु कार्य कर रहे हैं वहां जाओ
फसल में से लीडरों के लिए प्रार्थना करें
वनिम्रतापूर्वक चलें

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 186 10/14/2013 10:47:52 PM

भगवान पर निर्भर रहें, धन पर नहीं ☝
जहां वह बुला रहा है वहां सीधे जाओ ☝

ल्यूक 10:2-4-उन्होंने उन से कहा, ''फ़सल तो बहुत है, परन्तु मज'दूर थोड़े हैं; इसलिए फ़सल के स्वामी से विनती करो कि वह अपनी फ़सल काटने के लिए मज'दूरों को भेजे।

समूह प्रारंभ करें

यीशु की योजना में दूसरा कदम क्या है?
- दोस्ती का विकास करें ☝
  - शांत रुपी व्यक्ति की खोज करें
  - वही खाएं और पियें जो उन्होंने दिया है
  - एक घर से दूसरे घर न जायें

यीशु की योजना में तीसरा कदम क्या है
- अच्छी खबर बाटें
  - रोगियों का उपचार करें
  - ईसा चरित बाटें

यीशु की योजना में चौथा कदम क्या है
- परिणाम मूल्यांकन और समायोजन करें
  - मूल्यांकन करें कि वे कैसे प्रतिक्रिया करते हैं
  - चले जायें अगर उन्होंने प्रतिक्रिया नहीं की है

ल्यूक 10:9- वहाँ के रोगियों को चंगा करो और उन से कहो, 'ईश्वर

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 187 10/14/2013 10:47:52 PM

का राज्य तुम्हारे निकट आ गया है'।

चर्च प्रारंभ करें

किन चार स्थानों पर यीशु ने विश्वासियों को चर्च को शुरू करने की आज्ञा दी?

जेरूसलम
यहूदिया
सामारिया
अंतिम

चर्च शुरू करने के चार तरीके क्या हैं?

पीटर
पॉल
प्रिस्किल्ला और अक्विला
कष्ट पहुंचाना

एक नया चर्च शुरू करने में कितना खर्च आता है?

- प्रेरित-चरित 1:8-किन्तु पवित्र आत्मा तुम लोगों पर उतरेगा और तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा और तुम लोग येरुसालेम, सारी यहूदिया और सामरिया में तथा पृथ्वी के अन्तिम छोर तक मेरे साक्षी होंगे।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 188 10/14/2013 10:47:52 PM

योजना

आप यीशु का पाल न क्यों करते हैं?

जब यीशु इस धरती पर दो हजार साल पहले चले लोगो ने वभिन्न कारणों के लिए उनका पालन कयिा

जेम स और जॉन की तरह लोग वशि्वास रखते थे कि यीशु प्रसद्धि दिलिवाएगा।

- मार्क 10:35-37-
जीबदी के पुत्र याकूब और योहन ईसा के पास आ कर बोले, ''गुरुवर! हमारी एक प्रार्थना है। आप उसे पूरा करें।''
ईसा ने उत्तर दयिा, ''क्या चाहते हो? मैं तुम्हारे लिए क्या करूँ?''
उन्होंने कहा, ''अपने राज्य की महमिा में हम दोनों को अपने साथ बैठने दीजिए- एक को अपने दायें और एक को अपने बायें''।

फरीसयिों की तरह लोग यीशु का पालन ये दखिाने के लिए करते थे के वे कति ने चतुर हैं।

-ल्यूक 11:53-54 -
जब ईसा उस घर से नकिले, तो शास्त्री, और फ़रीसी बुरी तरह उनके पीछे पड़ गये और बहुत-सी बातों के सम्बन्ध में उन को छेड़ने लगे।वे इस ताक में थे कि ईसा के कसिी-न-कसिी कथ न में दोष नकिाल लें।

युदास की तरह लोगों ने पैसे के लिए यीशु का पालन कयिा

- जॉन 12:4-6-
इस पर ईसा का एक शष्यि यूदस इसकारयिोती जो उनके साथ वशि्वास घात करने वाला था, यह बोला, ''तीन सौ दीनार में बेचकर इस इत्र की कीम त गरीबों में क्यों नही बाँटी गयी?'' उसने यह इसलयि नहीं कहा कि उसे गरीबों की चति ा थी, बल्कि इसलयि कि वह चोर था।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 189 10/14/2013 10:47:52 PM

उसके पास थैली रहती थी और उस में जो डाला जाता था, वह उसे निकाल लेता था।

पांच हजार लोगों की भीड़ की तरह लोगो ने भोजन के लिए यीशु का पालन किया।

- जॉन 6:11-15-
ईसा ने रोटियाँ ले लीं, धन्यवाद की प्रार्थना पढ़ी और बैठे हुए लोगों में उन्हें उनकी इच्छा भर बँटवाया। उन्होंने मछलियाँ भी इसी तरह बँटवायीं। जब लोग खा कर तृप्त हो गये, तो ईसा ने अपने शिष्यों से कहा, ''बचे हुए टुकड़े बटोर लो, जिससे कुछ भी बरबाद न हो''। इस लिए शिष्यों ने उन्हें बटोर लिया और उन टुकड़ों से बारह टोकरे भरे, जो लोगों के खाने के बाद जौ की पाँच रोटियों से बच गये थे। लोग ईसा का यह चमत्कार देख कर बोल उठे, ''निश्चय ही यह वे नबी हैं, जो संसार में आने वाले हैं''। ईसा समझ गये कि वे आ कर मुझे राजा बनाने के लिए पकड़ ले जायेंगे, इसलिए वे फिर अकेले ही पहाड़ी पर चले गये।

दस कोढ़ी लोगों की तरह लोगो ने उपचार के लिए यीशु का पालन किया।

-ल्यूक 17:12-14-
किसी गाँव में प्रवेश करने पर उन्हें दस कोढ़ी मिले, जो दूर खड़े हो गये और ऊँचे स्वर से बोले, ''ईसा! गुरूवर! हम पर दया कीजिए''। ईसा ने उन्हें देख कर कहा, ''जाओ और अपने को याजकों को दिखिलाओ'', औ र ऐसा हुआ कि वे रास्ते में ही नीरोग हो गये।

जैसा कि आप देख सकते हैं कई लोगो ने एक स्वार्थी दिल से यशु का पालन किया। वे यीशु की परवाह कम और वह उन्हें क्या दे सकता है के लिए परवाह अधिक करते हैं ।आज भी कुछ अलग नहीं है.

लीडरों के रूप में, हम अपने आप को जांच करना चाहिए और पूछना चाहिए, मै क्यो यशु का पालन कर रहा हूँ?

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 190 10/14/2013 10:47:53 PM

क्या आप यीशु का पालन प्रसद्धि होने के लिए करते हैं?

क्या आप यीशु का पालन इसीलिए करते है ताकि लोगो को दिखा सके के आप कितने चतुर हैं?

क्या आप पैसे के लिए यीशु का पालन करते है?

क्या आप यीशु का पालन अपने परिवार को भोजन उपलब्ध कराने के लिए करते हैं?

क्या आप यीशु का पाल न इस उम्मीद से करते है के वो आपको ठीक कर देगा?

लोग कई कारणों से यीशु का पाल न करते हैं पर भगवान ही एक प्रेरणा का आशीर्वाद देता है.

यीशु उन लोगो को चाहते हैं जो लोग उनका दिल से पालन करते हैं?

क्या आपको निर्वासित पापी औरत याद है जिसने यीशु पर महंगा इत्र डाला?

- मैथ्यू 26:13-
मैं तुम लोगों से यह कहता हूँ- सारे संसार में जहाँ कहीं इस सुसमाचार का प्रचार किया जायेगा, वहाँ इसकी स्मृति में इसके इस कार्य की चरचा होगी।''

क्या आपको गरीब विधिवा याद है? उसकी पेशकश ने यीशु के दिल को मंदिर के धन से अधिक छुआ ।

ल्यूक 21:03-
और कहा, ''मैं तुम लोगों से यह कहता हूँ-इस कंगाल विधिवा ने उन सबों से अधिक डाला है।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 191 10/14/2013 10:47:53 PM

क्या आप एक सवाल याद है जो यीशु ने पीटर को धोका देने के बाद पूछा?

> जॉन 21:17-
> ईसा ने तीसरी बार उस से कहा, "सिमोन योहन के पुत्र! क्या तुम मुझे प्यार करते हो?" पेतुरस को इस से दुःख हुआ कि उन्होंने तीसरी बार उस से यह पूछा, 'क्या तुम मुझे प्यार करते हो' और उसने ईसा से कहा, "प्रभु! आप को तो सब कुछ मालूम है। आप जानते हैं कि मैं आप को प्यार करता हू।" ईसा ने उस से कहा मेरी भेडों को चराओ।

यीशु ने पीटर से उसके दिल में प्यार के बारे में पूछताछ की क्योंकि वह यीशु के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा है.क्या हम उसका इसीलिए पालन करते है क्योंकि हम उसको प्यार करते है?

हम प्यार-भरे दिल से यीशु का पालन करते हैं, क्योंकि वह पहले हमें प्यार करते थे.हम भगवान में मजबूत हो गये हैं क्योंकि हम यीशु से प्यार करते हैं. हम ईसा-चरित शेयर करते हैं क्योंकि हम यीशु से प्यार करते हैं. हम शिष्य बनाते है क्योंकि हम यीशु से प्यार करते है.हम समूह बनाते है जो चर्चे बन जाते हैं क्योंकि हम यीशु से प्यार करते हैं. हम आध्यात्मिक लीडरों को प्रशिक्षित करते है क्योंकि हम यीशु को प्यार करते हैं. जब इस धरती का नधिन होगा केवल विश्वास, आशा और प्रेम रहेगा. हालाँकि इनमें से सबसे बड़ा प्यार है.

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 192 10/14/2013 10:47:53 PM

यीशु योजना प्रस्तुतियाँ

- शिक्षार्थियों को प्रत्येक आठ लोगों के समूहों में विभाजित करे. लीडरों को निम्नलिखित प्रस्तुति कार्यक्रम समझाओ.
- लीडर एक समूह बनाये और एक चक्र मे अपनी यीशु योजना को प्रस्तुत करे. प्रस्तुति के बाद अन्य लीडर यीशु योजना पर हाथ लगायें और भगवान की शक्ति और आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करे. लीडर जोर से उन लीडरों के लिए प्रार्थना करे जिन्होंने प्रस्तुति दी.
- एक लीडर प्रार्थना का समय बंद करता है जैसे आत्मा निर्देश देती है. एक समय पर जब व्यक्ति यीशु योजना की प्रस्तुति देता है और समूह एक सुर में तीन बार कहता है "अपना क्रोस लें और यशु का पालन करे.
- ऊपर उल्लखिति चरणों को हरेक लीडर की यीशु योजना प्रस्तुति के लिए दोहराए.
- जब सभी अपनी योजना प्रस्तुत कर चुके हो, लीडर कोई भी समाप्त न हुए समूह मे शामलि हो जाये.
- प्रशक्षिण समाप्ति पर एक समर्पति पूजा गीत गाये जो समूह के शक्षिार्थियों के लिए सार्थक हो.

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 193 10/14/2013 10:47:53 PM

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 194 10/14/2013 10:47:53 PM

भाग ३

संसाधन

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 196 10/14/2013 10:47:53 PM

आगे का अध्ययन

हम निम्नलिखित लेखकों विचार करते हैं जिन्होंने कट्टरपंथी लीडरों पर सबसे उपयोगी प्रशिक्षण किये। बाइबिल पहली पुस्तक जो शिष्टमंडल के काम में अनुवाद करने के लिए हैं। बाद में, हम एक के रूप में इन सात पुस्तकों का अनुवाद करने की ठोस नींव में प्रभावी नेतृत्व विकास के लिए अनुशंसा करते हैं।

- बलानचार्ड, कें और होद्गेस, फिलि. *यीशु की तरह नेतृत्व: सभी समय के महानतम आदर्श से सबक।* थोमस नेल्सन, 2006.
- क्लिटिन, ज. रोबेर्ट. *एक लीडर का बनाना।* नव्प्रेस पुब्लिशिंग ग्रुप, 1988.
- कालेमन, रोबेर्ट इ. *इंजीलवाद के मास्टर प्लान।* फ्लेमिंग ह. रेवेल, 1970.
- हेत्तिगा, जन डी. *मेरा पालन करें: यीशु के प्यारे नेतृत्व का अनुभव।* नव्प्रेस, 1996.
- माक्सवेल, जॉन सी. *आपके भीतर के लीडर का विकास करना।* थोमस नेल्सन पुब्लिशेर्स, 1993.
- ओगने, स्टेवें अल. एंड नेबल, थोमस प. *कोचिंग के माध्यम से लीडरों का सशक्तकिरण।* चुर्च स्मार्ट रेसौर्सस, 1995.
- संदेर्स, जे. ओसवाल्ड. *आध्यात्मिक नेतृत्व: हर आस्तिक के लिए उत्कृष्टता* के सिद्धांतों। मूडी पुब्लिशेर्स, 2007.

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 197 10/14/2013 10:47:53 PM

परिशिष्ट ए

बहुत बार पूछे जाने वाले सवाल:

मैं अगर डेढ़ घंटे में सबक ना पूरा कर सकूँ तो मुझे क्या करना चाहिए?

याद रखें, प्रक्रिया और सामग्री समान रूपसे महत्वपूर्ण हैं। प्रक्रिया का पालन, विश्वास पैदा करता है। श्रेष्ठ विषय-वस्तु शिक्षा लाती है। दोनों प्रक्रिया और श्रेष्ठ विषय-वस्तु परिवर्तन का उत्पादन करती हैं। हमने देखा है सबसे आम गलती दूसरे को शिक्षा देने में यह होती है कि बहुत अधिक सामग्री दे देना परन्तु अभ्यास के लिए उतना समय ना दे पाना।

"यीशु का पालन" प्रशिक्षण के लगभग सभी पाठों में एक मध्यांतर होता है| यदि आपके पास पूरा पाठ पढाने के लिए समय नहीं है; तो आप पाठ का पहला आधा भाग सम्पूर्ण प्रशिक्षण प्रक्रिया के साथ पढाएं| और शेष आधा भाग जब आप फिरसे मिलें, तब पढाएं| आप इस योजना का उपयोग आपके विद्यार्थियों के शिक्षा तथा आकलन को ध्यान में रख कर करें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 198 10/14/2013 10:47:53 PM

वयस्क शिक्षार्थियों को यीशु की नेतृत्व शैली का अपने जीवन में अवलम्ब करना सिखाना यही हमारा लक्ष्य है। इसके लिए समय और सब्र चाहिए। लेकिन ये करना बहुत जरूरी है।

नेतृत्व आन्दोलन क्या हैं?

भगवन बहुत सारे मार्गों से आगे जा रहे हैं। अभी तक हमने ८० से ज़्यादा आन्दोलनों का पता लगाया है। यदि इसा चरित की शिक्षा देना इन आंदोलनों में "इंजन" की तरह है, तो "इंजन के चक्र" नेतृत्व का विकास कर रहे हैं। वास्तव में, यह कहना अक्सर मुश्किल होता कि वे नेतृत्व, शिष्यत्व, या चर्च की स्थापना का आंदोलन हैं। जो भी नाम है, उनमे एक गुणवत्ता समान है -: पुरुषों, महिलाओं, युवा, और बच्चों का, सभी समय का सबसे बड़ा लीडर, प्रभु यीशु! नेतृत्व सरलता ही, नेतृत्व आंदोलन की विशेषताएँ बताता है! पुरुषों या महिलाओं के छोटे समूहों की जवाबदेही, प्रशिक्षण, और सीखने के लिए मिलते हैं। पॉल 2 2:02 टिमोथी में शृंखला के इन प्रकार के बारे में बात की है। एक लीडर एक समूह में ज्ञान प्राप्त करता है और दूसरे समूह के लिए ज्ञान देता है। विकसित आंदोलनों में, नेतृत्व शृंखला पूरी तरह से लगातार छठी या सातवीं पीढ़ी में विस्तारित होती है। किसी भी संगठन, मंत्रालय, या लोगों का समूह उतने ही ही दूर जा सकता है, जितने दूर उनके लीडर उनका नेतृत्व कर सकते हैं। इसलिए, नेतृत्व जानबूझकर विकसीत किया जाना चाहिए, क्योंकि लीडरों को पैदा नहीं किया जा सकता। लीडरों को ये जानने की जरूरत है की नेतृत्व कैसे किया जाए।

एक नेतृत्व आंदोलन में, किशोर छात्र नेतृत्व के उपकरण- दृष्टि, प्रयोजन, लक्ष्य और उद्देश्य के बारे में सीखते हैं, अपने बीस साल उम्र के पुरुषों और महिलाएं उनके व्यवसाय और निजी जीवन में इन उपकरणों को लागू करने की शुरुआत करते हैं। तीस वर्ष से अधिक उम्र के लोग ईन उपकरणों का इस्तमाल विशिष्ट मंत्रालयों या कारोबार में करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। चालीस से ज़्यादा आयु के लोग, दृढ़ता के साथ नेतृत्व के उपकरण लगाने से मिले फल देखते है। अर्द्धशतक आयु वाले लोग, जिन्होंने एक लंबे समय के लिए 'यीशु नेतृत्व'

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 199 10/14/2013 10:47:53 PM

शैली का पालन किया है, युवा पीढ़ी के लिए आदर्श के रूप में काम करते हैं| आमतौर पर, अपने साठ के दशक में लोगों को कई युवा पुरुषों और महिलाओं के लीडर के रूप में सिखा सकते हैं| अपने सत्तर के दशक में संन्यासी उनके बुढ़ापे में भी सच्चाई और परिपूर्णता की एक विरासत, नये लोगों के लिए, छोड़ देतें है|

एक विदेशी मिशनरी की भूमिका समय के साथ किस तरह बदल गयी है?:

हर मिशन प्रयास के चार चरण है - खोज, विकास, तैनाती और प्रत्यायोजन! प्रत्येक चरण में अद्वितीय लक्ष्यों और चुनौतियों का सामना करने की अपेक्षा है| हर एक चरण में धर्म प्रचारकों से अलग कौशल की आवश्यकता है|खोज चरण का काम है - वंचित लोगों की पहचान, अग्रणी धर्म प्रचारकों को वंचित क्षेत्र में भेजना और वहां पैर जमाना| धर्म प्रचारक की भूमिका है - खोजना, प्रचार करना, और दिलचस्पी लेने वाले नागरिकों के साथ जोड़ना| इस काम के फल कुछ चर्चों की स्थापना में मिले है| हालांकि, चर्च प्राप्त देश और संस्कृति के साथ अधिक मिलता-जुलता है| खोज चरण के दौरान, धर्म प्रचारकों काम अस्सी प्रतिशत है, जबकि नागरिकों का योगदान बीस प्रतिशत है|

कुछ खोज चरण में शुरू चर्चों को आगे बढ़ने और अन्य चर्चों के, विकास के चरण में चर्च के एक संघ के लिए अग्रणी शुरुआत जारी है| इस चरण में मदद चर्चों के नेटवर्क में धर्म प्रचारक के साथ, इंजील का प्रचार करना, और विश्वासियों के बीच शिष्यत्व का जानबूझकर प्रयास शुरू हो| एक छोटे ईसाई संस्कृति के लिए मेजबान देश में जड़ लेना शुरू होता है| विकास के चरण के दौरान, धर्म प्रचारकों को साठ प्रतिशत काम करते हुए नागरिकों का चालीस प्रतिशत योगदान है|लक्ष्य तैनाती चरण में खुले हुए चर्च बड़े होकर नये चर्च की शुरुआत करते है| इस अवधि में आमतौर पर चर्च सौ समूह के साथ शुरू होता है और बढ़ जाता है| धर्म प्रचारक की भूमिका है - लोगों को आश्वस्त करने के लिए नेतृत्व में विकास को जारी रखना,

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 200 10/14/2013 10:47:53 PM

नागरिकों को समस्या में मदद करना, मुसीबत को दूर करना, और नागरिकों की सहायता करनेके लिए रणनीति को लागू करना| तैनाती चरण के दौरान नागरिकों का काम साठ प्रतिशत है जबकि धर्म प्रचारकों का योगदान चालीस प्रतिशत है|

प्रत्यायोजन (काम सौंपना) ये हर लक्ष्य का अंतिम चरण है| इस चरण में, धर्म प्रचारकों को उनका काम राष्ट्रीय विश्वासियों को सौंपना है| धर्म प्रचारक शिक्षा, सहयोग, और उत्सव का काम करने के लिए लौट जाते हैं| प्रत्यायोजन चरण के दौरान नागरिकों का काम नब्बे प्रतिशत है जबकि धर्म प्रचारकों का योगदान सिर्फ दस प्रतिशत है| खोज चरण फिर से शुरू होता है, लेकिन इस बार ये काम राष्ट्रीय विश्वासियों को करना होता है|

विदेशी धर्म प्रचारकों को ये जानना चाहिए कि वे दुनिया के अधिकांश भागों में प्रत्यायोजन (काम सौंपना) चरण में हैं| एक धर्म प्रचारक की आज की मुख्य भूमिका शिक्षा, प्रशिक्षण, और राष्ट्रीय भाई और बहनों को भगवान का लक्ष्य पूरे करने मे मदद करना है| “यीशु का पालन” प्रशिक्षण के लक्ष्यों में से एक है - प्रत्यायोजन चरण के लिए सरल और अच्छे उपकरण धर्म प्रचारकों को उपलब्ध करना|

“5 का नियम” क्या है?

बस, व्यक्ति को किसी भी कौशल का उपयोग करने से पहले उसका पांच बार अभ्यास करना चाहिए| इससे उसको आत्मविश्वास मिलेगा| पिछले नौ साल मे लगभग 5000 लोगों को व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षण देने के बाद, हमने इस सिद्धांत को साबित होते देखा है|

प्रशिक्षण सेमिनार में बुद्धिमान और सक्षम लोग होते हैं, लेकिन सेमिनार के बाद उनके जीवन में भी थोड़ा परिवर्तन देखा जाता है| इस समस्या से निपटने के लिए शिक्षा सामग्री को अधिक रोचक और अधिक यादगार बनाना है| आमतौर पर, समस्या सामग्री में नहीं है, लेकिन लोग उस सामग्री का पूरी तरह से अभ्यास नहीं करते| इसीलिए उस अभ्यास का अपने जीवन में वो ठीक तरह से उपयोग नहीं कर पाते|

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 201 10/14/2013 10:47:53 PM

आप हाथों का इतना उपयोग क्यों करते हैं?

लोग जो देखते हैं, सुनते हैं और करते हैं; उसीसे सीखतें हैं| पश्चिमी शिक्षा प्रक्रिया पहले और दूसरे प्रकार पर ज़्यादा ध्यान देती हैं| इस प्रकार की शिक्षा प्रक्रिया से विद्यार्थी बहुत कम याद रख पाता है| अध्ययन की तीसरी शैली है - (किनेस्ठेटिक) kinesthetic - जिसको प्रशिक्षण में सबसे उपेक्षित किया जाता है| हमने देखा है के अध्यापन प्रक्रिया में हाथो के द्वारा बात समझाने से वो अच्छी तरह से याद रह जाती है| एक संशोधन के द्वारा - साक्षर और असाक्षर लोग समान रूप से कहानियों को दोहरा सकें, जब वो सुनाते समय हाथों का उपयोग किया गया था|

आपको पता है कि जब हमने "यीशु का पालन" प्रशिक्षण की शुरुआत की थी, तब हमने हाथ गति (हैण्ड मोशन) का उपयोग नहीं किया था| तथापि, जब हमारे प्रशिक्षण लक्ष्यों में बदलाव हुआ, हमने उस दृष्टिकोण को बदल दिया| हमें ये चाहिए था - की हमारे विद्यार्थी सेमिनार के अंत में पुरे सेमिनार को दोहरा सकें| 'अपने पाठ को कंठस्थ करना' ये ज़्यादातर एशियाई देशों की शिक्षा पद्धति का महत्वपूर्ण घटक है| अब, लोग अंतिम सत्र में उनकी स्मृति से पूरा सेमिनार वापस दोहरा सकते हैं क्योंकि हम हाथ गतियों का उपयोग कर रहे हैं| पहले वे ऐसा नहीं कर सकते थे| कुछ पाठ पढ़ने के बाद, लोग अब इस शिक्षा प्रकिया का आनंद ले रहे हैं| वो इस बात से चकित हैं के वो पूरा पाठ याद रख सकते हैं|

हाथ गति का उपयोग करने के बाद, हमने प्रशिक्षण लीडरों की संख्या में वृद्धि होते देखा| आध्यात्मिक प्रशिक्षण में मन के साथ दिल का होना भी जरूरी है| समझो की अगर दिल का परिवर्तन नहीं हुआ तो कोई परिवर्तन नहीं हुआ| हाथ गति का उपयोग करने से ज्ञान को दिमाग से दिल तक लाया जाता है| यही कारण है कि हम बच्चों को हाथ गति के साथ पढ़ाते हैं; ताकि जीवन के महत्वपूर्ण सत्यों को वो आसानी से याद रख सकें| वयस्कों, युवा और बच्चें हाथ गति का उपयोग कर अच्छी तरह पढ़ सकते हैं| निजी तौर पर, मैं हाथ गति का उपयोग नियमित रूप से मेरी प्रार्थना के समय करता हूँ| इससे मेरा

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 202 10/14/2013 10:47:53 PM

ध्यान केंद्रित करने में सहायता होती है| मैं प्रार्थना के दौरान पश्चाताप, प्रशंसा, या पूछना इसपर ध्यान दे सकता हूँ|

पाठ इतने आसान क्यों है?

ये पाठ सरल होने का मुख्य कारण ये है कि हम यीशु के सहज शिक्षा के उदाहरण का अनुसरण कर रहें हैं| यीशु ने जटिल को सरल बना दिया| यीशु का मकसद हैं जीवन को बदलना; नाकि "आधुनिक सच" को आत्मसात करना| जब हम सरलता से सिखातें है, तब बच्चों, युवाओं और वयस्क एक साथ सीख सकते हैं| आपको 'उत्तर' दिशा जानने के लिए हजार रुपयोंवाली महंगी मशीन की जरूरत नहीं है| वही काम एक सस्ती दिशा निरूपण यंत्र (कम्पस) कर देता है| नीतिवचन की पुस्तक कहती है - "ज्ञान की तलाश सबसे पहले करो" जीवन में ज्ञान और कुशलता लागू करने के लिए होशियारी की जरूरत है| हमने देखा है - अगर योजना अधिक जटिल है, तो उसके असफल होने की संभावना अधिक है| दुनिया भर में पादरी और धर्म प्रचारकों के सामने सामरिक लक्ष्य की योजना है| ये योजना कई हफ्तों या महीनों के अभ्यास के बाद विकसित की गयी है| उन योजनाओं में से अधिकांश का उपयोग नहीं किया जाता| कुछ लोगों का तर्क है की सरलता आपको यश नहीं दिलाती| लेकिन ये सरलता नहीं बल्कि मुर्खता है जो आपको यश नहीं दिलाती| होशियार आदमी खुद की कल्पना से काम करता है परन्तु मुर्ख आदमी होशियार आदमी के काम की नक़ल करता है|

यह अच्छी बात है कि "यीशु के मार्ग का अनुसरण" एक व्यक्ति की बुद्धि, स्कूली शिक्षा, प्रतिभा, उपलब्धियों, या व्यक्तित्व पर निर्भर नहीं करता| "यीशु के मार्ग का अनुसरण" करने के लिए यीशु के आदेश का दिल से पालन करने की इच्छा जरूरी है| जटिल शिक्षण से आमतौर पर वो शिक्षार्थि पैदा होतें हैं जो अपने दैनिक जीवन में ये सबक लागू करने में सक्षम नहीं होते| यीशु विश्वासियों से चेलों की निर्मिती का आदेश देता है| उन्हें उसकी आज्ञाओं का पालन करने के लिए कहता है|

कुछ लोग क्या गलतियां करते हैं जब वे दूसरों को प्रशिक्षित करते हैं?

प्रशिक्षणक साधारणतया तीन क्षेत्रों में गलतियाँ करते हैं- लोग, प्रक्रिया, और सामग्री| हम आपके प्रशिक्षण कौशल को सुधारने के लिए इन टिप्पणियों को प्रदान करते हैं|

हर शिक्षार्थी पिछले कुछ अनुभवों, ज्ञान और कौशल के साथ प्रशिक्षण लेने के लिए आता है| अगर प्रशिक्षणकर्ताओं ने इस बात का ध्यान नहीं रखा तो वे वही चीज़े सिखायेंगे जो उन्हें पहले से ही पता है| ये गलती टालने के लिए प्रशिक्षणकर्ता एक आसान सा सवाल पूछ सकते हैं - "क्या आपको पहले से ही इस विषय के बारे में पता है?" लेकिन कई बार ऐसा भी होता है की प्रशिक्षणकर्ता ऐसा मान कर चलते हैं की शिक्षार्थी को बहुत ज़्यादा पता है| शिक्षार्थी के पूर्व ज्ञान के बारे में ऐसी कल्पना गलत है| इस समस्या को हल करने के लिए शिक्षार्थी के साथ बातचीत करने की जरूरत है| हर शिक्षार्थी की सिखने की शैली अलग होती है; इसीलिए सिर्फ एक या दो शैलियों के आधार पर प्रशिक्षण देना गलती है| ऐसा करने से कुछ शिक्षार्थियों को पाठ समझ नहीं आएंगे| लोगों की जरूरतें भी उनके व्यक्तित्व के अनुसार अलग अलग होती है| प्रशिक्षण का तरीका जो बहिर्मुखी लोगों के लिए आसान है, वो अंतर्मुखी लोगों के लिए कठिन हो सकता है| इसीलिए शिक्षा के बहुत सारे तरीके अपनाने चाहिए जो लोगों के जरूरतों के हिसाब से हों |

प्रशिक्षण की प्रक्रिया में भी बहुत सारे प्रशिक्षणकर्ता गलतियाँ करते है| प्रशिक्षण में चर्चा के लिए भी अवसर होना चाहिए और शिक्षार्थी को पाठ के बारें में चर्चा करनी चाहिए| प्रशिक्षण ये एक ऐसी यात्रा है जो कौशल, चरित्र, गुणवत्ता, और ज्ञान में शिक्षार्थी को स्वामित्व प्रदान करती है| हमने ऐसे प्रशिक्षणकर्ताओं को देखा है जो सिर्फ शिक्षा सामग्री पर ध्यान देतें है लेकिन उनके छात्रों को पाठ पर बात या चर्चा करने का अवसर नहीं देतें है| शिक्षार्थी कोई भी पाठ तब सिख सकते हैं जब वे उस पर चर्चा करतें है और उस पाठ का अपने जीवन में उपयोग करतें हैं| प्रशिक्षण के समय एक और आम गलती की जाती है - पढाई की एक ही तकनीक का उपयोग करना| अक्सर इस्तेमाल करने पर कोई भी प्रशिक्षण तकनीक

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 204 10/14/2013 10:47:53 PM

अपनी प्रभावशीलता खो देती है| और एक गलती जो अक्सर की जाती है वो है लंबा प्रशिक्षण सत्र चलाना| किसी भी सत्र को तीन हिस्सों में बाटना चाहिए| अ) पहले सत्र में सिर्फ सिखाना ब) दूसरे सत्र में अभ्यास और क) तीसरे सत्रमें पाठ पर चर्चा| एक नब्बे मिनिट के सत्र में, शिक्षार्थियों को आमतौर पर सिर्फ बीस मिनिट के लिए सुनना पड़ता हैं| इसलिए उनकी पढाई में रूचि बिरक़रार रहती है और पढाई मजेदार हो जाती है|

आमतौर पर, प्रशिक्षण सत्र लंबे समय तक चलने का एक कारण ये है की ट्रेनर बहुत अधिक सामग्री इस्तेमाल करता है - ये है अंतिम क्षेत्र जहाँ प्रशिक्षणकर्ता गलतियाँ करते हैं| योग्य प्रशिक्षण सामग्री ज्ञान, चरित्र, कौशल, और प्रेरणा आदि मुल्यों को बढ़ावा देती है| पश्चिमी देशो से आये हुए प्रशिक्षणकर्ता "ज्ञान" भाग पर ध्यान देते हैं, और वे यह सोचते हैं के "जानने" वाली बात अपने आप हो जाएगी| वे चरित्र और प्रेरणा के बारे में बात करतें हैं, लेकिन कौशल अभ्यास पार ध्यान नहीं देते| अक्सर, प्रशिक्षणकर्ता उसी शिक्षा विधि का उपयोग करते हैं जिसिसे उनको सिखाया गया था| लेकिन वे यह बात भूल जाते हैं की वो शिक्षा विधि अब पुराणी हो चुकी हैं| वर्तमान में उत्कृष्ट प्रशिक्षण जानकारी की जरूरत है| लक्ष्य में परिवर्तन हो चूका है| इसीलिए प्रशिक्षण की पद्धति में भी परिवर्तन होना चाहिए| ये बात बहुत सारे प्रशिक्षणकर्ताओं के ध्यान में नहीं आती| प्रार्थना की कमी इस गलती के लिए सबसे आम कारण है|

'शिक्षार्थियों को अभ्यास के लिए काफी समय न देना' ये सबसे बड़ी गलती प्रशिक्षणकर्ता करतें है| प्रशिक्षकों के लिए ये एक बार की घटना है| इसीलिए, शिक्षार्थीयों के दिमाग में ज्यादा से ज्यादा ज्ञान डालने की कोशिश प्रशिक्षकों के द्वारा की जाती है| प्रशिक्षकों को सिर्फ शिक्षार्थी के ज्ञान के बारे में नहीं सोचना है बल्कि उसके अभ्यास के बारे में भी सोचना है| क्योंकि शिक्षार्थी आगे जाके प्रशिक्षणकर्ता बनने वाले हैं और दूसरे लोगों को सिखाने वाले हैं| इसीलिए उनका ज्ञान और अभ्यास दोनों मजबूत होने चाहिए| और प्रशिक्षकों को इस बात पर ध्यान देना चाहिए; तभी यश मिलेगा|

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 205 10/14/2013 10:47:53 PM

अगर प्रशिक्षित करने के लिए लीडरों की कमी हो तो क्या सुझाव है?

उभरते लीडर ही उभरते लीडरों को आकर्षित करतें है| जब आप यीशु और उनके नेतृत्व का अनुसरण करतें है; तो भगवान आप के साथ चलने के लिए औरों को भेज देगा| हमें विश्वास का पहला कदम उठाना चाहिए| यीशु हर आस्तिक के मन में रहता है| नेतृत्व और आधिपत्य एक साथ ही काम करते हैं| भगवान बहुत सारें नायकों को विकसित कर रहा है| उनको देखने के लिए प्रार्थना करने की जरूरत है| स्वीकृति और प्रोत्साहन के लिए हमें प्रार्थना करनी चाहिये| यीशु के नेतृत्व पर परिप्रेक्ष्य रहने के लिए हमें प्रार्थना करनी चाहिए|

भगवान के दिए हुए लोगों पर ही हमें ध्यान लगाना चाहिए; नाकि जो लोग नहीं है उनपर| जो लोग भगवान के नेतृत्व का पालन करते हैं, उनके साथ रहो| हर व्यक्ति किसी ओर का नेतृत्व करता है| पिता उनके परिवारों का नेतृत्व करते हैं| माताएं अपने बच्चों का नेतृत्व करती हैं| शिक्षक अपने छात्रों को नेतृत्व करते हैं| व्यापार करने वाले लोग उनके समुदायों का नेतृत्व करते हैं| यीशु का पालन - प्रशिक्षण में सिखाये गए नेतृत्व के सिद्धांतों का पालन इन में से सब स्थितियों में किया जा सकता है| लोग हमारी उम्मीदों की चुनौती पर खरे उतरते हैं| हर एक व्यक्ति को एक लीडर के रूप में देखो और देखो भगवान उसके जीवन में क्या बदलाव करता है|

नेतृत्व प्रशिक्षण की मेजबानी का एक महत्वपूर्ण काम हैं| सामाजिक संस्थाएँ जैसे शेर क्लब, चैंबर ऑफ कॉमर्स, ग्राम परिषद, या निगमी निदेशक इनके द्वारा नेतृत्व की जानकारी फैलानी चाहिए| मौजूदा नेतृत्व समूहों के माध्यम से प्रचार करना चाहियें| नेतृत्व सिद्धांतों के साथ व्यापार जगत के लीडरों को सिखाने के लिए प्रशिक्षण सामग्री का प्रयोग करें| समारोह के आयोजन से आपको आपके समुदाय में विश्वसनीयता मिलेंगी| और आपको खुद एक लीडर के रूप में विकसित होने में मदद मिलेगी| यदि आपकी जान-पहचान वाले लोगों में कोई यीशु का अनुयायि नहीं है, तो उनमें यीशु का सन्देश फैलाएं| इसी तरह से आपको यीशु के सन्देश को लोगों तक पहुँचाना है|

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 206 10/14/2013 10:47:53 PM

लीडरों को नए लीडरों को प्रशिक्षित करने के लिए पहला कदम क्या है?

यीशु ने लीडरों को चुनने से पहले प्रार्थना में एक पूरी शाम बितायी| तो प्रार्थना करना ये शुरुवात करने के लिए सबसे अच्छी बात है| अच्छे नेतृत्व के लीडरों के निर्माण के लिए प्रार्थना करो| जब आप प्रार्थना करते हैं, तब भगवान आपके दिल में झांक लेता है और आदमी सिर्फ शरीर उपस्थिति पर ध्यान देता है| संभावित लीडरों के चरित्र और सच्चाई के लिए देखो| बहुत बार, हम प्रतिभा और पहली छापों पर ध्यान केंद्रित कर देतें है| प्रार्थना में समय व्यतीत करें और भावुक, आध्यात्मिक लीडरों के निर्माण की भगवान के पास मांग करें| प्रार्थना के बाद, एक लीडर के रूप में यीशु के उदाहरण को लोगों को समझाना| परिवार और दोस्तों के साथ प्रार्थना करो, आप अच्छे लीडर बन सकें इसीलिए भगवान से मदद मांगो| भगवान लोगों को अपने रास्ते में लाता है| वे मजबूत लीडर बनने के लिए सीखना चाहते हैं| लगातार मित्रों की मदद से एक दूसरे के साथ लीडरों का निर्माण करना जरूरी है| आपकी मन की दृष्टि का उपयोग आप नए नेतृत्व तथा नए नेतओं के निर्माण में लगाना चाहिए|

भगवान से आपको नए लीडरों के बारें में पूछना है| भगवन नए लीडरों को चुनेंगे; आप नहीं| भगवन का जरूरी कार्य करने की इच्छा से नए लीडर स्वयं चुनें जायेंगे| हम लीडरों को "नियुक्त" नहीं करते हैं, लेकिन "उनका अभिषेक" करतें हैं| भगवान नए लीडरों को हमसे अच्छी तरह से चुन सकता हैं| इसीलिए नए लोगों की काम करने की ईच्छा देखो| यथा स्थिति से असंतुष्ट लोग अच्छे लीडर बन सकतें हैं| नयी चीजे सिखिने और भगवन के आदेश का पालन करने को तैयार लोगों पर ध्यान लगाओ| अगर संगठन के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व में कम दिलचस्पी है तो भी निराश नहीं होना चाहिए| अंत में, खुद यीशु अपनी योजना को पूरा करने के लिए जरूरी कदम उठाने शुरू कर देंगे| संभावित लीडरों को आकर्षित करने के लिए बहुत काम करना पड़ेगा| लोग हमेशा जीतने वाली टीम का सदस्य होना चाहते हैं| भगवान अपने यीशु योजना बनाने वाले को आशीर्वाद देता है, और वह लोगों को आपकी मदद के लिए भी भेजता हैं| भगवान ज़्यादातर

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 207 10/14/2013 10:47:53 PM

परिवार के सदस्यों, दोस्तों, और सफल लोगों को मदद के लिए भेज देंगे| लीडरों को अनुयायी मिलते है| जब आप यीशु का पालन करते हैं, तो दूसरों को भी एक स्पष्ट दिशा मिलती हैं| किसी को अपने लोगों के बीच यीशु के सन्देश की यात्रा शुरू करनी है| यह काम तुम कर सकते हो!

कट्टरपंथी लीडरो के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षणकर्ता द्वारा कौनसे विभिन्न सेटिंग्स का इस्तेमाल किया गया है?

यदि आपके पास सिखाने के लिए एक ही दिन है, तो आप ये पाठ सिखाएं: "यीशु ने लीडरों को कैसे सिखाया?", "एक महान लीडर के सात गुण" और "मसीहा की आठ भूमिकाएँ "| ये पाठ प्रशिक्षकों को ज्ञान, अभ्यास आदि गुण नए लीडरों को सिखाने में मदत करेंगे| जब आपको अधिक ज्ञान सिखाने के लिए कहा जायेगा तब आप उनको ज़्यादा पाठ पढ़ा सकतें हैं जिसे उनको अच्छा नेतृत्व करने में मदत मिलेगी| जहाँ लोगों के पास समय बहुत कम है वहां ये योजना अच्छी तरह से काम करती है| अगर आप लोगों को हफ्ते में एक बार या फिर दो हफ़्तों में एक बार पढ़ाते हैं तो फिर आप एक एक पाठ पढ़ा सकते हैं| इस प्रकार से नए लीडरों के कौशल का विकास अच्छी तरह से हो जायेगा| और १०-१२ हफ़्तों के बाद उनके ज्ञान की बुनियाद दृढ़ हो जाएगी| होशियार शिक्षार्थीयों को आप उनके सह-अध्यायीयोंको पढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर सकतें हैं| यह योजना बहुत ही व्यस्त और समय न होने वाले लोगों के साथ यशस्वी होती है| होशियार शिक्षार्थी बाहर भी दूसरे लोगों को पढ़ा सकते हैं| इससे ज्ञान ज़्यादा लोगों में फ़ैल जायेगा| अगर आपके पास सिर्फ तीन दिन हैं तो हम चाहतें हैं की आप इस पुस्तिका में दिए गए क्रम का अनुसरण करें| बहुत सारी चर्चा का आयोजन करें और विश्राम के समय में भी शिक्षार्थी लीडरों के साथ बैठक आयोजित करें| एक सत्र ख़तम होने के बाद, शिक्षार्थी लीडरों को ये सवाल पूछें: "भगवान् इस पाठ के बारें में आपसे क्या कह रहा है?" उसको अपने जवाब सह-अध्यायीयोंको बतानें दें| बड़े लोग चर्चा

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 208 10/14/2013 10:47:53 PM

और बहस से अच्छी तरह से सीख सकतें हैं| इस योजना का अवलम्ब करने से आपको शिक्षार्थियों की सोच का भी पता चलेगा| ये योजना गांव में जहाँ बहुत सारे किसान होते हैं; या फिर बायबल शाला में बहुत उपयोगी है|

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 209 10/14/2013 10:47:53 PM

परिशिष्ट बी

जाँच सूची

प्रशिक्षण से एक महिना पहले

- *एक प्रार्थना टीम का निर्माण करें*: बारह लोगो की एक प्रार्थना टीम तैयार करें जो प्रशिक्षण सप्ताह के बीच, पहले और दौरान प्रशिक्षण के लिए प्रेरित करें। यह बहुत आवश्यक है!
- *एक अपरेंटिस की नियुक्ति करें*: टीम को सिखाने के लिए अपरेंटिस की नियुक्ति करें, जो पहले प्रशिक्षण कट्टरपंथी लीडरो में भाग ले चूका हैं ।
- *प्रतिभागियों को आमंत्रित करें*: एक सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील तरीके में प्रतिभागियों को आमंत्रित करें । पत्र भेजे, निमंत्रण पत्र भेजे टेलीफ़ोन कॉल करें । प्रशिक्षण कट्टरपंथी लीडरो के प्रशिक्षण के लिए सबसे अच्छा आकार समूह 16-24 लीडर्स की एक संगोष्ठी सेटिंग है। कई प्रशिक्षुओं की मदद के साथ, आप 50 लीडर्स को प्रशिक्षित कर सकते हैं। तीन या अधिक लीडरो के समूह के साथ प्रशिक्षण सत्र कट्टरपंथी लीडर्स को और भी प्रभावी रूप से साप्ताहिक तौर पर किया जा सकता है।
- *रसद की पुष्टि करें*: लीडर्स की जरूरत के अनुरूप आवास, भोजन और परिवहन की व्यवस्था करें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 210 10/14/2013 10:47:53 PM

- *एक मीटिंग की जगह सुनिश्चित करें*: मीटिंग कक्ष में आपूर्ति के लिए दो तब्लो को कक्ष के आखिर में लगायें, प्रतिभागियों के लिए साडी कुर्सियां एक चक्र के रूप में लगायें, और सत्र के दौरान की गतिविधियों को सीखने के लिए कमरे के बहुत साडी जगह हो । यदि यह अधिक उपयुक्त है तो, कुर्सियों की बजाय फर्श पर एक चटाई की व्यवस्था करें । सत्र के दौरान दो विरामो के समय हर दिन कॉफी, चाय, नाश्ता का प्रबंध करें।
- *प्रशिक्षण सामग्री को इकठ्ठा करें*: एक बाईबलि, एक सफेद बोर्ड या कागज के बड़े शीट, छात्र नोट्स, लीडर्स नोट्स, रंग मार्कर, नोटबुक (जो छात्र स्कूल में उपयोग करते हैं), कलम या पेंसलि, एक छीनलोन गेंद, और पुरस्कार इकट्ठा करें।
- *पूजा में प्रयोग की सामग्री लें*: हर प्रतिभागी के लिए संगीत के पेज या एक कोरस पुस्तक की व्यवस्थिति करें । समूहों में से कोई एक व्यक्ति जो गिटार बजाता हो उसका पता लगाएं और उसे कहें पूजा का नेतृत्व करें ।

प्रशिक्षण के बाद

- *प्रशिक्षण के हर भाग का मूल्यांकन अपने अपरेंटिस के साथ करें*: प्रशिक्षण की समीक्षा और मूल्यांकन अपने प्रशिक्षु के साथ करने में समय व्यतीत करें। सकारात्मक और नकारात्मक की एक सूची बनाएँ। अगली बार जब आप प्रशिक्षण को सिखाने में सुधार की योजना बनायें ।

- भविष्य में प्रशिक्षण के लिए संभावित प्रशिक्षु के साथ संपर्क में रहें: दो या तीन लीडर्स को संपर्क करें जिन्होंने एक प्रशिक्षण कट्टरपंथी लीडर्स के प्रशिक्षण के दौरान नेतृत्व क्षमता आपकी मदद करके दिखाई है।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 211 10/14/2013 10:47:53 PM

- प्रशिक्षण प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करें कि अगले प्रशिक्षण के लिए एक मित्र लाएँ: प्रशिक्षण प्रतिभागियों से कहें की अगली बार जब वें लौट कर आयें तो मंत्रालय भागीदारों के साथ आने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। इस तरह करने से लीडर्स की संख्या बढेगी जो अन्य लीडर्स को प्रशिक्षित कर सकें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 212 10/14/2013 10:47:53 PM

परिशिष्ट सी

अनुवादक नोट्स

लेखक इस प्रशिक्षण सामग्री के अन्य भाषाओं में अनुवाद करने के लिए भगवान की अनुमति के साथ निर्देशक देता है । निम्न दिशानिर्देशों का उपयोग करें जब "यीशु का पालन - प्रशिक्षण"(फोलो जीसस ट्रेनिंग सीरिज़) का अनुवाद करें:

- अनुवाद का काम शुरू करने से पहले, हम फोलो जीसस ट्रेनिंग सीरिज़ के साथ दूसरों को कई बार प्रशिक्षित करने की सलाह देते हैं। अनुवाद का मतलब है है तथ्य के अर्थ पर जोर दें न की शाब्दिक अनुवाद होना चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर "आत्मा के द्वारा चलने" का अनुवाद किया जाएँ तो बाइबल के अपने संस्करण में इसे उत्साह से जीना कहेंगे, फोलो जीसस ट्रेनिंग सीरिज़ में वाक्यांश" उत्साह से जीना" का उपयोग करें। हाथो की गति को जरूरत के हिसाब से संशोधित करें ।
- अनुवाद को जितना संभव हो सके आम भाषा में करना चाहिए न की आपके लोगो की धार्मिक भाषा में ।
- जब ग्रंथों को उद्धृत करना हो तो बाइबिल के अनुवाद का उप्यूग करे,आपके समूह में ज़्यादातर लोगों को समझ आ जाएगा। यदि केवल एक ही अनुवाद मौजूद है, और उसे समझना मुश्किल है, तो ग्रंथों के शब्दों का अद्यतनीकरण करना चाहिए ताकि बाकी लोग भी उसे समझ सकें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 213 10/14/2013 10:47:53 PM

- मसीह के आठ चत्रिों के लिए सकारात्मक अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग करें। है। लगातार प्रशक्षिण टीम को सही शब्द खोजने से पहले "सही शब्द" के साथ कई बार प्रयोग करने के लिए आवश्यकता हो सकती है।
- अपनी संस्कृति में शब्द है कि एक पवत्रि व्यक्ति बिता देते हैं साथ "संत" अनुवाद। अगर अपनी भाषा में 'यीशु पवत्रिता का वर्णन करने के लिए प्रयोग कयिा जाता के रूप में एक ही शब्द है यह "संत" का उपयोग करने के लिए आवश्यक "एक पवत्रि।" नहीं है हम इन सामग्रयिों में "पवत्रिा" का उपयोग करें क्योंकि "संत" पूरी तरह से यीशु का वर्णन नहीं करता है।
- "सेवक का कभी कभी एक सकारात्मक अर्थ में अनुवाद करना मुश्कलि होता है, परन्तु आपका ये करना आवश्यक है । सावधानी से एक शब्द का चयन करें जो एक व्यक्ति की व्याख्या कर सके जो कठनि काम करता है, एक वनिम्र हृदय वाला है, और दूसरों की मदद करने में जसिे आनंद प्राप्त होता है । अधकिांश संस्कृतयिों एक "सेवक वाला हृदय "का वचिार करते है।"
- हम जॉर्ज पैटरसन की "ट्रेन और गुणा" संगोष्ठी से दक्षणि पूर्व एशयिा के लिए सीखने के लिए कई अनुकूलति नाटको से सीखा है। उन्हें अपनी संस्कृति के लिए अनुकूल वस्तुओं और वचिारों को अपने लोगों के अनुसार का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र महसूस करें।
- हम बहुत जल्द आपके काम के बारे में जानना कहते है, और अगर कोई मदद भी कर सके तो हमें प्रसन्नता होगी ।
- हमें सहयोग और अधकि लोगों को यीशु का पालन करने के लिए lanfam lanfam@FollowJesusTraining.com com पर संपर्क करें!

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 214 10/14/2013 10:47:53 PM

परिशिष्ट डी

अधिक संसाधन

आप www.FollowJesusTraining.com से कई संसाधनो को ले सकते है जो आपको दूसरों को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोगी होगी ।

संसाधनों में शामिल है:

1. लेख और लेखक द्वारा प्रशिक्षण पर अंतर्दृष्टि।
2. कट्टरपंथी लीडरो के प्रशिक्षण में हाथ गति की वीडियो।
3. कट्टरपंथी लीडरो के प्रशिक्षण का अनुवाद। अनुवाद की गुणवत्ता में भिन्नता होती है, इसलिए एक स्थानीय, राष्ट्रीय आस्तिक के साथ जाँच के बाद ही उनका उपयोग करें।

मौजूदा परियोजनाओं और प्रशिक्षण की घटनाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए हमें lanfam@FollowJesusTraining.com पर संपर्क करें।

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 215 10/14/2013 10:47:53 PM

TRL_Hindi_Leader_Inside_Format_Indesign.indd 216 10/14/2013 10:47:53 PM